फोनः-4103333, 2362400 फैक्सः-0141-2373513 वर्षः 73 संख्याः 169 प्रभात जयपुर, गुरुवार 19 जनवरी , 2023 डाक पं.सं. जयपुर सिटी/001/2021-23 पृष्ठ 8 मूल्य 2.50 रु.

ARBiT

जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

epaper.rashtradoot.com

राष्ट्रदूत

Metro

Rashtradoot

The ideal old age home is a myth

A single suitcase of clothing, a family photo and a small memento are all that may be permitted.

Sweet-tooth: Why Chocolate Feels So Good?

Horror Movie Turn Fear Into Fun | There's a lot of thought behind a good scare

'पेपर तिजोरी में बंद होता है, तिजोरी से पेपर बच्चों तक कैसे पहुंचा, यह तो जादूगरी हो गई'

पेपर लीक मामले में मुख्यमंत्री की ओर से अधिकारियों को क्लीन चिट देने के बयान पर सचिन पायलट का करारा हमला

जयपुर, 18 जनवरी (का.प्र.)। सचिन पायलट की सियासी दौरों ने राजस्थान की राजनीति में गर्मी पैदा कर दी है।

लगातार तीसरे दिन सचिन पायलट ने पेपर लीक मामले को उठाया और इस बार मुख्यमंत्री की ओर से कही गई बातों का मंच से ना सिर्फ सीधा जवाब दिया, बल्कि अधिकारियों को क्लीन चिट देने के अशोक गहलोत की बात पर भी सवाल खड़े कर दिए। इतना ही नहीं सचिन पायलट ने अधिकारियों को राजनीतिक नियुक्तियों में ज्यादा तवज्जों देने पर भी सवाल उठाए।

झुंझुनू जिले के उदयपुरवाटी विधानसभा क्षेत्र के गुढ़ा में आयोजित किसान सम्मेलन में बुधवार को भारी भीड़ उमड़ी। मंच पर मंत्री हेमाराम चौधरी, बृजेंद्र ओला और राजेंद्र गुढ़ा सहित आठ विधायक थे जिनमें गिर्राज सिंह मलिंगा, वीरेंद्र सिंह चौधरी, इंद्राज गुर्जर, वेद प्रकाश सोलंकी, सुरेश मोदी, खिलाड़ी लाल बैरवा और मुकेश भाकर शामिल रहे।

पायलट ने पेपरलीक मामले में अफसरों को क्लीन चिट देने के मुख्यमंत्री गहलोत के बयान पर कहा कि जब बार-बार पेपर लीक होते हैं तो हमें दुख होता है। इसके लिए जिम्मेदारी तय करके एक्शन लेना होगा। अब कहा जा रहा है कि कोई अफसर जिम्मेदार नहीं है। पेपर तिजोरी में बंद होता है, तिजोरी में बंद पेपर बाहर बच्चों तक कैसे पहुंच गया। यह तो जादूगरी हो गई। ऐसा संभव नहीं है कि कोई अफसर

(शेष पृष्ठ 7 पर)

- पायलट ने यह कहकर अधिकारियों पर कार्यवाही का दबाव बनाया कि, ऐसा संभव नहीं है कि कोई अफसर जिम्मेदार नहीं है, कोई न कोई तो जिम्मेदार होगा।
- उन्होंने कहा, अधिकारी 5 बजे रिटायर होता है, रात को 12 बजे नियुक्ति मिल जाती है, यह मौका कांग्रेस कार्यकर्ताओं को मिलना चाहिए। यह कहकर पायलट ने 20 से ज्यादा अधिकारियों की राजनीतिक नियुक्तियों पर सवाल खड़े किए।

सचिन पायलट लगातार तीन दिनों से राजस्थान के सियासी दौरे पर हैं, अपने संबोधनों में पायलट जिस बेबाकी से अपनी बात रख रहे हैं, उससे इस शीतलहर के बीच प्रदेश की राजनीति में जबरदस्त गर्मी पैदा हो गई है। पायलट ने बुधवार को उदयपुरवाटी (झुंझूनू) के मंच से जबरदस्त शक्ति प्रदर्शन किया। उन्होंने 11 से ज्यादा मंत्रियों एवं विधायकों की मौजूदगी में पेपर लीक मामले में मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के बयान पर सवाल खड़े किये। पायलट ने राजनीतिक नियुक्तियों में अधिकारियों को बहुत ज्यादा तवज्जो दिये जाने का भी मुद्दा उठाया। उदयपुरवाटी और शेखावाटी क्षेत्र इन दिनों भारी शीतलहर की चपेट में है, इसके बावजूद पायलट को सुनने के लिए नेताओं, कार्यकर्ताओं और आम लोगों की भारी भीड़ जुटी।

'सिमी पर 2019 में लगा प्रतिबंध पूर्णतया जायज'

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 18 जनवरी। गृह मंत्रालय ने स्टूडैन्ट्स इस्लामिक मूवमैन्ट ऑफ इण्डिया (सिमी) पर प्रतिबंध लगाने के लिए सुप्रीम कोर्ट के समक्ष जो विषय बताएं हैं, उनमें है कि सिमी भारतीय राष्ट्रवाद के स्थान पर खलीफाई व्यवस्था निर्मित करने के लिए मुस्लिमों का समर्थन जुटा रहा है। वह इस्लाम की एक अन्तर्राष्ट्रीय व्यवस्था लाना चाहता है और मूर्ति पूजा को "पाप" समझता है।

- केन्द्र सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में सिमी पर प्रतिबंध के खिलाफ दायर याचिका की सुनवाई में कहा कि, जिहाद के लिए युवाओं को एकजुट कर रहा है तथा यह संगठन विभिन्न कट्टरपंथी आतंकी संगठनों से प्रभावित है।

जस्टिस संजय किशन कौल की अध्यक्षता वाली सुप्रीम कोर्ट की बैंच ने गैर कानूनी गतिविधियां (निरोधक) अधिनियम, 1967 के अंतर्गत जुलाई 2019 के एक आदेश को निरस्त करने की मांग को लेकर दायर एक याचिका की सुनवाई को स्थगित कर दिया।

गृह मंत्रालय ने एक शपथ-पत्र में कहा कि सिमी का उद्देश्य संविधान के मूल तांने-बाने के विरूद्ध है।

गहलोत की पठानकोट यात्रा

-रेणु मित्तल-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 18 जनवरी। राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा में शामिल होने के लिए पठानकोट जायेंगे, जहां अन्य राज्यों की भांति एक सार्वजनिक रैली आयोजित की जा रही है।

गहलोत के राहुल गांधी की रैली में भाग लेने की उम्मीद है। राहुल की रैलियों में अब तक का चलन यही रहा है कि जिस राज्य में उनकी रैली होती है और वहां यदि कांग्रेस की सरकार है, तो वहां का मुख्यमंत्री रैली में मौजूद होता है।

- क्या गहलोत के विचलित मन को शांति मिलेगी राहुल से बातचीत करके।

सूत्र बताते हैं कि गहलोत का कोई विशेष एजेंडा नहीं है लेकिन वह स्वयं द्वारा 8 फरवरी को प्रस्तुत किए जाने वाले राज्य बजट को लेकर राहुल से चर्चा कर सकते हैं।

गहलोत राहुल गांधी से ऐसे सुझाव मांग सकते हैं, जिन्हें बजट में शामिल करने की जरुरत हो। उम्मीद है कि मुख्यमंत्री बजट के बारे में की जा रही मीटिंग्स के बारे में राहुल गांधी को ब्रीफ करेंगे। और इस पर भी चर्चा कर सकते हैं कि बजट की मुख्य विषय वस्तु क्या होनी चाहिए।

इन दिनों सचिन पायलट जन संपर्क अभियान में लगे हैं, जहां उनकी मीटिंग्स

(शेष पृष्ठ 7 पर)

'राहुल का अच्छा समय'

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 18 जनवरी। ज्योतिषी तथा पत्रकार से कांग्रेस नेता बने पंकज शर्मा ने बुधवार को कहा कि ज्योतिषीय गणना के हिसाब से राहुल गांधी और भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के लिए अच्छी संभावनाएं हैं।

- पत्रकारिता से राजनीति में आए कांग्रेस नेता और जाने माने ज्योतिषी पंकज शर्मा ने कहा कि, शनि के कुंभ राशि में प्रवेश के साथ आगामी ढाई साल राहुल व कांग्रेस के लिए करिश्माई साबित होंगे।

एक ट्वीट में उन्होंने कहा कि शनि, कुंभ राशि में आ चुका है जिससे राहुल का समय अच्छा हुआ है और अगले 30 महीनों के लिए कांग्रेस की जादुई संभावनाएं हैं।

कड़कती ठंड में रूस-यूक्रेन में युद्ध नया मोड़ आयेगा?

एक तरफ तो रूस, हर तरह से तैयारी कर रहा है, यूक्रेन के खिलाफ नया और बड़ा आक्रमण करने के लिये दूसरी ओर यूक्रेन मित्र देशों, इंग्लैंड, अमेरिका, पोलैण्ड, फ्रांस व जर्मनी, से आधुनिक हथियार प्राप्त करने जा रहा है। इंग्लैंड ने अपने आधुनिकतम, "चैलेंजर-2" टैंक सप्लाई करने की तैयारी कर ली है। पोलैण्ड ने भी नवीनतम टैंक यूक्रेन को देना शुरु दिया है

-अंजन रॉय-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 18 जनवरी। इस जमा देने वाली जबरदस्त सर्दी में यूक्रेन युद्ध एक नया मोड़ ले रहा है।

चूंकि रुस एक नया और बड़ा हमला करने के लिए हर संभव सैन्य कार्यवाही कर रहा है, इस पर यूक्रेन ने भी जवाबी हमला करने के लिए निर्णायक एवं घातक साज सामान प्राप्त करने का पूरा विचार बना लिया है ताकि वह रूसी सेनाओं को उस जगह से खदेड़ सके, जहां इस समय उनका कब्जा है।

सैन्य पर्यवेक्षकों को डर है कि आने वाले दिनों में, दोनों प्रतिद्वंदी सेनाओं के बीच और ज्यादा बड़ा खूनी संघर्ष होगा। जहां रुस अपनी सेनाओं को जमीन पर आगे बढ़ा रहा है, वहीं यूक्रेन रुसी सैनिको को, खाइयों में लिये गये उनके मोर्चो से खदेड़ने की नई कोशिशों को क्रियान्वित कर रहा है। यूक्रेन ने जमीन पर रुसी सैनिकों से

(शेष पृष्ठ 7 पर)

- अमेरिका ने अभी अपने सबसे जबरदस्त "एब्रम्स" टैंक देने का मन नहीं बनाया है, इसके बजाय, अपने बेजोड़ "टैंककिलर" "अर्मर्ड वीहिकल्स" देने का प्रस्ताव रखा है यूक्रेन के समक्ष।
- जर्मनी व फ्रांस ने अपना "मिलिटरी हार्डवेयर", जो केवल नाटो की सेना को ही दिया जाता था, अब यूक्रेन को देने लिए स्वीकृति दे दी है।
- अब तक, यूरोपीय देश काफी हिचकिचा रहे थे, आधुनिक हथियार यूक्रेन को देने के लिए, क्योंकि रूस के राष्ट्रपति पुतिन ने चेतावनी दी थी कि, किस भी यूरोपीय देश ने ऐसा किया तो उसकी खैर नहीं।

पंजाब के वरिष्ठ नेता मनप्रीत बादल ने कांग्रेस छोड़ी

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 18 जनवरी। पंजाब के पूर्व मंत्री मनप्रीत एस. बादल ने बुधवार को कांग्रेस की प्राथमिक सदस्यता से इस्तीफा दे दिया। उन्होंने इस्तीफा देने का कारण कांग्रेस की गुटबाजी को बताया है।

बादल ने राहुल गांधी को दिए अपने त्याग पत्र में कहा है कि "खेद की बात है कि पार्टी में वर्तमान मौजूद संस्कृति और इसमें बने रहने की अनिच्छा के कारण मैं अब भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस का हिस्सा नहीं बने रहना चाहता।"

- उन्होंने राहुल गांधी को भेजे एक शिकायती पत्र में पार्टी से मोहभंग होने और पार्टी छोड़ने की घोषणा की।

उन्होंने कहा कि "अपने प्रयासों की प्रशंसा पाने के बजाए मुझे अच्छा प्रदर्शन नहीं करने के लिए पंजाब कांग्रेस में तिरस्कृत किया गया। और इस विफलता को वित्तीय लापरवाही ही कहा जा

(शेष पृष्ठ 7 पर)

नॉर्थ ईस्ट के तीन राज्यों के चुनाव नतीजों का बेसब्री से इंतजार रहेगा

दो मार्च को घोषित होने वाले रिज़ल्ट , साल के अंत में होने वाले राज्यों का "मूड" तय करेंगे

-डॉ. सतीश मिश्रा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 18 जनवरी। चुनाव आयोग ने देश के तीन उत्तर-पूर्वी राज्यों त्रिपुरा, नागालैण्ड और मेघालय के विधानसभा चुनाव तिथियों की आज घोषणा कर दी। इनके चुनाव परिणाम 2 मार्च को घोषित किए जाएंगे जिनसे इस वर्ष बाद में होने वाले छह अन्य राज्यों के विधानसभा चुनावों के लिए माहौल बन जाएगा।

मुख्य चुनाव आयुक्त राजीव कुमार ने कहा कि त्रिपुरा में नई सरकार के लिए 16 फरवरी को और मेघालय तथा नागालैण्ड के लिए 27 फरवरी को वोट डाले जाएंगे। चुनावों के परिणाम 2 मार्च को घोषित किए जाएंगे। नागालैण्ड विधानसभा का कार्यकाल 12 मार्च को, मेघालय का 15 मार्च को और त्रिपुरा विधानसभा का कार्यकाल 22

(शेष पृष्ठ 7 पर)

- मेघालय का चुनाव ममता बनर्जी के लिए बहुत महत्व रखता है। दो साल पहले उनकी पार्टी ने मेघालय में प्रवेश किया, तथा 17 कांग्रेस विधायकों में से बारह को तोड़कर, अपनी पार्टी में शामिल किया पाला बदलने वालों में मु.मंत्री मुकुल संगमा भी शामिल थे। बारह में से तीन विधायकों ने वर्तमान मु.मंत्री संगमा का साथ छोड़ दिया है।
- विधायक, मेघालय में कई बार अपनी वफादारी बदलते रहे हैं, इस सबका तृणमूल पर क्या फर्क पड़ेगा, यह इंतजार है सबको।
- त्रिपुरा में पच्चीस साल से सदा जीतती आई सरकार को अपदस्थ करके भाजपा ने सरकार बनाई थी। पर भाजपा को चयनित मु.मंत्री बदलना पड़ा था। इस बार कांग्रेस व मार्क्सवादी पार्टी गठबंधन बनाकर त्रिपुरा में चुनाव लड़ रहे हैं। अगर त्रिपुरा में यह परीक्षण सफल रहा तो, बंगाल में दोहराये जाने की संभावना बनेगी।

'हिन्दुस्तान के साथ लड़े तीन युद्धों के बाद हमने "सबक" सीखा है'

पाकिस्तान के प्र.मंत्री शहबाज़ शरीफ ने अल-अरेबिया न्यूज़ चैनल को दिये इंटरव्यू में यह भी कहा कि, हम शांति के लिये तैयार हैं

-सुकुमार शाह-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 18 जनवरी। राजनैतिक, आर्थिक, विदेशनीति तथा शासन व्यवस्था के मोर्चों पर अनेकानेक चुनौतियों का सामना कर रहा तथा विवेकहीन नीतियों से हताश पाकिस्तान अब अपने धुर प्रतिद्वंद्वी भारत की तरफ संधि एवं शांति का हाथ बढ़ा रहा है।

पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज़ शरीफ इस बात को स्वीकार कर चुके हैं कि उनके देश ने भारत के साथ तीन युद्ध लड़ने के बाद "कई सबक सीख लिये" हैं। शहबाज़ इस समय जबरदस्त दबाव में हैं, घोर आर्थिक संकट के चलते दबाव बढ़ता ही जा रहा है। सुविदित है कि पाकिस्तान इस समय घोर आर्थिक संकट से गुजर रहा है। अब यह बिल्कुल स्पष्ट है कि वे भारत के साथ शांति वार्ता करने के इच्छुक है।

अभी हाल ही की अपनी यू.ए.ई. की यात्रा के दौरान, शहबाज़ ने यू.ए.ई. के राष्ट्रपति शेख मोहम्मद बिन ज़ायेद अल-नाहयान से कहा कि वे भारत से उनकी बात कराने में उनकी मदद करें। उन्होंने कहा कि अगर भारत के साथ बातचीत करने का कोई रास्ता खुल जाता है तो वे इस देश के साथ निष्कपट बातचीत करना चाहते हैं।

"अल-अरेबिया" समाचार चैनल के साथ हुई बातचीत के अन्तर्गत, शहबाज़ ने इस बात की पुष्टि की कि उन्होंने भारत के साथ बातचीत करने के लिये अल-नाहयान की मदद मांगी है। उन्होंने यह भी कहा कि पाकिस्तान को "सबक मिल गया" है तथा वह शांति के लिये तैयार" है।

उन्होंने आगे कहा, "मैंने मोहम्मद बिन ज़ायेद से निवेदन किया है कि वे पाकिस्तान के भाई हैं तथा यू.ए.ई. (हमारा) भाई है। उनके भारत के साथ बहुत अच्छे रिश्ते भी हैं तथा वे दोनों देशों को वार्ता की मेज पर लाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं और मैं उन्हें वचन देता हूँ कि हम भारतीयों के साथ पूरी निष्कपटता के साथ उद्देश्यपूर्ण बात करेंगे।"

पाकिस्तान के "द डॉन" की एक रिपोर्ट कहती है कि शहबाज़ ने यह स्पष्ट कर दिया कि ये बातचीत ऐसे वातावरण में हो सकती हैं जिसमें कश्मीर-विवाद जैसी "वास्तविक समस्याओं" पर विचार और उनका समाधान हो सकता हो।

विवादास्पद प्रश्न यह है कि भारत इस चुनावी वर्ष में पाकिस्तान के इस प्रलोभन को स्वीकार करेगा अथवा नहीं। भारत-पाकिस्तान के सम्बंधों को पुनर्परिभाषित करने के मामले में कश्मीर भारत का मानना है कि पाक-अधिकृत कश्मीर भारत का अभिन्न हिस्सा है।

भारत के साथ हुये तीन युद्धों, जिनके परिणामस्वरुप आपसी सम्बंधों में विषाक्तता आई तता लोगों को मुसीबतें झेलनी पड़ी, की याद करते हुये, शरीफ ने कहा, "हमने सबक सीख लिया है" तथा अब हम शांति से रहना चाहते हैं।

शरीफ ने कहा, "भारतीय नेतृत्व तथा प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के लिये मेरा यह संदेश है कि हम टेबल पर बैठें तथा कश्मीर जैसे अपने ज्वलंत मुद्दों का समाधान करने के लिये गंभीरता तथा निष्कपट रुप से बात करें।" रिपोर्ट के अनुसार उन्होंने कश्मीर में जारी "मानवाधिकारों के घोर उल्लंघनों" तथा कश्मीर की स्वायत्तता को 2019 में रद्द कर दिये जाने का मुद्दा भी उठाया।

उन्होंने भारत में अल्पसंख्यकों के उत्पीड़न का भी उल्लेख किया। शहबाज़ ने इस बात को रेखांकित करते हुये, कि पाकिस्तान शांति के लिये "बहुत अधिक इच्छुक है कहा, "विश्व को यह संदेश देने के लिये कि वह वार्ता के लिये तैयार है, भारत को यह सब बंद कर देना चाहिये।"

बाद में, प्रधानमंत्री के प्रवक्ता ने एक ट्वीट के माध्यम से याद दिलाया कि शहबाज़ का यह सुसंगत मान्यता रही है कि बातचीत तब तक संभव नहीं होंगी, जब तक भारत "5 अगस्त 2019 की गैरकानूनी कार्यवाही" को उलट नहीं देता, तथा कश्मीर-विवाद का समाधान संयुक्त राष्ट्र संघ के प्रस्तावों तथा जम्मू-कश्मीर के लोगों की आकांक्षाओं के अनुरुप ही होना चाहिये।

दिलचस्प बात यह है कि यू.ए.ई. की मदद से संभावित भारत के साथ किसी भी संवाद में कश्मीर विवाद पर केन्द्रित होने पर प्रधानमंत्री द्वारा जोर दिये जाने के बावजूद, यू.ए.ई. - पाकिस्तान द्वारा दो दिन की सरकारी यात्रा के अंत में जारी किये गये संयुक्त वक्तव्य में "कश्मीर" शब्द साफ तौर पर गायब था।

यू.ए.ई., भारत के साथ अपने - अपने प्रगाढ सम्बंधों की लम्बी चौड़ी बातें करता है। अल-नाहयान के विदेश नीति सलाहकार ने दिसम्बर में यू.ए.ई. में आयोजित "इंडिया ग्लोबल फोरम" में बोलते हुये कहा कि दोनों देशों ने "विश्वास के मंडार" तैयार किया।

उस अवसर पर भारत के विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने कहा था कि वैश्विक व्यवस्था को नया रुप देने में भारत और यू.ए.ई. महत्वपूर्ण भूमिका अदा करेंगे।

अबू धाबी अतीत में भारत-पाकिस्तान तनाव को कम करने में अपनी विशिष्ट भूमिका निभा चुका है। बालाकोट संघर्ष के दौरान, स्थिति को नियंत्रण से बाहर होने से रोकने में अबू धाबी की मूक भूमिका सर्वविदित है।

- पाकिस्तान के प्र.मंत्री शरीफ ने यू.ए.ई. के प्र.मंत्री से यह भी कहा कि, वे पाकिस्तान-भारत बातचीत आयोजित करने में मदद करें, और वे (प्र.मंत्री शरीफ) अपनी जुबान देते हैं कि, वे भारत से पूर्ण "ईमानदारी" से बात करेंगे।
- इंटरव्यू के बाद, प्र.मंत्री के प्रवक्ता ने ट्वीट करके यह जोड़ा कि, बातचीत तभी संभव हो पायेगी, जब हिन्दुस्तान 5 अगस्त 2019 को कि गयी गैर कानूनी कार्यवाई को वापस लेगा, तथा कश्मीर विवाद का समाधान यू.ए.ई. द्वारा पारित प्रस्तावों व जम्मू-कश्मीर की जनता की आकांक्षाओं के अनुरुप होगा।
- पर, मजे की बात यह है कि, प्र.मंत्री शरीफ ने पुरजोर ढंग से कश्मीर समस्या की अहमियत पर भारी जोर दिया, पर यू.ए.ई. की यात्रा के बाद जारी संयुक्त वक्तव्य में भी एक भी शब्द कश्मीर विवाद के बारे में नहीं है।

विचार बिन्दु

मासिक वेतन पूरनमासी का चाँद है जो एक दिन दिखाई देता है और घटते-घटते लुप्त हो जाता है। –प्रेमचंद

पुरानी पेंशन बनाम नई पेंशन अथवा नेशनल पेंशन

लम्बे समय से यदा-कदा नई पेंशन के विरोध में पेंशन योग्य पदों पर नियुक्त सरकारी व् अर्धसरकारी कर्मचारिओं के बीच यह मुद्दा चर्चा का विषय रहा है। विगत एक वर्ष से इस मसले ने अब देश व्यापी रुख अपना लिया है और लगभग प्रत्येक प्रान्त में पुरानी पेंशन वापिस बहाल करने की मांग अब जोर पकड चुकी है। इसी बीच कुछ राज्यों में वहां की सरकार ने पुरानी पेंशन बहाल करने का निर्णय भी ले लिया है।

राजस्थान सरकार के मुख्यमंत्री ने भी इस वाजिव और कर्मचारी हित को देखते हुए पुरानी पेंशन को दो माह पूर्व बहाल कर केंद्र से नई पेंशन में जमा की गई धन राशि को राज्य को वापिस लौटाने का अनुरोध कर दिया। परन्तु ऐसा सुना गया है कि वापिस लौटाने को यह कह कर मना कर दिया कि नई पेंशन के नियमों में जमा राशि लौटाने का कोई नियम ही नहीं है।

मेरे आंकलन के अनुसार जमा राशि का विथड्रॉल या निकासी का नियम इसलिए केंद्र ने नहीं डाला क्योंकि उन्हे पता था कि ऐसी स्तिथि आने पर सरकार उस सम्पूर्ण धन राशि को जप्त कर सके। नई पेंशन स्कीम 2004 से सरकारों ने लागू करदी। इस पर कर्मचारिओं के मध्य कोई सम्बाद भी नहीं हुआ और न ही इसके हानि लाभ से कर्मचारिओं को अवगत कराया गया।

इस प्रकार यह पेंशन योजना एक नादिर शाही आदेश से कर्मचारिओं पर थोप दी गई।

राज्यों को भी उस समय समझा दिया गया कि इससे राजकोष पर अनुकूल प्रभाव पडेगा अर्थात कर्मचारिओं की पेंशन पर राज्य का कोई खर्चा नहीं होगा और इससे जो धन की बचत होगी उसे अन्य कार्यों में अथवा माननिओं की अनुशंसा अनुसार खर्चा किया जायगा। अत: नई पेंशन स्कीम लागू करते समय चाहे कोई सरकार रही हो, नादिरशाही सोच की आकांक्षा सरकार के मन में बलवती थी।

आगे के वर्णन में पाठकों को बताने का प्रयास करूंगा, कि नई पेंशन के केवल दो प्रावधान (एक कटौती की राशि को कम्पनिओं में शेयर और म्यूच्यूअल फण्ड के माध्यम से सरकार इन्वेस्ट करेगी और कहाँ और कितना करेगी इसके लिए एक रेगुलेटरी बोर्ड इस पर नज़र रखेगा। पाठकों को बता दें कि सभी बड़ी कम्पनिओं के म्यूच्यूअल फण्ड भी एक नहीं लगभग 30 कम्पनिओं में अलग-अलग प्रतिशत के हिसाब से जमा फण्ड इन्वेस्ट करते हैं और उन कम्पनिओं पर फण्ड रेगुलेटर का तथाकथित सुपर विज़न भी रहता है। पर यह विज़न सुपर होता है अथवा नहीं, कहा नहीं जा सकता? लेकिन सच यही है कि अधिकांश म्यूच्यूअल फण्ड अपेक्षा पर खरे नहीं ठहरते और संतोषजनक लाभ इन्वेस्टर्स को नहीं दे पाते। वहीं अन्य कुछ म्यूच्यूअल फंडों में तो तीन-चार साल तक डिविडेंड नहीं मिलने पर रिडेम्पशन पर जमाकर्ता को मूल धन भी वापिस नहीं होता। लेखक ऐसे अनेक फंडों का भुक्तभोगी रहा है जब वर्षों बाद आखिर में मूल धन भी वापिस नहीं हुआ। ऐसे प्रकरण साबित करने के लिये डॉक्यूमेंट मौजूद हैं।

मैंने सभी म्युचुअल फंडों में आखिर में बंद करते समय लगभग एक लाख रुपये गवाएं जब कि सभी फंडों में एक्सपर्ट की सलाह से ही इन्वेस्ट किया था, फिर भी हानि, ऐसा क्यों? यहाँ मेरा बड़ा सबाल कि नई पेंशन की कटौती की राशि क्या अमरीका अथवा अन्य किसी विकसित देश में इन्वेस्ट होगी और क्या फण्ड रेगुलेटर विदेशी होगें? मुझे याद है यु एस 64 स्कीम जिसमे मैं भी एक छोटा इन्वेस्टर था। आखिर में स्कीम ऐसी डूबी कि जमाकर्ताओं को अपनी मूल राशि लेने के भी देने पड़ गए। अंत में केंद्र सरकार ने वित्तीय मदद कर जमा कर्ताओं को कुछ उबारा। यह स्कीम भी भारतीय स्टेट बैंक के माध्यम से ही चालू की गयी थी।

कर्मचारी को पेंशन प्रावधान एक डेफर्ड सैलरी है जो सरकार की नियमावली में भी है और सुप्रीम कोर्ट भी अनेक बार यह व्यवस्था दे चुका है। फिर केंद्र सरकार ने केवल यह ही व्यवस्था मिटाने की क्यों सोची? और भी अनेक मद हैं जहाँ किसी का जीवन अंधकारमय किये बिना परिवर्तन किये जा सकते हैं। यदि केंद्र में वांछित वित्त सलाहकारों की कमी है तो जनरल पब्लिक से कॉन्ट्रैक्ट पर उपयोगी सुझाव मिल सकते हैं। लेकिन अभी जयपुर आये अहलुवालीया अपनी तथाकथित वित्तीय योग्यता का ऐसा परिचय दे गए जो कोई भविष्य वक्ता ही देता तो ठीक होता। उनका कथन कि 'पुरानी पेंशन से राज्य दस वर्ष में कंगाल हो जायेगा।' वाह, क्या ज्योतिषी मिला देश को, यही कहा जा सकता है। मैं राजस्थान के मुख्यमंत्री की प्रशंसा करता हूँ कि उन्होंने श्री अहलुवालीया के स्टेटमेंट को यह कहकर वहीं ख़ारिज कर दिया कि नई पेंशन से कर्मचारिओं का भविष्य सुरक्षित नहीं रह सकता और उन्होंने अपने निर्णय अर्थात पुरानी पेंशन को ही सही माना। मुख्यमंत्री जी के विवेक को साधुवाद।

कर्मचारी को पेंशन प्रावधान एक डेफर्ड सैलरी है जो सरकार की नियमावली में भी है और सुप्रीम कोर्ट भी अनेक बार यह व्यवस्था दे चुका है। फिर केंद्र सरकार ने केवल यह ही व्यवस्था मिटाने की क्यों सोची? और भी अनेक मद हैं जहाँ किसी का जीवन अंधकारमय किये बिना परिवर्तन किये जा सकते हैं।

सरकारी ऑफिसर्स और अन्य कर्मचारिओं में एक चूसक वर्ग सदैव रहा है जो जन कल्याण के लगभग सभी नए प्रकल्पों में बाधा रहा है, चाहे अनुचित टिप्पणी लिखकर ; फाइल को अधिक दिनों तक अटकाए रख कर अथवा बिना टिप्पणी के भेज देना, अथवा कभी कभी मुट्ठी गरम होने की आशा में छुट्टी लेकर बैठ जाना आदि। ऐसा होने के दो प्रमुख कारण हैं जवाव देही का न होना और सचिव स्तर के अधिकारी का ढुल मुल रवैया।

अभी कुछ ही दिनों में वार्षिक बजट आने वाला है उसमे जनता को साफ़ दिख जायेगा कि उनकी सरकार कितनी जन हितेषी है? पहाड़ों पर रेल बिछाना क्या विकास है और यदि है तो किसके लिए?

सारांश में नई पेंशन की खूबियां यदि पाठकों को बताएं तो यह कहना उचित होगा कि नई पेंशन में सेवानिवृति पर कर्मचारी को न्यूनतम कितनी पेंशन मिलेगी, आखिरी वेतन की कितने प्रतिशत? कोई नहीं बता सकता और सरकार में जिन्होंने यह योजना बनाई और लागू करवाई वे भी इसका आंकलन नहीं कर सकते? और फिर क्या वेतन संशोधन होने पर पेंशन का संशोधन भी होगा? बेसिक पेंशन पर क्या मेहंगाई भत्ता मिलेगा? और क्या यह भत्ता महंगाई सूचकांक बढने पर सेवारत कर्मचारिओं की भांति बढाया जावेगा अथवा नहीं? क्या पेंशनर की मृत्यु होने पर पारवारिक पेंशन उसके आश्रितों को मिलगी अथवा नहीं, यदि मिलेगी तो किस आधार पर?

यदि नयी पेंशन का धन किसी समय मार्केट के धरातल के नीचे चला जाय तो पेंशन कहाँ से मिलेगी और कितनी केंद्र सरकार से अनुरोध है कि ऐसे सभी संशयों को स्पष्ट कर जनता में सरकार की पारदर्शिता का उदाहरण प्रस्तुत करने का कष्ट करे।

यदि सरकार नहीं कर सकती तो अविलम्ब पुरानी पेंशन बहाल करे और नई पेंशन में जमा कटौती की राशि सम्बंधित राज्यों को लाभ सहित लौटाएं। ऐसा करने पर जमा राशि पर उपार्जित लाभ विगत 18 वर्षों में कितना हुआ का भी आंकलन सुगमता से हो जायेगा। इसमें देरी सरकार को भारी पड सकती है? इसलिए समय से कदम उठाना वांछित होगा।

पेंशन से केवल एक व्यक्ति ही प्रभावित नहीं होता अपितु एक परिवार और उससे जुड़े व्यवसायी भी प्रभावित होते हैं। ऐसे में किसी को अन्धकार और अनिश्चित्ता में रखना न तो न्यायोचित है और न ही बुद्धिमानी। संकुचित विचार धारा वालों से सरकार दूरी बनाये क्योंकि ऐसे लोगों का उद्देश्य कुछ और ही होता है, सरकार और जनता का हित नहीं। अखबार वाले सभी बिके रहते हैं इसके प्रमाण का उल्लेख में लेख में पहले ही कर चुका हूँ।

अखबारों ने श्री अहलुवालीया जी का व्यान कि ; पुरानी पेंशन से राज्य दस वर्षों में कंगाल हो जायेगा ; समय उपरांत जनता देखेगी कि एक पूर्व अर्थशास्त्री की भविष्यवाणी सही होती है अथवा नहीं? यहाँ मैं केंद्र और सभी सरकारों से अनुरोध करता हूँ कि इस तथाकथित अर्थशास्त्री की भविष्यवाणी सही होती है अथवा नहीं, उनके सभी अखबारों में छपे कथन को सुरक्षित कर देश की लाइब्रेरी या आर्कईव में रखवा दें। मुख्य मंत्रिओं को आंकलन करना है कि उन्हे जनता का अनहित चाहिए अथवा सरकार का स्थायुत्व?

एक अन्य विडिओ से अभी मालूम हुआ कि उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी श्री आदित्यनाथ जी भी इस पेंशन मसले पर विचलित हैं। वे एक साधू हैं और कुशल प्रशासक भी, यह साबित हो चुका है। मैं कह सकता हूँ कि वे बिना किसी तरफ देखे अपने विवेक से उचित निर्णय उचित समय पर लेने में सक्षम होंगे।

पाठकों को मैं स्पष्ट कर दूँ कि नई पेंशन से मेरा कोई सम्बन्ध नहीं है लेकिन मैं सदैव जनोपयोगी मुद्दों पर अपनी सोच अनुभव के साथ पाठकों से साझा करता रहा हूँ। नई पेंशन स्कीम पर यह लेख भी इसी अभिप्राय की पुष्टि है अन्य कुछ भी नहीं। किसी के प्रति कोई दुर्भावना नहीं गरीब जनता के हितों पर कुठाराघात मुझे सहन नहीं। फिर भी किसी को ठेस पहुंचे उनसे क्षमा याचना।

–अतिथि सम्पादक,
प्रो.डॉ. वीर बहादुर सिंह,
(पूर्व कुलपति एवं डेयरीविज्ञ महाराणा प्रताप कृषि एवं प्रौद्योगिकी वि.वि., उदयपुर-राज.)

महिला उद्यमियों के लिए वरदान है पैच वर्क कला

पन्नालाल मेघवाल

पुराने जमाने में बूढी नानी-दादी फुर्सत के क्षणों में बातों ही बातों में नन्हीं-नन्हीं कतरनों को सहेज कर रखी पोटलियाँ खोलती और प्राय: चादरें, गुदडियाँ, लँहगे-ओढनी या तकिये के कवर इत्यादि पर पेचवर्क का काम शुरू कर देती थी। चन्द चुनींदा कपडों की अनुपयोगी रंग-बिरंगी कतरनें, बारीक-सी सुई और भिन्न-भिन्न कतरनों से मेल खाता धागा-बस यहीं से बूढी दादी, नानी की कल्पना से पेचवर्क का काम खिल उठता था। आज भी गाँवों की ग्रामीण महिलाएँ यही सब करती हैं और छोटी-छोटी बालिकाएँ भी खेल-खेल में ही इसमें प्रशिक्षित हो जाती हैं।

आधुनिक युग में पेचवर्क से सज्जित आधुनिक पोशाकों के डिजाइन परम्परागत शैली में ही बनाये जाते हैं, जैसे-फूल के पेचवर्क में यदि पँखुडिया चिपकाई जाती थी तो वर्षो तक यही परम्परा बनी रही। सिंथेटिक वस्त्रों का प्रचलन आया जिसके अनुरूप अब टेरीकॉट, पॉपलीन, टेरीवायल और अब तो आरकन्डी पर भी पेचवर्क होने लगा है। साथ ही पेचवर्क की फलक पर डिजाइनें भी पारम्परिक न रहकर मॉडर्न आर्ट पेचवर्क में बदल गये हैं। अब आरी-तारी या मुकेश का काम भी पेचवर्क के साथ ही मिश्रित होने लगा हैं जिससे पोशाक में जहाँ चमक-दमक आती हैं वहीं व्यक्तित्व के निखार में भी वृद्धि होती है।

प्राचीनकाल के पारम्परिक कलीदार कुरतों का स्थान अब घेर-घुमावदार अंगरखों ने ले लिया या फिर आठकली के कुरतों का भी खूब प्रचलन है। हल्की गुलाबी साँझ के लिए यह सुखद पोशाक है इसमें हल्की आरी-तारी या मुकेश का पेचवर्क युक्त काम व्यक्तित्व को निखार कर और अधिक आकर्षक बनाता है। टसर सूट आरम्भिक जाड़ों के लिए सुन्दर व उपयोगी होते हैं। पोशाकों, साड़ियों एवं दुपट्टों पर आकर्षक पेचवर्क किया जाता है। पोशाकों का मूल्य निर्धारण पोशाक के वस्त्र तथा उस पर किये गये पेचवर्क के काम पर निर्भर होता है। पेचवर्क में केसमेन्ट बेड-शीट, टेबल मेट एवं डीनर सेट भी बनाए जाते हैं।

श्रीनाथ जी की फलक, गणेशजी, राधा-कृष्ण के अलावा बेड कवर, सोफा कवर, टेबलक्लाथ, कुशनकवर, सलवार सूट आदि भी बडे आकर्षक बनाये जाते हैं। पेचवर्क से सज्जित इन वस्तुओं को आम जनता बड़े चाव से खरीदती है। पेचवर्क का काम आधुनिक या नवीन नहीं है। सदियों से यह काम पारम्परिक और पुश्तैनी धंधे के रूप में अनेकों प्रदेशों में होता आया है।

औद्योगिकरण के बावजूद आज भी अधिकांश प्रदेशों में वहाँ का महिला वर्ग पेचवर्क से पूर्णत: जुड़ा होकर स्वतंत्र रूप से व्यवयाय में संलग्न हैं। घरेलू हस्तकला की शुद्ध पारम्परिक शैली के माध्यम सुई-धागे से सम्पन्न इस कला के प्रति लोगों की बढ़ती रूचि से जहाँ इस कला क्षेत्र को बल मिला वहीं रोजगार के द्वार भी खुले हैं। भिन्न-भिन्न प्रदेशों में समय-समय पर आयोजित होने वाली प्रदर्शनियों एवं घर-घर खुलते बुटिक के कारण भी पेचवर्क कला के क्षेत्र में उल्लेखनीय विकास हुआ।

आधुनिक युग में पेचवर्क पर महिलाओं का एकाधिपत्य होने से समाज में आर्थिक रूप से पिछड़ी महिलाओं की स्थिति में उल्लेखनीय बदलाव आया है। बाजार में इस कार्य की माँग होने से महिलाओं को घर बैठे ही आर्डर मिल जाते हैं। अनेकों असहाय और विधवा महिलाएँ आज पेचवर्क के जरिये समाज में स्वावलम्बी जीवन व्यतीत करते हुए अपने नौनिहालों के लिए अच्छी शिक्षा, स्वास्थ्य और सुन्दर भविष्य का स्वप्न साकार कर रहीं हैं। पेचवर्क कला महिला उद्यमियों के लिए वरदान साबित हो रही है।

आत्मविश्वास निष्ठा और लगन से श्रम करती इन महिलाओं को पेचवर्क उद्योग सम्बन्धी कोई अलग से संगठन तो नहीं हैं किन्तु कई प्रदेशों में आज भी इन कला धर्मियों ने जहाँ पेचवर्क जैसी पारम्परिक और विशिष्ट कला को विलुप्त होने से बचाया है वहीं पुश्तैनी कला का आधुनिक या मॉडर्न आर्ट के साथ खूबसूरत समन्वय व संयोजन द्वारा विश्व में पेचपर्क को विशिष्ट स्थान दिलवाया है। चाहे अलीगढ की पट्टी का काम हो, जयपुर की पेचवर्क निर्मित विल्हण चम्पावती हो, अजमेर-किशनगढ स्थित तिलोनिया का सुप्रसिद्ध पेचवर्क हो या उडीसा के पीपली गाँव की मनमोहक एप्लिक आर्ट हो जिसकी स्थापना भगवान जगन्नाथजी की स्थापना के साथ हुई थी, पेचवर्क के सजीले, चटकीले, इन्द्रधनुषी रंग आज सम्पूर्ण विश्व को मोहित कर रहे हैं।

–पन्नालाल मेघवाल,
वरिष्ठ लेखक एवं स्वतंत्र पत्रकार।

17 साल बाद बालिका वधु "सोनू" को बाल विवाह से छुटकारा मिला

- **बाल विवाह निरस्त की मुहिम के चलते सोनू के परिजनों व डॉ .कृति को भी कई धमकियों का सामना करना पड़ा**
- **सारथी ट्रस्ट से संपर्क कर कोर्ट में गुहार लगाई थी**
- **सोनू का बाल विवाह 4 वर्ष की उम्र में हो गया था**

जोधपुर, (कासं)। जिले के बिलाडा तहसील के पीथावास गांव निवासी बाल विवाहिता सोनू का बाल विवाह निरस्त हो गया। 17 वर्ष बाद बाल विवाह के निरस्त होने पर सोनू खुश है अब वह अपना भविष्य बनाना चाहती है। सोनू का बाल विवाह 4 वर्ष की उम्र में हो गया था। बचपन में हुई इस शादी को सोनू मानने से इंनकार किया और आखिर उसने सारथी ट्रस्ट से संपर्क कर विवाह के निरस्त करने के लिए कोर्ट में गुहार लगाई ।और सोनू का सपना साकार हो गया।

21 वर्षीय बालिका वधु सोनू का बाल विवाह करीब 17 साल पूर्व लूणी तहसील निवासी युवक के साथ समाज के दबाव में करवा दिया गया था। सोनू की बाल विवाह के समय आयु मात्र 4 साल ही थी। महज 4 साल की मासूम उम्र में बाल विवाह की बेडियों में जकडी बालिका वधु जब सयानी हुई तो पता चला कि उसका विवाह तो छोटी सी उम्र में ही हो गया था। सोनू ने इस विवाह को मानने से इंकार कर दिया। उसने मदद के लिए सारथी ट्रस्ट की मैनेजिंग ट्रस्टी व पुनर्वास मनोवैज्ञानिक डॉ. कृति भारती की शरण ली। डॉ. कृति भारती का संबल पाकर न्यायालय में बाल विवाह निरस्त की गुहार लगाई थी।

जिस पर एडीजे न्यायालय (अतिरिक्त प्रभार पारिवारिक न्यायालय) बिलाडा के न्यायाधीश पुखराज गहलोत ने सोनू के 17 साल पहले हुए बाल विवाह को निरस्त कर समाज को कड़ा संदेश दिया। सोनू डॉ. कृति भारती की बाल विवाह निरस्त की मुहिम के चलते सोनू के परिजनों व डॉ .कृति को भी कई धमकियों का सामना करना पडा। एडीजे कोर्ट बिलाडा में बीबीसी 100 वुमन सूची में शामिल सारथी ट्रस्ट की डॉ.कृति भारती ने पैरवी कर बालिका वधु सोनू के बाल विवाह निरस्त के तथ्यों और आयु संबंधी प्रमाणिक दस्तावेजों से अवगत करवाया। जिसके बाद एडीजे कोर्ट बिलाडा के न्यायाधीश पुखराज गहलोत ने सोनू के 17 साल पूर्व महज 4 साल की उम्र में हुए बाल विवाह को निरस्त करने का ऐतिहासिक फैसला सुनाया। जिसके साथ ही बिलाडा न्यायालय का पहला बाल विवाह निरस्त हुआ। न्यायाधीश पुखराज गहलोत ने समाज को बाल विवाह के संबंध में कडा संदेश दिया।

ख्वाजा साहब के 811 वें उर्स का झंडा ऐतिहासिक बुलंद दरवाजे पर चढ़ाया

अजमेर, (कासं)। विश्व प्रसिद्ध सूफी संत ख्वाजा मोईनुद्दीन हसन चिश्ती के 811 वें सालाना उर्स की अनौपचारिक शुरूआत दरगाह के ऐतिहासिक बुलंद दरवाजे पर झंडा पेश करने की रस्म के साथ हो गई है।

- **तोपों की गर्जना और सूफियाना कलामों के साथ ख्वाजा साहब के उर्स की अनौपचारिक शुरुआत**
- **भीलवाड़ा के लाल मोहम्मद गौरी के पोते फखरुद्दीन ने झंडे की रस्म अदा कर घोषणा की**

अजमेर में ख्वाजा साहब की दरगाह के बुलंद दरवाजे पर उर्स का झंडा चढ़ाया गया। इस दौरान दरगाह परिसर में अकीदतमंदों का जनसैलाब उमड़ा।

भीलवाड़ा के लाल मोहम्मद गौरी के पोते फखरुद्दीन ने दरगाह शरीफ के 85 फीट ऊंचे बुलंद दरवाजे पर झंडे की रस्म अदा कर इसकी घोषणा की। ख्वाजा साहब के उर्स में झंडे की रस्म अदा करने के लिए गरीब नवाज गेस्ट हाउस से झंडे का जुलूस रवाना हुआ जो दरगाह पहुंच संपन्न हुआ, इसके साथ ख्वाजा साहब के उर्स की अनौपचारिक शुरुआत हुई। झंडे की रस्म के दौरान दरगाह परिसर में अकीदतमंदों को हुजूम उमड़ पड़ा।

दरगाह के खादिम सैयद फजले हसन चिश्ती ने बताया कि सदियों पहले संदेश देने का कोई साधन नहीं हुआ करता था, उस समय झंडे चढ़ाकर संदेश दिया जाता था। उर्स में झंडा चढ़ाने की परम्परा अफगानिस्तान के बादशाह ने शुरू की थी, इसके बाद गौरी परिवार नियमित रूप से अपने परिवार के साथ आकर झंडा की रस्म निभाता चला आ रहा है। बुधवार को झंडे का जुलूस गरीब नवाज गेस्ट हाउस से कव्वालियों और बैंड बाजों की सूफियाना धुन पर लंगरखाना गली होते हुए निजाम गेट पहुंचा, दरगाह में प्रवेश कर बुलंद दरवाजे पर संपन्न हुआ। उर्स का झंडा चढ़ाने की रस्म के दौरान बड़े पीर की पहाड़ी से 25 तोपों की सलामी दी गई। इसके बाद फखरूद्दीन गौरी ने बुलंद दरवाजे पर झंडा फहराकर उर्स की रस्म अदायगी की। जुलूस के दौरान पुलिस और प्रशासनिक अधिकारी भी मौजूद रहे। झंडे की रस्म के दौरान दरगाह परिसर सहित आसपास के क्षेत्र में हजारों की संख्या में अकीदतमंदों का हूजुम उमड़ा पड़ा। जुलूस के दौरान दरगाह की शाही चौकी की कव्वाल द्वारा ख्वाजा साहब की शान में सूफियाना कलाम पेश किए गए, अकीदतमंद ख्वाजा साहब की शान में जयघोष लगाते हुए चल रहे थे, हर कोई ख्वाजा साहब की शान पर अपनी आस्था प्रकट कर रहा था। जिला प्रशासन द्वारा जुलूस के दौरान चाक-चौबंद इंतजाम किए गए, जैसे ही असर की नमाज समाप्त हुई, वैसे ही बैंड बाजों की शुरू हो गई और सूफियाना कलाम की धूनी माहौल में फैलने लगी लो अकीदत के साथ झंडे के ऊपर अपनी आस्था के फूल लुटाते हुए चल रहे थे। बुलंद दरवाजे पर कड़ी सुरक्षा रखी गई, पुलिस के जवानों भीड़ को नियंत्रित करते हुए झंडे को बुलंद दरवाजे पर पहुंचाने की व्यवस्था जुटे थे वहीं मेला मजिस्ट्रेट भावना गर्ग, पुलिस अधीक्षक चूनाराम जाट सहित विभिन्न अधिकारी नजर बनाए हुए थे।

उर्स की अनौपचारिक शुरुआत: बुलंद दरवाजे पर झंडे की रस्म के साथ उर्स की अनौपचारिक शुरुआत हो गई है, अब अकीदतमंद की आवक धीरे-धीरे बढ़ेगी। रजब का चांद दिखने के बाद 22 जनवरी से उर्स की विधिवत शुरू होगी। इसके साथ दरगाह में गरीब नवाज के अकीदतमंद की तादाद बढ़ ती चली जाएगी। उर्स के दौरान विभिन्न रसूमात और कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा।

ख्वाज़ साहब के 811 वें में उर्स की अनौपचारिक शुरुआत के साथ ही दरगाह की धार्मिक रस्मों में बदलाव शुरू हो गया। बुधवार को दोपहर में होने वाली खिदमत की रस्म देर शाम 7:45 प्रारंभ हुई वर्षभर ख्वाजा साहब के आस्ताना शरीफ में खादिमों द्वार दोपहर 3 बजे खिदमत की रस्म अदा की जाती है, जैसे ही उर्स की शुरूआत होती है, इस परंपरा में बदलाव हो जाता है, कुल की रस्म अदा होने तक अब खिदमत सायं काल में होगी।

राशिफल

पंडित अनिल शर्मा

गुरूवार 19 जनवरी, 2023

माघ मास, कृष्ण पक्ष, द्वादशी तिथि, गुरूवार, विक्रम संवत 2079, ज्येष्ठा नक्षत्र दिन 3:18 तक, ध्रुव योग रात्रि 11:04 तक, तैतिल करण दिन 1:19 तक, चन्द्रमा आज 3:18 से धनु राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थिति: सूर्य-मकर, चन्द्रमा-वृश्चिक, मंगल-वृष, बुध-धनु, गुरू-मीन, शुक्र-मकर, शनि-कुम्भ, राहु-मेष, केतु-तुला राशि में।

आज प्रदोष व्रत है।

सर्वश्रेष्ठ चौघड़िया: शुभ सूर्योदय से 8:40 तक, चर 11:18 से 12:37 तक, लाभ-अमृत 12:37 से 3:15 तक, शुभ 4:34 से सूर्यास्त तक।

राहूकाल: 1:30 से 3:00 तक। सूर्योदय 7:21, सूर्यास्त 5:54

मेष

चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। पारिवारिक कार्यों के कारण भागदौड़ रहेगी। आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है। नवीन कार्यों को टालना ठीक रहेगा। यात्रा में परेशानी का सामना करना पड़ सकता है।

वृष

परिवार में आपसी सहयोग-समन्वय बना रहेगा। सामूहिक प्रयासों से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। परिवार में धार्मिक-सामाजिक समारोह सम्पन्न हो सकते हैं।

मिथुन

आर्थिक मामलों से संबंधित विवादित मामलों से राहत मिल सकती है। अस्त-व्यस्त दिनचर्या में सुधार होगा। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। दिन के मध्यान्ह पश्चात परिवार में धार्मिक-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं।

कर्क

परिजनों के व्यवहार के कारण दु:ख हो सकता है। आवश्यक और महत्वपूर्ण कार्यों के संबंध में दुविधा बनी रहेगी। दिन के मध्यान्ह पश्चात विवादित मामलों से राहत मिलेगी। व्यावसायिक आय में वृद्धि होगी।

सिंह

परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे। परिजनों के सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। व्यावसायिक कार्यों में उचित सफलता मिलेगी। नवीन कार्यों के लिए दिन अच्छा रहेगा।

कन्या

परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे। परिजनों के सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। घर-परिवार में अतिथियों का आगमन बना रहेगा। व्यावसायिक स्थिति ठीक रहेगी।

तुला

आर्थिक कारणों से अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक कार्यों से संबंधित वार्ता सफल रहेगी। व्यावसायिक प्रयासों में उचित सफलता मिलेगी।

वृश्चिक

मानसिक तनाव से राहत मिलेगी। मन:स्थिति में सुधार होगा। आवश्यक और महत्वपूर्ण कार्य योजनानुसार बनने लगेंगे। व्यावसायिक सफलता से मनोबल बढ़ेगा। व्यावसायिक वार्ता सफल रहेगी।

धनु

घर-परिवार के कार्यों के कारण भागदौड़ रहेगी। घर-गृहस्थी के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि हो सकती है। अनर्गल कार्यों में समय खराब होगा। दिन के मध्यान्ह पश्चात मानसिक तनाव से राहत मिलेगी।

मकर

आर्थिक/वित्तीय मामलों पर ध्यान देना ठीक रहेगा। आय में वृद्धि होगी। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक स्थिति ठीक रहेगी। खान-पान के कारण स्वास्थ्य खराब हो सकता है।

कुंभ

व्यावसायिक कार्यों पर ध्यान देना ठीक रहेगा। व्यावसायिक कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे। नवीन कार्यों में उचित सफलता मिलेगी। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

मीन

नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। व्यावसायिक कार्यों में व्यस्तता अभी बनी रहेगी। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। स्वास्थ्य ठीक रहेगा।

चिकित्सकों ने अधिकारियों को गिनाई राइट टू हैल्थ बिल के प्रावधानों में कमियां

चिकित्सक संगठनों के साथ चिकित्सा विभाग की परामर्श बैठक आयोजित

जयपुर,(कासं)। चिकित्सक संगठनों ने राज्य सरकार की ओर से आमजन को स्वास्थ्य का अधिकार देने के लिए लाए जा रहे राइट-टू-हैल्थ बिल के प्रावधानों में कई कमी बताते हुए इसका विरोध किया है।

बुधवार को स्वास्थ्य भवन में चिकित्सक संगठनों और स्वयंसेवी संस्थाओं के साथ राज्य स्तरीय परामर्श बैठक आयोजित की गई। चिकित्स शिक्षा विभाग के प्रमुख शासन सचिव टी. रविकांत व चिकित्सा सचिव डॉ. पृथ्वी की अध्यक्षता में हुई बैठक में चिकित्सकों ने बिल के प्रावधानों का कड़ा विरोध किया। इस दौरान कई उपयोगी सुझाव भी दिए गए।

बैठक में सिविल सोसायटी, स्वयं सेवी संगठनों व उपभोक्ता संगठनों के प्रतिनिधियों ने भी अपने-अपने विचार व्यक्त कर राइट-टू-हैल्थ बिल को राजस्थान के स्वास्थ्य के क्षेत्र में एक मील का पत्थर बताया। वहीं राज्य और जिला स्तर पर प्राधिकरण को लेकर भी सुझाव दिए गए।

- आईएमए के पदाधिकारियों ने कहा कि इस बिल में इमरजेंसी को परिभाषित नहीं किया गया है।

वहीं आईएमए के पदाधिकारियों ने इस बिल की कमियां बताते हुए कहा कि इस बिल में इमरजेंसी को जस्टिफाई नहीं किया गया है। इसके कारण निजी अस्पतालों में आए दिन हंगामे के हालात बन जाएंगे। वहीं किसी अस्पताल में स्पेशलिस्ट सेवा नहीं मिल पाए तो निजी अस्पतालों पर कार्रवाई की जाएगी। साथ ही इस बिल के माध्यम से इंस्पेक्टर राज बढ़ने की आशंका भी जताई गई। बिल के मौजूदा प्रावधानों के मुताबिक निजी अस्पतालों को देरी से किए जाने वाले भुगतान पर कोई सजा को प्रावधान नहीं है।

इस दौरान टी. रविकांत ने राइट-टू-हैल्थ बिल को प्रदेश की जनता के लिए जनकल्याणकारी बताते हुए कहा कि राजस्थान आम आदमी को स्वास्थ्य का अधिकार देने वाला पहला राज्य बनेगा। शासन सचिव डॉ. पृथ्वी ने कहा कि सभी में सामंजस्य बिठाकर एक बेहतरीन जनहितैषी बिल लाया जाएगा जो प्रदेश, आमजन, डॉक्टर्स और सभी के लिए अच्छा साबित होगा। बैठक के बाद चिकित्सा सचिव ने कहा कि प्रतिनिधी मंडल ने जो सुझाव दिए हैं, उन पर चर्चा कर प्रवर समिति को भेजा जाएगा। बैठक के बाद चिकित्सक प्रतिनिधियों ने कहा कि हम चाहते है कि बिल पास हो और जनता को इसका लाभ मिले। लेकिन सरकार इसके जरिए निजी चिकित्सकों पर नकेल कसने का प्रसास कर रही है। इसे निजी अस्पतालों पर थोपा जा रहा है। 49 पेज का बिल का प्रारूप डॉक्टरों की ओर से दिया गया है। इस तरह का बिल ओडिशा, गुजरात, दिल्ली और तेलांगना में है। चिकित्सक प्रतिनिधियों ने कहा कि डॉक्टरों के सुझावों के अनुरूप बिल नहीं लाया गया तो आंदोलन किया जाएगा।

बैठक में आरएसएचएए की सीईओ शुची त्यागी, आरएमएससीएल की प्रबंध निदेशक अनुपमा जोरवाल, निदेशक जनस्वास्थ्य डॉ. के.एल. मीणा, प्राचार्य एसएमएस मेडिकल कॉलेज डॉ. राजीव बगरहट्टा, आईएमए के प्रदेश अध्यक्ष डॉ. सुनील चुघ, पिडिएट्रीशियन एसोसियेशन के अध्यक्ष डॉ. लाखन पोसवाल, जनस्वास्थ्य अभियान के प्रतिनिधि राजन चौधरी सहित विभिन्न संगठनों के प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

जयपुर में नलकूप किये सीज

जयपुर। जयपुर शहर में अवैध रूप से संचालित आरओ प्लांट्स के खिलाफ उपखंड मजिस्ट्रेट, सांगानेर की टीम की कार्रवाई जारी है। बुधवार को लगातार दूसरे दिन उपखंड अधिकारी सांगानेर श्रीमती एकता काबरा के नेतृत्व में टीम ने 3 अलग-अलग स्थानों पर कार्रवाई को अंजाम दिया।

दूसरे दिन भी करोना का कोई भी नया मरीज नहीं मिला

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। प्रदेश में लगातार दूसरे दिन बुधवार को भी कोई नया करोना संक्रमित नहीं मिला है। वहीं इस बीच एक मरीज के ठीक होने से एक्टिव केस घटकर केवल तीन ही रह गए हैं। राज्य में पिछले कई दिनों से इस बीमारी से कोई मौत नहीं हुई है।

प्रदेश में बुधवार को भी कोई नया संक्रमित सामने नहीं आया है। इससे पहले मंगलवार और रविवार को भी राज्य में एक भी नया संक्रमित नहीं मिला था। इधर राजधानी जयपुर में भी आज लगातार पांचवें दिन भी कोई नया संक्रमित नहीं पाया गया है। अब यहां न कोई नया संक्रमित है और न ही कोई एक्टिव केस मौजूद है।

प्रदेश में बुधवार को भी 1 मरीज के ठीक होने से एक्टिव केस घटकर 3 रह गए हैं। इनमें जैसलमेर, सीकर और उदयपुर में 1-1 एक्टिव केस बचा है। प्रदेश में बुधवार को भी करोना से किसी मरीज की मौत नहीं हुई है। हालांकि राज्य में अब तक इस बीमारी से 9653 लोगों की मौत हो चुकी है। उधर प्रदेश में केन्द्र सरकार से कोविड वैक्सीन मिलने के बाद वैक्सीनेशन में थोड़ी तेजी आई है। इसके चलते बुधवार को एक ही दिन में 11 हजार 438 लाभार्थियों को निर्धारित टीके लगाये गये। कोविड वैक्सीनेशन की यह लंबे समय बाद बड़ी उपलब्धि है। गौरतलब है कि मंगलवार को कोवीशिल्ड वैक्सीन की 1 लाख 50 हजार डोज की खेप आई थी। इस वैक्सीन को सभी जिलों को आंवटित कर दिया गया। इसके बाद आज वैक्सीनेशन में तेजी दर्ज की गई।

- राजधानी जयपुर में भी पिछले पांच दिन से एक भी नया संक्रमित सामने नहीं आया है
- राज्य में अब केवल करोना के तीन ही मरीजों का इलाज चल रहा है
- प्रदेश में कोविड वैक्सीन आने के बाद बुधवार को एक दिन में 11 हजार से ज्यादा टीके लगे

जयपुर लिटरेचर फेस्टिवल का धूमधाम से आगाज़ आज

जेएलएफ 2023 का 19 जनवरी से भव्य आगाज होने जा रहा है। आज फ्रंट लॉन में सुबह 9.50 बजे से उद्घाटन सत्र आयोजित होगा, जिसमें कीनोट एड्रेस नोबेल प्राइज विजेता अब्दुलरज़ाक गुरनाह द्वारा दिया जाएगा। इस वर्ष फेस्टिवल डेकोर की थीम उत्सव रखी गई है। उत्सव राजस्थान के रंगों का जश्न मनाना और उज्जवल रंगों का प्रदर्शन है। भारतीय शादियां अपने जीवंत रंगों, धूमधाम, गूंजते संगीत और एक नई शुरुआत की खुशियों को उत्सव के रूप में मनाने का एक आदर्श उदाहरण है। इस वर्ष अपनी डेकोर थीम उत्सव के साथ जयपुर लिटरेचर फेस्टिवल 2023 ने दर्शकों को उसी आनंद का अनुभव कराने का प्रयास किया है, जो उन्हें एक भारतीय पारंपरिक उत्सव से मिलता है। इस वर्ष की पूरी साज-सज्जा और थीम भारतीय सांस्कृतिक विरासत और उसकी जीवंत प्रकृति का मिश्रण है।

जयपुर। 'धरती के सबसे बडे' साहित्य उत्सव के तौर पर मशहूर, जयपुर लिटरेचर फेस्टिवल 2023 का आयोजन 19 जनवरी होटल क्लार्क्स आमेर, जयपुर में होगा, और 'कहानी' कहने की अपनी परम्परा को आगे बढाएगा।

साहित्य उत्सव के बहुप्रतीक्षित 16वें संस्करण में दुनिया की श्रेष्ठ प्रतिभाएं हिस्सा लेंगी। इस संस्करण में श्रोताओं को भाषाओं की अभूतपूर्व विविधता देखने को मिलेगी, जिसमें 21 भारतीय और 14 अंतर्राष्ट्रीय भाषाओं को फेस्टिवल के 5 वेन्यू पर प्रस्तुत किया जायेगा। फेस्टिवल विभिन्न देशों के 350 वक्ताओं की मेजबानी करेगा, जिसमें सभी प्रमुख पुरस्कारों - जैसे नोबेल, बुकर, इंटरनेशनल बुकर, पुलित्ज़र, साहित्य अकादमी, बैली गिफर्ड, पेन अमेरिका लिटरेरी अवार्ड, डीएससी प्राइज, जेसीबी प्राइज-से सम्मानित लेखक हिस्सा लेंगे।

फेस्टिवल के 16वें संस्करण में समाज और समय की ज़रूरतों को ध्यान रखते हुए कई महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा होगी, जैसे जलवायु परिवर्तन, महिलाओं की आवाज़ और पहचान, अपराध कथा, संस्मरण, अनुवाद, काव्य, अर्थव्यवस्था, टेक मोरालिटी और आर्टिफिशल इंटेलीजेंस, कृषि में वैश्विक संकट, रूस-यूक्रेन विवाद, ब्रिटिश साम्राज्य की हिंसा, आधुनिक समय का विज्ञान, भारत के 75 वर्ष, विभाजन की याद, जिओपॉलिटिक्स, कला और फोटोठाफी, स्वास्थ्य और मेडिसीन, तथा अन्य।

19 जनवरी, गुरुवार की सुबह में, फेस्टिवल की शुरुआत कर्नाटक गायिका सुषमा सोम के दिल को छू लेने वाले मधुर संगीत के साथ होगी। सर्दियों की खुशनुमा सुबह में फेस्टिवल के को-डायरेक्टर्स नमिता गोखले व विलियम डेलरिम्पल और फेस्टिवल के प्रोड्यूसर संजॉय के. रॉय उदघाटन संभाषण देंगे। कीनोट एड्रेस नोबेल प्राइज विजेता अब्दुलरज़ाक गुरनाह देंगे।

लेखिका और जयपुर लिटरेचर फेस्टिवल की फाउंडर व को-डायरेक्टर नमिता गोखले ने कहा, जयपुर लिटरेचर फेस्टिवल 2023 का उद्देश्य किताबों, विचारों और साझा वक्तव्य के माध्यम से खुशी का प्रसार करना है। दुनिया की कुछ श्रेष्ठ प्रतिभाएं भी हमारे इस प्रण में साथ देंगी। आज की इस कमजोर और खंडित दुनिया में ये आशा और विश्वास की एक किरण है।

लेखक, इतिहासकार और जयपुर लिटरेचर फेस्टिवल के फाउंडर और को-डायरेक्टर विलियम डेलरिम्पल ने कहा, पिछले सालों में, जयपुर लिटरेचर फेस्टिवल ने दुनियाभर के 5000 से अधिक वक्ताओं और लाखों श्रोताओं की मेजबानी की है। साहित्य के इस कुम्भ में हमारी कोशिश हर बार इसकी गुणवत्ता को बढाने की रहती है, लेकिन 2023 के इस संस्करण को बेशक अब तक का सबसे बेस्ट माना जायेगा। सारे प्रमुख पुरस्कारों से सम्मानित लेखकों की मेजबानी करते हुए हमें गर्व है। हमारे साथ नोबेल, बुकर इंटरनेशनल बुकर, साहित्य अकादमी, बैली गिफर्ड, नेशनल बुक अवार्ड व वीमेन'स प्राइज से सम्मानित लेखक होंगे। इस साल हम दुनिया के श्रेष्ठ उपन्यासकारों और कवियों, इतिहासकारों और जीवनीकारों, वैज्ञानिक और अर्थशास्त्री, कलाकार और कला इतिहासकारों को एक मंच पर प्रस्तुत करेंगे। फेस्टिवल के इन पांच दिनों में श्रोताओं को विचारों का स्वतंत्र प्रवाह देखने को मिलेगा। साहित्य प्रेमियों के लिए यह जन्नत है: जयपुर में आप सभी के स्वागत के लिए हम तैयार हैं।

हस्तीमल हिरण की स्मृति में श्रद्धांजलि सभा

जयपुर। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की अखिल भारतीय कार्यकारिणी के आमंत्रित सदस्य वरिष्ठ संघ प्रचारक दिवंगत हस्तीमल हिरण की स्मृति में बुधवार को शहर में श्रद्धांजलि सभा हुई। जिसमें राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ, विविध संगठनो के विभिन्न कार्यकर्ताओं ने भाग लेकर संघ प्रचारक को श्रद्धा सुमन अर्पित किए।

इस अवसर पर राजस्थान क्षेत्र के संघचालक डॉ रमेश अग्रवाल ने हस्तीमल हिरण की जीवनी पर प्रकाश डालते हुए उनके जीवन के बारे मे जानकारी देते हुए कहा कि हस्तीमल हिरण का संपूर्ण जीवन राष्ट्र व समाज को समर्पित रहा है। संघ के अखिल भारतीय बौद्धिक शिक्षण प्रमुख स्वांतरंजन ने कहा कि हस्तीमल हिरण के द्वारा कार्यकर्ताओं की संभाल एवं सम्पर्क की स्नेहपूर्ण पद्दति विशेष रही है। संघ कार्य की नींव में ऐसे समर्पित कार्यकर्ताओ का महत्वपूर्ण योगदान रहा है।

लघु उद्योग भारती के अखिल भारतीय संगठन मंत्री प्रकाश चन्द्र ने कहा कि हस्तीमल हिरण साथ रखकर कार्यपद्धित सिखाते थे। वे कार्य में मितव्ययी का विशेष ध्यान रखते थे। राष्ट्रीय सेविका समिति की प्रांत कोषाध्यक्ष विजयलक्ष्मी राठी ने भी हस्तीमल हिरण के आत्मीय व्यवहार को स्मरण करते हुए श्रद्धांजलि अर्पित की। इस अवसर पर संघ के क्षेत्र प्रचारक निम्बाराम ने संघ के सरसंघचालक डॉ मोहन भागवत और सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबाले की ओर से श्रद्धांजलि पत्र पक़र सुनाया। पत्र में श्रद्धांजलि व्यक्त करते हुए कहा गया कि हस्तीमल हिरण ने जीवनपर्यंत राष्ट्र की सेवा की है एवं मरणोपरांत अपने देश राष्ट्रिहत के समाज में अनुपम उदाहरण प्रस्तुत किया है।

तीये की बैठक

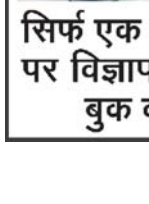

हमारे पूजनीय
श्रीमान प्रभुनारायण जी माथुर
पुत्र स्व. श्री भंवरलाल जी राजोरिया (सेवानिवृत्त गृह विभाग सचिवालय) का स्वर्गवास 17 जनवरी को हो गया है। तीये की बैठक 19 जनवरी को सांय 4 से 5 कायस्थो की बगीची, कल्याण जी का रास्ता, जयपुर पर होगी।
शोकाकुलः उमेशनारायण (चाचा), कैलाशनारायण, जगदीशनारायण, छैलबिहारीलाल (भाई), मधु (पत्नी), प्रकाश (पुत्र), बृजबिहारी, चंदा- कृष्णमोहन, रानी- श्यामनारायण (बहन- बहनोई), राजेश, सूरज, मुकेश, कमल, अरुण (भतीजे), श्वेता- अनूपजी, रेणु- मोहितजी (पुत्री -दामाद), शिल्पा (पुत्री) एवं समस्त राजोरिया परिवार। ससुरालपक्षः नीलम-प्रेमजी (साली- साढू), दुर्गेश (भतीजा) 8946960756, ये अंतिम बैठक होगी।

नम्बर मिलाइए 9587884433

सिर्फ एक फोन कॉल पर विज्ञापन घर बैठे बुक करायें।

हाथ से हाथ जोड़ो अभियान में हर घर तक पहुंचेगी कांग्रेस

जयपुर, (का.प्र.)। खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति मंत्री प्रताप सिंह खाचरियावास ने पीसीसी में जयपुर के सभी ब्लॉक अध्यक्षों, विधानसभा प्रत्याशियों, पीसीसी सदस्यों की मीटिंग को संबोधित करते हुए कहा कि 26 जनवरी से जयपुर सहित पूरे प्रदेश में हाथ से हाथ जोड़ो अभियान के तहत कांग्रेस के कार्यकर्ता घर-घर जाकर हर बूथ पर जाकर राहुल गांधी के संदेश और कांग्रेस सरकार की उपलब्धियों को जनता तक पहुंचाएंगे।

खाचरियावास ने कहा कि राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा का असर नजर आने लगा है, यही कारण है कि केंद्र सरकार ने किराएदार से 18 फीसदी जीएसटी सहित कई चीजों से जीएसटी हटाना शुरू कर दिया है।

खाचरियावास ने कहा कि जितना राहुल गांधी और कांग्रेस मजबूत होंगे, उतनी ही महंगाई कम होती जाएगी क्योंकि भाजपा कांग्रेस और राहुल गांधी की मजबूती से डरती है। अब वक्त आ गया कि कांग्रेस के एक-एक कार्यकर्ता को हाथ से हाथ जोड़ो अभियान के तहत प्रत्येक घर-घर तक पहुंच कर कांग्रेस के संदेश को पूरे प्रदेश में पहुंचाना है। खाचरियावास ने कहा कि 26 जनवरी से राजधानी जयपुर में सभी ब्लॉक मे कांग्रेस कार्यकर्ता हाथ से हाथ जोड़ो अभियान के तहत पैदल पदयात्रा करेंगे तथा यह अभियान आगामी 2 महीने तक चलेगा।

राज्य में पहले कंपोजिट रीजनल सेंटर की स्थापना के लिए एमओयू

जयपुर। दिव्यांग जनों को विभिन्न प्रकार की सेवाएं एवं सुविधाएं उपलब्ध कराने के उद्देश्य से राज्य में प्रथम कंपोजिट रीजनल सेंटर की स्थापना जामडोली, जयपुर में की जाएगी। इस संबंध में केंद्र सरकार एवं राज्य सरकार के मध्य समझौता पत्र करार किया गया।

सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री टीकाराम जूली की उपस्थिति में केंद्र सरकार और राज्य सरकार के मध्य समझौता पत्र पर हस्ताक्षर किये गये। केंद्र सरकार की ओर से मनीष वर्मा, निदेशक राष्ट्रीय दृष्टिबाधित दिव्यांगजन सशक्तिकरण संस्थान, देहरादून एवं राज्य सरकार की ओर से डॉ.समित शर्मा, शासन सचिव सामाजिक न्याय अधिकारिता ने हस्ताक्षर किए।

टीकाराम ने बताया कि एम ओ यू के पश्चात अस्थाई रूप से कंपोजिट रीजनल सेंटर का संचालन भारत सरकार द्वारा किया जाएगा। शीघ्र ही राज्य सरकार द्वारा कंपोजिट रीजनल सेंटर के स्थाई संचालन हेतु भूमि केंद्र सरकार को उपलब्ध करवाई जाएगी।

घोषणा पत्र के वादों को पूरा करने की मांग

जयपुर, (का.सं.)। वकीलों ने राज्य सरकार के आगामी बजट में कांग्रेस के चुनाव घोषणा पत्र में किए वादों को पूरा करने की मांग की है। वकीलों ने कहा कि कांग्रेस ने चुनाव से पहले उनसे कई कई वादे किए थे, जिन्हें पूरा नहीं किया है। मौजूदा राज्य सरकार अब अंतिम बजट पेश करने जा रही है और इससे पहले उसे वकीलों से किए गए वादे पूरे करने चाहिए।

वकीलों की मुख्य मांगों में राजस्व न्यायिक सेवा का गठन करते हुए राजस्व न्यायालयों, राजस्व अपील न्यायाधिकरण, राजस्व बोर्ड सहित अन्य न्यायिक अधिकरणों में वकीलों की नियुक्ति करने की मांग भी शामिल है।

शीतलहर का प्रकोप अभी भी जारी है जिससे तापमान में कमी होने से पानी भी जम रहा है। पार्क की हरी-भरी घास पर ओस की बूंदें जमने से सफेद चादर सी नज़र आती है। स्वर्ण जयंती पार्क में जमी ओस की बूंदें। फ़ोटो : दिनेश भारद्वाज

नाम परिवर्तन

I, Deepesh Kumar Jain S/o Late Surendra Kumar Jain R/o 306, Vasundhara Colony, Tonk Road, Jaipur declare that in my passport (K4436744) my name is Deepesh Jain wrongly mentioned while my correct name is Deepesh Kumar Jain. I am the same person of both the above names, so I should be known by Deepesh Kumar Jain for all future purposes vide affidavit dated 17.01.2023

मैंने मेरा नाम किशोर सिंह पुत्र श्री नारायण सिंह राठौर निवासी ए-54 जैन विहार वार्ड नंबर 33 सांगानेर जयपुर से बदलकर किशोर सिंह राठौर रख लिया है। भविष्य में मुझे इसी नाम से जाना जावे।

हम नदीम उल्लाह एवं सलमा पत्नी नदीम उल्लाह ने हमारी पुत्री का नाम जेनब (Jenab) से बदलकर जैनब बी (Zenab Bi) रख लिया है भविष्य में हमारी पुत्री को जैनब बी (Zenab Bi) पुत्री नदीम उल्लाह के नाम से जाना जावे। पता-187-ए, हजरत अली नगर, रामगढ मोड, जयपुर

खोया पाया

मेरे मकान नंबर 30/8/10, मानसरोवर का आवंटन पत्र/ कब्जा पत्र कहीं खो गये हैं मिलने पर सूचित करें- मो. 6350123039

राजस्थान आवासन मण्डल, वृत-तृतीय,
जे.एल.एन. मार्ग, जयाहर सर्किल के पास, जयपुर-0141-4901853
आम जाहिर सूचना
राजस्थान आवासन मण्डल, जयपुर द्वारा आवास/फ्लेट संख्या-13/43 (एफ.एफ.), मालवीय नगर, जयपुर क्षेत्रफल 45.38 वर्ग मीटर का आवंटन श्रीमती कलकत्ती देवी बांठिया पत्नी स्व. श्री जय चन्द लाल बांठिया को किया गया था। जिसका आवंटन पत्र कमांक 926 दिनांक 13.12.1988 जारी किया गया था। उनके द्वारा उक्त आवास/फ्लेट के पंजीयन प्रपत्रों का निष्पादन कार्यालय उप पंजीयक, जयपुर प्रथम में दिनांक 30.09.2002 को करवाया गया। श्रीमती कलकत्ती देवी बांठिया की मृत्यु दिनांक 25.11.2009 को हो जाने के कारण श्री उत्तम चन्द बांठिया व श्री विनय चन्द बांठिया पुत्रान् स्व. श्री जय चन्द लाल बांठिया के द्वारा आवेदन पत्र के साथ क्षतिपूर्ति बन्धक पत्र, शपथ पत्र, रजिस्टर्ड वसीयतनामा की प्रति एव मृत्यु प्रमाण पत्र प्रस्तुत कर उक्त आवास/फ्लेट का प्रतिस्थापन अपने नाम करने का निवेदन किया गया है।अतः उक्त आवास/ फ्लेट के प्रतिस्थापन के संबध में किसी भी व्यक्ति/बैंक/संस्था को कोई आपत्ति हो तो विज्ञप्ति प्रकाशन के 07 दिवस में अधोहस्ताक्षर कर्ता के कार्यालय में व्यक्तिगत रूप से उपस्थित होकर साक्ष्य सहित अपनी आपत्ति प्रस्तुत कर देवें, अन्यथा उक्त अवधि में कोई आपत्ति प्राप्त नहीं होने पर उक्त आवेदनकर्ता- श्री उत्तम चन्द बांठिया व श्री विनय चन्द बांठिया पुत्रान स्व. श्री जय चन्द लाल बांठिया के पक्ष में उक्त आवास/फ्लेट के प्रतिस्थापन की कार्यवाही कर दी जावेगी।
सम्पदा प्रबंधक- वृत तृतीय, रा.आ.मण्डल, जयपुर

उत्तर पश्चिम रेलवे
खुली ऑनलाइन निविदा सूचना
भारत के राष्ट्रपति महोदय एवं उनकी ओर से उप मुख्य इंजीनियर पुल लाईन- (प्रथम) उत्तर पश्चिम रेलवे जयपुर निम्नांकित कार्य के लिए निर्धारित इलेक्टॉनिक प्रारुप में खुली ऑनलाइन निविदा (एकल पैकेट) आमंत्रित करते है। **क्रम संख्या** 1 निविदा संख्या:-**DYCEBL1-JP-2022-3-R** 2. **कार्य का नाम एवं स्थान :** Name of work:- Balance Work of Jacketing of abutments/piers of Bridge No.347/1 (1x12.20m+1x18.30m), Bridge No.348/1 (1x12.20m) & Bridge No.349/1 at KM:293/8-9 & KM:293/9-294/0 by diverting the Perennial City Drainage Nalah & Highway traffic in adjacent span by sheet piling and masonry wall and casting of bed blocks, replacement of existing steel plate girders of Br.349/1 by PSC slabs/ retainers available at site and other ancillary works in the jurisdiction of XEN/Br./All on MD-DOZ Bye Pass Line of Ajmer division to make fit for 25T loading standard. 3. **अनुमानित कार्य की लागत** : Rs.1,29,48,135.88 4. **बयाना राशि** : Rs.2,14,800.00 5. **कार्य पूरा करने की अवधि** : 12 माह 6. **निविदा फॉर्म जमा कराने का समय व दिनांक:** दिनांक 13.02.2023 समय 15:00 बजे तक 7. **वेबसाइट का विवरण:** The complete information along with tender document shall available in prescribed electronic form in Indian Railway E-Tendering website **www.ireps.gov.in** up to 13.02.2023 at 15.00 hrs 8. **Similar Nature of Work:** Any Bridge Work with RCC/PSC under running line. 59-AN/23
हमें /NWRailways पर फॉलो करें

'आज राजस्थान की जनता के दिल में बस एक ही सवाल है कि पायलट साहब मुख्यमंत्री कब बनेंगे'

फिर मंत्री राजेंद्र सिंह गुढा ने सचिन पायलट का नाम लिए बगैर सरकार पर हमला बोला

झुंझुनूं, (निसं)। प्रदेश के पूर्व उप मुख्यमंत्री सचिन पायलट ने एक बार फिर नाम लिए बगैर मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के बयान पर ना केवल पलटवार किया है। बल्कि रिटायर होने वाले अधिकारियों को मिल रही राजनैतिक नियुक्तियों पर भी सवाल उठाए है। किसान सम्मेलन के जरिए प्रदेश के दौरे पर निकले सचिन पायलट ने बुधवार को झुंझुनूं के गुडा गांव में किसानों को संबोधित किया।

गुडा गांव में किसान सम्मेलन में पूर्व उप मुख्यमंत्री सचिन पायलट को उदयपुरवाटी विधायक व मंत्री राजेंद्र सिंह गुढा ने हल भेंट किया।

- कौनसी जादुगरी से निकले तिजोरी से पेपर, इसलिए जिम्मेदारी तो सरकार को तय करनी पड़ेगी : पायलट
- सचिन पायलट ने रिटायर होने वाले अधिकारियों को मिल रही राजनैतिक नियुक्तियों पर भी सवाल उठाए
- सचिन पायलट ने कहा, कांग्रेस कार्यकर्ताओं के लिए संघर्ष करूंगा

इस मौके पर उन्होंने कहा कि पेपर लीक होने का दुख सभी को है। उनकी सरकार पेपर लीक मामले में कार्रवाई कर रही है। उसका स्वागत है। लेकिन कहा जा रहा है कि इन पेपर लीक में कोई भी नेता या फिर अधिकारी शामिल नहीं है। तो वो समझ से परे है। उन्होंने कहा कि पेपर तिजोरी में रखे जाते हैं। अब सरकार को जिम्मेदारी तय करते हुए यह बताना चाहिए कि ऐसी कौनसी जादुगरी है जो बिना नेता और अधिकारियों की शह के पेपर बच्चों तक पहुंच जाता है। उन्होंने कहा लगातार पेपर लीक से सभी दुखी है। इसलिए हमें जिम्मेदारी तय करते हुए सभी लोगों को बेनकाब करना होगा। पायलट यहीं नहीं रूके। इस बार पायलट ने रिटायर होने वाले अधिकारियों को मिल रही राजनैतिक नियुक्तियों पर भी सवाल उठाया।

उन्होंने कहा कि हमारी सरकार को बने हुए चार साल हो गए हैं। कई कार्यकर्ताओं को नियुक्तियां मिली है। लेकिन अधिकारियों को राजनैतिक नियुक्तियां मिल रही है। जिसका अनुपात सही नहीं है। जो अधिकारी शाम पांच बजे रिटायर होते हैं। उन्हें रात 12 बजे तक राजनैतिक नियुक्तियां दे दी जाती है। जबकि जिस कार्यकर्ता और नेता के खून पसीने से सरकार सत्ता में आई है। पहला मौका उन्हें दिया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि वे कार्यकर्ताओं के मान सम्मान के लिए पहले भी संघर्ष करते रहे है और आगे भी करते रहेंगे।

इस मौके पर उन्होंने किसानों की और युवाओं की बात रखते हुए केंद्र सरकार पर भी हमला बोला। मंच पर इस सम्मेलन के संयोजक मंत्री राजेंद्र सिंह गुढा समेत परिवहन मंत्री बृजेंद्र ओला, वन मंत्री हेमाराम चौधरी, व्यापार कल्याण बोर्ड के अध्यक्ष नीमकाथाना विधायक सुरेश मोदी, एसी आयोग अध्यक्ष खिलाडीलाल बैरवा, चाकसू विधायक वेदप्रकाश सोलंकी, विराट नगर विधायक इंद्राज गुर्जर, लाडनू विधायक मुकेश भाकर, श्रीमाधोपुर विधायक दीपेंद्र सिंह के पुत्र बालेंदू सिंह शेखावत, दातारामगढ विधायक वीरेंद्र चौधरी, खेतडी के पूर्व विधायक हजारीलाल गुर्जर तथा उदयपुरवाटी चेयरमैन रामनिवास सैनी समेत अन्य नेता मंच पर मौजूद थे। इससे पहले पायलट हैलिकॉप्टर से गुडा गांव में पहुंचे और फिर झुंझुनूं के लिए रवाना हो गए।

मुख्यमंत्री अशोक गहलोत पर राजेंद्र सिंह गुढा का हमला:- गुडा गांव में सचिन पायलट के किसान सम्मेलन में कांग्रेस के मंत्री राजेंद्र सिंह गुढा ने मुख्यमंत्री अशोक गहलोत पर निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि पूरा देश देख रहा है कि 200 में से 21 नंबर लाने वाला तो सफल और 21 से 100 संख्या पहुंचाने वाला निकम्मा और नकारा। गुढा ने सभा को संबोधित करते हुए सचिन पायलट की तुलना राम और पांडवों से भी कर डाली। उन्होंने कहा कि राम का जब राजतिलक होना था। तब उन्हें बनवास मिला। 14 साल के बनवास के कारण आज भी हिंदुस्तान के दिल में राम बसे है। द्रोपदी का चीरहरण हुआ तो पूरा हिंदुस्तान बोला कि पांडवों के साथ अन्याय हुआ है। लेकिन जिसके साथ भी अन्याय होता है।

ये जनता उसे अपने दिलों में बसा लेती है और अपना पूरा समर्थन देती है। जिसने 200 में से 21 नंबर लाकर कांग्रेस को सत्ता से बाहर करवाया उसे कांग्रेस ने सफल माना। और जिसने कांग्रेस को 21 नंबर से 100 नंबर तक पहुंचाया। उसे निकम्मा और नकारा बताया जा रहा है। यही सचिन पायलट के साथ हो रहा है। उन्होंने कहा कि आज पूरे राजस्थान की जनता के दिल में बस एक ही सवाल है कि पायलट साहब मुख्यमंत्री कब बनेंगे।

घूसखोर एएसपी दिव्या के मोबाइलों की आनासागर में तलाश की

एसडीआरएफ़ को आनासागर में मोबाइल हाथ नहीं लगे

अजमेर, (कासं)। एसओजी की घुसखोर एडिशनल एसपी दिव्या मित्तल को एसीबी कि कार्यवाही की भनक एक दिन पहले ही लग गई थी, इसलिए दिव्या मित्तल ने अपने 2 मोबाइल फ़ोन अजमेर की आनासागर झील में फेंक दिए, रिमांड के दौरान जब एसीबी ने दिव्या मित्तल से पूछताछ की तो उसने मोबाइल आनासागर झील में फेंकना कबूल किया।

घूसखोर एएसपी को आनासागर झील पर लेकर पहुंची एसीबी टीम।

- एसीबी की टीम मोबाइल बरामदगी के लिए दिव्या मित्तल को लेकर अजमेर पहुंची
- एक दिन पहले ही दिव्या मित्तल ने दो मोबाइलव अन्य सामान आनासागर में फेंकना कबूला था

बुधवार को जयपुर एसीबी की टीम मोबाइल बरामदगी के लिए दिव्या मित्तल को लेकर अजमेर पहुंची, बताया जा रहा है कि रविवार रात जब दिव्या मित्तल ने अपना मोबाइल आनासागर में फैंका उस समय वह अपनी सरकारी गाड़ी में थी, इसलिए सरकारी गाड़ी के ड्राईवर बहादुर सिंह को भी मौके पर बुलाया गया, झील का पानी गहरा होने के कारण एसीबी ने एसडीआरफ की मदद ली। एसडीआरएफ के दस जवानों ने करीब तीन घंटे तक आनासागर में मोबाइल की तलाश की लेकिन मोबाइल हाथ नहीं लगा। अंधेरा होने के चलते सर्च अभियान को रोका, बताया जा रहा कि गुरूवार को एक बार फिर एसीबी एसडीआरएफ़ की मदद से सर्च कर सकती है, इस दौरान दिव्या मित्तल एसीबी की हिरासत में कार में ही बैठी रही।

जानकारी के अनुसार रविवार रात करीब 10 बजे दिव्या मित्तल अपने आरजी स्थित फ्लैट से अपनी सरकारी गाडी में ब्यावर के लिए निकली और उसने ड्राईवर बहादुर को गाडी आनासागर के करीब से ले जाने के लिए कहा। दिव्या मित्तल ने आनासागर के करीब आकर गाडी से उतर गई। ड्राईवर ने एसीबी को बताया कि दिव्या मित्तल ने कुछ सामान आनासागर में फेंका। दो दिन में दिव्या कि रिमांड अवधि भी समाप्त हो रही है यदि इन दो दिनों में दिव्या का मोबाइल नहीं मिला तो एसीबी का केस कमजोर पड़ने के भी आसार है। मई 2021 में अजमेर पुलिस ने कार्रवाई करते हुए 16 करोड़ रुपए से ज्यादा की नशीली दवाओं की खेप पकड़ी थी, इसमें जयपुर में साढ़े पांच करोड़ और अजमेर में 11 करोड़ की दवाओं के साथ आरोपी पकड़े गए थे, इसी मामले से नाम हटाने के एवज में एसओजी की एडिशनल एसपी दिव्या मित्तल पर रिश्वत मांगने का आरोप है, परिवादी ने 4 जनवरी को एसीबी से संपर्क किया था।

पेपर लीक मामले में दो गिरफ्तार

उदयपुर, (कासं)। सुखेर थाना पुलिस ने पेपर लीक मामले में पेपर उपलब्ध कराने एवं वाहन सुविधा उपलब्ध कराने वाले दोनों आरोपियों को गिरफ्तार किया। प्रकरण के अनुसार 24 दिसंबर सवेरे राज्य लोकसेवा आयोज द्वारा आयोजित की जाने वाली द्वितीय श्रेणी शिक्षक भर्ती प्रतियोगिता परीक्षा के सामान्य ज्ञान प्रश्नप्रत्र पत्र पेपर लीक के मामे में सुखेर थाना क्षेत्र में स्थित होटल हिमांशी में ठहरे छात्रों को गिरफ्तार कर उनसे की गई पूछताछ में मिले साक्ष्यों के आधार पर 17 जनवरी को छात्रों को पेपर उपलब्ध कराने वाले रिडियाधेरा पोस्ट हेमागुडा जालौर निवासी सुरेश विश्नोई पुत्र जगदीशराम विश्नोई तथा वाहन उपलब्ध कराने वाले पीराराम पुत्र रघुनथाराम विश्नोई को गिरफ्तार किया। पुलिस ने दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश कर 8 दिन का पुलिस रिमाण्ड लिया है। जिनसे पूछताछ की जा रही है।

देश-दुनिया में सिख समाज का महत्वपूर्ण योगदान : पायलट

हनुमानगढ़, (कासं)। हनुमानगढ़ जिले के दौरे पर आये पूर्व उपमुख्यमंत्री सचिन पायलट ने बुधवार सुबह टाउन स्थित ऐतिहासिक गुरूद्वारा शहीद बाबा सुक्खा सिंह बाबा महताब सिंह में मत्था टेका और क्षेत्र की खुशहाली, सुख-समृद्धि और अमन-चैन की कामना की।

गुरूद्वारा साहिब में सरोपा भेंट कर पायलट का सम्मान किया गया। इससे पहले सचिन पायलट का पंचायत समिति के पूर्व प्रधान जयदेव भिड़ासरा के निवास पर कार्यकर्ताओं की ओर से स्वागत किया गया। इस दौरान कार्यकर्ताओं ने बंद पड़ी स्पिनिंग मिल को शुरू करवाने, डीएपी-यूरिया खाद की किल्लत सहित किसानों की अन्य समस्याओं से पायलट को अवगत कराया और समाधान की मांग की।

गुरूद्वारा साहिब में मत्था टेकने के बाद पूर्व उपमुख्यमंत्री सचिन पायलट ने बताया कि वे झुंझुनूं में आयोजित किसान सम्मेलन को संबोधित करेंगे। गुरूवार को पाली का दौरा करेंगे। पाली में भी किसान और आदिवासी सम्मेलन में शामिल होंगे। स्कूलों में पंजाबी सब्जेक्ट के पद रिक्त होने पर उन्होंने कहा कि जो-जो पद खाली पड़े हैं, वे भरे जाने चाहिए। सिख समाज की संस्कृति और इतिहास को और प्रोत्साहित करने के लिए भी यह आवश्यक है। पायलट ने कहा कि इस दुनिया और देश में सिख समाज के योगदान का कोई मुकाबला नहीं कर सकता। जब भी मुश्किल घड़ी आती है तो सबसे पहले सिख समाज आगे आकर बढ़-चढ़कर सेवा करता है। सिख समाज में सेवा का जितना भाव है, वह शायद ही किसी अन्य धर्म में हो। इसके बाद सचिन पायलट जंक्शन में जिला परिषद कार्यालय के पीछे बनाये गए हेलीपेड पर पहुंचे। यहां से उन्होंने हेलीकॉप्टर में सवार होकर झुंझुनूं के लिए उड़ान भरी।

जेईई-मेन 2023-एनटीए ने परीक्षा की तिथियां, परीक्षा केन्द्र जारी किये

कई विद्यार्थियों को चारों विकल्प में से भी परीक्षा शहर नहीं मिला

कोटा, (निसं)। देश की सबसे बड़ी इंजीनियरिंग प्रवेश परीक्षा जेईई-मेन जनवरी सेशन के परीक्षा शहर एवं परीक्षा की तिथियां बुधवार को जारी कर दी गई। विद्यार्थियों को इसकी सूचना मिलने के साथ ही असमंजस की स्थितियां भी सामने आई। वहीं अब एडमिट कार्ड का इंतजार शुरू हो गया है, एक-दो दिन में एडमिट कार्ड रिलीज हो जाएंगे। जेईई-मेन जनवरी परीक्षा के लिए 9.15 लाख विद्यार्थियों ने आवेदन किया है।

- बीई-बीटेक 24, 25, 29, 30, 31 जनवरी तथा 1 फरवरी को
- जेईई-मेन जनवरी परीक्षा के लिए 9.15 लाख विद्यार्थियों ने आवेदन किया है

एलन कॅरियर इंस्टीट्यूट के कॅरियर काउंसलिंग एक्सपर्ट अमित आहूजा ने बताया कि जेईई-मेन जनवरी परीक्षा जो कि पूर्व में 24 से 31 जनवरी के मध्य आयोजित की जानी थी। परीक्षा तिथियां जारी होने के पश्चात अब जेईई-मेन परीक्षा 24 जनवरी से 1 फरवरी के मध्य संपन्न होगी, यानी परीक्षा के लिए एक दिन अतिरिक्त कर दिया गया है। जेईई-मेन जनवरी परीक्षा में 24, 25, 29, 30 व 31 जनवरी एवं 1 फरवरी को बीई-बीटेक के लिए परीक्षा होगी। वहीं 28 जनवरी को बीआर्क के लिए परीक्षा होगी। परीक्षा अभी भी 7 दिवस में ही संपन्न होगी। पूर्व में जारी किए गए कार्यक्रम में 26 जनवरी को परीक्षा नहीं होनी थी। अब जारी किए गए कार्यक्रम में 26 व 27 जनवरी को परीक्षा नहीं होगी। इसके बदले 1 फरवरी तक परीक्षा होगी।

आहूजा ने बताया कि परीक्षा तिथियों के साथ-साथ परीक्षा शहर भी जारी किए गए हैं। परीक्षा शहरों में बड़ी संख्या में विद्यार्थियों के परीक्षा शहर उनके आवेदन के दौरान भरे हुए चारों परीक्षा केन्द्रों के विकल्पों के अतिरिक्त परीक्षा शहर आवंटित किए गए हैं। ऐसे में ये विद्यार्थी बड़े असमंजस में दिखाई दे रहे हैं, कि इतने कम समय में वे उस परीक्षा शहर के अनुरूप आने-जाने की व्यवस्था कैसे करेंगे, जबकि पूर्व में ही विद्यार्थी अपने आवेदन के दौरान भरे हुए परीक्षा केन्द्र के अनुरूप आने-जाने के लिए मन बना चुके थे। अधिकांश विद्यार्थियों ने अपने पहले और दूसरे परीक्षा शहर के विकल्प के अनुरूप व्यवस्था तक कर चुके थे। विद्यार्थियों को अब अपने ओरिजनल आईडी प्रुफ, फोटोग्राफ को व्यवस्थित कर लेना चाहिए, क्योंकि परीक्षा केन्द्र में उन्हें अपने साथ मूल प्रमाण पत्रों को ले जाना होगा। विद्यार्थी जेईई-मेन की वेबसाइट पर दिए गए लॉगइन पर जाकर अपना एप्लीकेशन नम्बर एवं जन्म दिनांक की जानकारी भरकर एनटीए द्वारा जारी की गई इस सूचना को प्राप्त कर सकते हैं।

लोगों ने कलेक्टर से मिलकर बताई समस्या

लोगों ने कहा कि घर गिरा देंगे तो रहेंगे कहां

पाली, (निसं)। पाली विधायक ज्ञानचंद पारख के नेतृत्व में सैकड़ों लोग बुधवार को जिला कलेक्टर नमित मेहता से मिले। अपनी व्यथा सुनाते हुए उन्होंने मुख्यमंत्री के नाम उन्हें ज्ञापन सौंपा। इसमें बताया कि एसडीएम ने छह मकान गिराने का आदेश जारी किया है। लाखों रुपए खर्च कर उन्होंने मकान बनाए हैं। उन्हें गिरा दिया जाएगा तो वे कहां रहेंगे। उन्हें लाखों रुपए का नुकसान हो जाएगा। प्रशासन को चाहिए की मकानों में दरारें क्यों आ रही हैं इसकी जांच करवाए और उनके मकान जो बार-बार क्षतिग्रस्त हो रहे हैं उन्हें फिर से दुरुस्त करवाने के लिए मुआवजा दिलवाएं।

ज्ञापन सौंपते समय क्षेत्र के रमेश परिहार, दिनेश देवड़ा, प्रवीण, शारदा देवी, पारस भाटी, नगर परिषद के पूर्व सभापति महेन्द्र बोहरा, पार्षद राधेश्याम चौहान, विकास बुबकिया, अशोक बाफना सहित बड़ी संख्या में पीड़ित लोग मौजूद रहे। बाहर से एक्सपर्ट की टीम बुलाकर मकानों में आ रही दरारों की जांच करवाई जाए, मोहल्ले से गुजर रही पाइप लाइन की जांच करवाई जाए, जो मकान गिराए जाने वाले हैं उन लोगों के रहने की व्यवस्था सरकार करे, जिन मकानों को गिराया जाना है उन परिवारों को सरकार मुआवजा दे, जिस विभाग की लापरवाही से मकानों में दरारें आ रही हैं। उनके खिलाफ उचित कानूनी कार्रवाई की जाए।

- एसडीएम ने छह मकान गिराने का आदेश जारी किया है
- टीम से मकानों में आ रही दरारों की जांच की मांग की

जानकारी के अनुसार 16 जनवरी को एक आदेश जारी कि एसडीएम पाली ने शाह का चौक, भैरूघाट स्थित रमेश परिहार, दयाशंकर, ओमप्रकाश, जगदीश घांची, नरेन्द्र कोठारी के मकान गिराने की कार्रवाई के आदेश दिए।

ट्रक से 47 क्विंटल 500 ग्राम राशन का गेहूं जब्त

डूंगरपुर, (निसं)। चितरी पुलिस थाने को मुखबीर की सूचना पर जुईतलाई में एक ट्रक से 47 क्विंटल 500 ग्राम राशन का गेहूं परिवहन करते हुए जब्त किया। पुलिस को तफ्तीश के दौरान ड्राइवर ट्रक छोड़कर भाग गया। ट्रक में सरकारी राशन का गेहूं मिलने पर इसकी सूचना जिला रसद विभाग को दी। जिस पर जिला रसद अधिकारी विपिन जैन, प्रवर्तन निरीक्षक पुष्पेंद्रसिंह, इंस्पेक्टर बजरंग मेघवाल के मार्गदर्शन में जब्त ट्रक के रुट के आधार पर नजदीक के राशन डीलर गडाजसराजपुर के वहां निरीक्षण किया। जिस पर गडा जसराजपुर राशन डीलर गौतम बरंडा के स्टॉक का सत्यापन किया। जिसमें पोश मशीन में ऑनलाइन एंट्री के तहत कुल 107 क्विंटल 42 किलो गेहूं स्टॉक में उपलब्ध होना बताया।

इसी के आधार पर गोदाम का निरीक्षण करने पर 26 क्विंटल 5 किलो गेहूं मिला। मौके से 81 क्विंटल 37 किलो गेहूं गायब था। वहीं ट्रक में जब्त 47 क्विंटल 500 ग्राम गेहूं के अलावा 34.32 क्विंटल गेहूं का कोई हिसाब नहीं था। जिस पर राशन डीलर गौतम बरंडा को निलंबित कर दिया गया है। वहीं ट्रक को जब्त कर चितरी थाने में रखा गया है। ट्रक मालिक परेश अमरजी पाटीदार उदैया का निवासी है। उसकी ओर से सरकारी राशन का गेहूं के परिवहन का जवाब लेने के बाद अग्रीम कार्रवाई की जाएगी।

'स्थाई लोक अदालत में समुचित स्टाफ की तत्काल व्यवस्था करें'

जोधपुर, (कासं)। राजस्थान उच्च न्यायालय की खंडपीठ के वरिष्ठ न्यायाधीश संदीप मेहता और न्यायाधीश राजेंद्र प्रकाश सोनी ने अतिरिक्त महाधिवक्ता को कहा है कि वे संबंधित राज्य के अधिकारियों को निर्देश दें कि वे राजस्थान राज्य में स्थायी लोक अदालतों को कर्मचारी उपलब्ध कराने के लिए तुरंत प्रक्रिया शुरू करें। उन्होंने भारत सरकार को निर्देश दिए हैं कि याचिका का जवाब पक्के तौर पर आगामी पेशी 14 फरवरी तक पेश करें।

- उच्च न्यायालय की खंडपीठ ने अतिरिक्त महाधिवक्ता को कहा है कि वे संबंधित राज्य के अधिकारियों को निर्देश दें
- भारत सरकार को निर्देश दिए कि आगामी पेशी तक जवाब पक्के तौर पर पेश करें

एडवोकेट वासुदेव दाधीच की ओर से दायर जनहित याचिका पर बहस करते हुए अधिवक्ता अनिल भंडारी ने कहा कि राज्य सरकार के विधि विभाग ने 26 अप्रैल 2016 को स्थाई लोक अदालत में एक-एक रीडर और आशुलिपिक, द्वितीय श्रेणी के 3 लिपिक और 2 चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी के पद स्वीकृत किए थे। इसके बावजूद राज्य के स्थाई लोक अदालत में समुचित स्टाफ की नियुक्तियां नहीं की गई है। इससे न्यायिक कार्रवाई में दिक्कत और परेशानियां हो रही है। राज्य सरकार की ओर से अतिरिक्त महाधिवक्ता संदीप शाह ने कहा कि उन्हें सरकार की ओर से सूचित किया गया कि स्थाई लोक अदालत में स्टाफ के पद सृजित नहीं है।

खंडपीठ ने अपने आदेश में कहा कि प्रथम दृष्टया राज्य सरकार का कथन विश्वनीय प्रतीत नहीं हो रहा है क्योंकि राज्य सरकार ने 26 अप्रेल 2016 को स्टाफ के विभिन्न पद स्वीकृत कर विधिक सेवा प्राधिकरण को प्रेषित किए थे और उनके द्वारा नियुक्तियां की जानी थी। उन्होंने भारत सरकार को निर्देश दिए कि आगामी पेशी तक जनहित याचिका का जवाब पक्के तौर पर पेश करें।

बुजुर्ग महिला घर में मृत मिली

बस्सी, (निसं)। राजधानी के तूंगा थाना इलाके में बुधवार को दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है। तूंगा थाना क्षेत्र के ग्राम दनाऊ कलां में एक 95 वर्षीय बुजुर्ग महिला जो कि मकान में अकेले रहती थी। मंगलवार रात को उस महिला ने सोते वक्त सिगड़ी जली हुई छोड़ दी जो महिला को भारी तब पड़ा गया सुबह होते-होते उसका पूरा शरीर राख में तब्दील हो गया, केवल हड्डियों के कंकाल बचे। इस पूरी घटना का खुलासा तब हुआ, जब रोज की तरह गांव का ही व्यक्ति उस लावारिस महिला को सुबह खाना देने उस मकान में पहुंचा। जब वह अंदर गया तो उसे सिर्फ और सिर्फ जली हुई राख में उसकी बॉडी के कंकाल दिखाई दिए।

इस पर खाना देने गये व्यक्ति ने अन्य ग्रामीणों को सूचना दी और मौके पर पहुंची तूंगा थाना पुलिस ने उसका पोस्टमार्टम करवाकर ग्रामीणों की सहायता से उसका दाह संस्कार करवा दिया। तूंगा थाना इंचार्ज नरेश कुमार ने बताया कि बुजुर्ग महिला संभवत: सिगडी को जलते छोड़ सो गई होगी और इसी दौरान सिगड़ी की चिंगारी पलंग या महिला के कपड़ों तक पहुंच गई होगी। जिससे वह पूरी तरह इसकी चपेट में आ गई होगी। मृतक महिला की पहचान कौशल्या देवी पत्नी कल्याण सहाय शर्मा उम्र 95 वर्ष के रूप में हुई है।

ठगी करने वाले दो शातिर बदमाश गिरफ्तार

नकली सोने को गढ़ा हुआ धन बताकर ठगी की थी

लालसोट, (निसं)। नकली सोने को खुदाई में गढ़ा हुआ धन मिलना बताकर ठगी की वारदात को अंजाम देने वाले लक्ष्मण पुत्र हीरालाल बागरी निवासी भीमपुरा एवं नारू राम पुत्र नवाजी राम बागरी निवासी बड़ा थाना राम सिंह जिला जालौर दो शातिर बदमाशों को पुलिस ने गिरफ्तार करने में कामयाबी हासिल की है।

थानाधिकारी नाथू लाल मीणा ने बताया कि जमवारामगढ़ तहसील क्षेत्र के रहने वाले सीताराम शर्मा ने थाने में प्राथमिकी देते हुए बताया कि दो युवकों द्वारा उनके पास पहुंच कर उनको खुदाई में गढ़ा हुआ पुराना सोने का धन मिलने की बात कहते हुए उस सोने के आभूषण के बेचान करने की बात कही गई। जहां उस सोने के आभूषण की कीमत उनके द्वारा पीड़ित सीताराम को दस लाख बताई गई। इस पर पीड़ित द्वारा इतना पैसा नहीं होने की बात कहने पर शातिर बदमाशों द्वारा जितना पैसा दे उतना सोने के आभूषण में से सामान काटकर देने की सहमति जताई।

जहां पीड़ित सीताराम को शातिरों द्वारा पहले तो बस्सी चक बुलाया गया इसके बाद जगह बदल कर दूसरा बस स्टैंड पर मिलने की बात कही गई एवं बस स्टैंड दोसा पहुंचने पर पीड़ित को लालसोट बुला लिया गया। इसके बाद शातिर बदमाशों ने पीड़ित से दो लाख रुपए लेकर उस सोने के आभूषण में से उस कीमत के बराबर सोने का आभूषण काट कर दे दिया गया। वही पीड़ित को जगह बदलने पर सख्त होने के बाद उस सोने के आभूषण से लिए गए टुकड़े की जांच कराने पर वह सोने का आभूषण नकली पाया गया जहां पीड़ित के होश फाख्ता हो गए।

लालसोट में पुलिस ने ठगी करने के आरोपियों को बापर्दा गिरफ्तार किया।

- दो लाख की ठगी की वारदात को दिया था अंजाम

इसके बाद पीड़ित द्वारा आपबीती बताने एवं प्राथमिक देने के बाद दर्ज मुकदमे के आधार पर पीड़ित से पूछताछ करने के बाद ठगों द्वारा ठगी का शिकार बनाने के दौरान उपयोग में लिए गए मोबाइल नंबरों के आधार पर ठगों की शिनाख्त की गई। वहीं पुलिस द्वारा उसी साथी राणा अंदाज में आसूचना संकलन एवं साइबर सेल की मदद से तकनीकी अनुसंधान करते हुए ठगी के दोनों आरोपियों को लालसोट के निर्माणाधीन रेलवे स्टेशन से गिरफ्तार कर लिया गया। थाना अधिकारी ने बताया कि ठगी के आरोपियों को न्यायालय में पेश कर न्यायालय से आरोपियों का पुलिस रिमांड प्राप्त किया गया है एवं पूर्वी ठगी की वारदात खुलने की आशंका बनी हुई है।

संक्षिप्त

धोखाधड़ी करने वाले दो गिरफ्तार

जयपुर (कासं)। स्पेशल ऑफेंसेज एण्ड साईबर क्राईम थाना पुलिस ने जयपुर की एक फिनटेक कम्पनी के साथ 80 लाख रुपये की ठगी करने वाले दो बदमाशों को सूरत (गुजरात) से गिरफ्तार किया है। फिलहाल आरोपियों से पूछताछ की जा रही है। अतिरिक्त पुलिस कमिश्नर अजय पाल लांबा ने बताया कि आरोपियों ने ठगी की वारदात फिनटेक के कम्पनी के आधार एनेबल पेमेंट गेटवे का एजेंट बनकर ठगी की थी। वहीं गिरोह के अन्य सदस्यों की तलाश की जा रही है। आधार एनेबल पेमेंट गेटवे द्वारा ठगी करने का यह स्पेशल ऑफेंसेज एण्ड साईबर क्राईम थाना जयपुर का प्रथम मामला दर्ज है। इसके अलावा एक मामले में आरोपियों द्वारा वीडियो कॉल कर स्क्रीन रिकॉर्डिंग करके ब्लैकमेल करने के नाम पर पैसे मांगने के आरोप में शास्त्री नगर जयपुर निवासी ने मामला दर्ज करवाया है। लांबा ने बताया कि ब्लैकमेलर अश्लील वीडियो चलाकर संबंधित व्यक्ति की स्क्रीन रिकॉर्डिंग कर लेते है और यू-ट्यूबर बनकर यूट्यूब पर अश्लील वीडियो अपलोड नहीं करने के नाम पर पैसे मांगते है और उसके बाद पुलिस अधिकारी बनकर महिला से अश्लील बाते करने के आरोप में धमकाकर भी रूपये ऐंठते है।

डिजास्टर मैनेजमेंट पर लाइव डेमो आज

जयपुर । राजस्थान विश्वविद्यालय जयपुर के सेमिनार हॉल में एसडीआरएफ राजस्थान की ओर से विद्यार्थियों के लिए आपदा प्रबंधन लाईव डेमो आज सुबह साढ़े 11 बजे होगा। राज्य आपदा प्रतिसाद बल के कमाण्डेन्ट राज कुमार गुप्ता ने बताया कि कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों को जागरूक करने के उद्देश्य से प्राकृतिक एवं मानव जनित आपदाओं के बारे में आम जानकारी, आपदा राहत उपकरण प्रदर्शनी तथा लाईव डेमो का आयोजन किया जायेगा। उन्होंने बताया कि डेमास्ट्रेशन में अचानक घटित होने वाली आपदा व घटनाओं से किस तरह बचा जा सके एवं आपदा की स्थिति में रेस्क्यू टीमों के घटनास्थल पर पहुँचने से पूर्व आमजन द्वारा अन्य नागरिकों एवं घायलों की मदद किस प्रकार की जा सकती है की जानकारी प्रदान की जायेगी। साथ ही आपदा की स्थिति में किस प्रकार आमजन द्वारा फर्स्ट रिस्पांडर का कार्य करते हुए स्वयं एवं अन्य नागरिकों की सहायता करने की सिखलाई दी जायेगी।

6 अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक एसीबी में

जयपुर (कासं)। गृह विभाग ने भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो में 6 अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक का चयन किया है। गृह विभाग के संयुक्त शासन सचिव जगबीर सिंह ने बुधवार को आदेश जारी कर अतुल साहू अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक एसीबी अजमेर, पवन कुमार मीणा को अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक एसीबी गंगानगर, कैलाश सिंह साधु को अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक एसीबी चित्तौड़, बलराम सिंह को अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक एसीबी मुख्यालय जयपुर, पारस सोनी को अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक एसीबी पाली और सुरेंद्र सिंह को अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक एसीबी मुख्यालय जयपुर लगाया गया है।

होटल में युवती से दुष्कर्म

जयपुर (कासं)। जवाहर सर्किल इलाके में एक दलित युवती से होटल में दुष्कर्म का मामला सामने आया है। पुलिस के अनुसार मूलतया जिला दौसा निवासी 26 वर्षीया युवती ने रिपोर्ट दी है। वह ऑनलाइन जॉब सर्च कर रही थी। इस दौरान जयपुर निवासी पुष्पेंद्र जैन से सम्पर्क हुआ। आरोप है 8 जनवरी को पुष्पेंद्र ने पीड़िता को जॉब के लिए जयपुर बुलाया और डब्ल्यूटीपी मॉल के पास स्थित होटल टाउन हाउस ले गया। यहां चाय में नशीला पदार्थ पिलाया। इसके बाद कमरे में बेहोशी की हालत में दुष्कर्म किया।

नौकरी लगवाने के नाम पर युवती का देहशोषण करने वाला गिरफ्तार

आरोपी ने खुद को आईएएस व मंत्री का पीए बताकर जाल में फंसाया था

जयपुर (कासं)। आई.ए.एस. और मंत्री का फर्जी पीए और सीएमओ में खुद को रीडर बताकर नौकरी लगवाने का झांसा देकर एक युवती से देह शोषण करने के मामले में शातिर आरोपी को आमेर थाना पुलिस ने गिरफ्तार किया है। फिलहाल आरोपी से पूछताछ की जा रही है।

पुलिस उपायुक्त जयपुर (उत्तर) परिस देशमुख ने बताया कि आरोपी सौरभ कुमार उर्फ विष्णु उर्फ देवेश नदबई जिला भरतपुर को गिरफ्तार किया हैं। पुलिस ने बताया कि इस संबंध में एक युवती ने 2 जनवरी को थाने में मामला दर्ज करवाया कि 3 नवंबर को सौरभ कुमार ने बताया कि वह सीएमओ ऑफिस में रीडर के पद पर कार्यरत है। उसकी अच्छी पहुंच है। वह उसकी नौकरी लगवा देगा, जिसके पैसे लगेंगे। आरोपी ने नौकरी लगाने का झांसा देकर 8 लाख 47 हजार रुपए हड़प लिए। पैसे लेने के बाद आरोपी उसे भरतपुर में ले गया जहां उसके फर्जी कागजात बनाए और उसके साथ गलत काम किया। आरोपी सौरभ कुमार शर्मा पेशेवर एवं आदतन अपराधी है जो फर्जी आईएएस मंत्री का पीए, सीएमओ में रीडर पद पर कार्यरत बताकर नौकरी लगाने का झांसा देता है। विश्वास में लेने के बाद उनसे पैसे हड़प लेता है। अब तक वह नौकरी लगवाने का झांसा देकर लाखों रुपए की ठगी कर चुका हैं। आरोपी के खिलाफ पहले भी मामले दर्ज

आरोपी सौरभ कुमार (नीचे बैठे हुए)

- आरोपी ने नौकरी लगाने का झांसा देकर युवती से 8 लाख 47 हजार रु. भी हड़पे लिए
- गिरफ्तार आरोपी सौरभ के खिलाफ भरतपुर के नदबई, सेवर, चिकसाना, बयाना व लखनपुर थाने व अजमेर के पुलिस थाना सदर कोतवाली, जयपुर के ज्योति नगर थाने में कई मामले दर्ज है।
- आरोपी खुद को आईएएस, मंत्री का पीए और सीएमओ में रीडर बताकर अब तक लाखों रुपये की ठगी कर चुका है

हुए थे। आरोपी वर्ष 2014 में भी फर्जी आईएएस, मंत्री का पीए बताकर ठगी कर चुका है। गिरफ्तार आरोपी सौरभ के खिलाफ भरतपुर के पुलिस थाना नदबई, सेवर, चिकसाना, बयाना, लखनपुर तथा जिला अजमेर के पुलिस थाना सदर कोतवाली, जयपुर के पुलिस थाना ज्योति नगर में फर्जी आईएएस, मंत्री का पीए और सीएमओ में रीडर के पद पर कार्यरत बताकर ठगी और मारपीट के अलग अलग प्रकरण दर्ज चल रहे हैं।

बिजली कार्मिकों का शक्ति प्रदर्शन

जयपुर। राजस्थान विद्युत कर्मचारी, अभियंता एवं अधिकारी संयुक्त संघर्ष समिति के नेतृत्व में विद्युत निगमों के कार्मिकों ने अपनी विभिन्न मांगों को लेकर शहीद स्मारक पर एकजुट होकर दिनभर शक्ति प्रदर्शन किया। इस बीच मुख्य सचिव उषा शर्मा से बातचीत हुई, लेकिन बात नहीं बनी।

संघर्ष समित के बजरंग लाल मीणा और डी.डी. शर्मा ने बताया कि समिति के प्रतिनिधि मंडल मुख्यमंत्री से बात करवाने की मांग करने लगे। इसके बाद शाम को राजस्थान विद्युत प्रसारण निगम के सीएमडी आशुतोष एटी पेडनेकर कार्मिकों के प्रतिनिधि मंडल से बातचीत हुई। सकारात्मक बातचीत होने के बाद देर शाम धरना समाप्त किया। राजस्थान विद्युत श्रमिक महासंघ बीएमएस एवं राजस्थान इंटक, सीटू, एटक, अधिकारी इंजीनियर एसोसिएशन जैसे विभिन्न संगठनों से जुड़े कार्मिक आज अपनी विभिन्न मांगों के लेकर एकजुट हुए। इस बीच मुख्य सचिव ने वार्ता के लिए बुलाया। मुख्य सचिव ने कार्मिकों की मांगों को लेकर मुख्यमंत्री से बात करने का आश्वासन दिया, हालांकि कार्मिक मुख्यमंत्री से बातचीत कराने पर अडे। इस बीच उर्जा विभाग के मुख्य सचिव ने प्रसारण निगम के सीएमडी के साथ वार्ता के लिए कार्मिकों से कही, इस पर कार्मिकों और सीएमडी के बीच उनकी विभिन्न मांगों को लेकर बातचीत हुई। इसमें सीएमडी ने फरवरी तक इंतजार करने की बात कही।

सार-समाचार

कॉलोनियों के नियमन की मांग उठाई

पार्षद पीयूष किराडू ने बुधवार को जेडीए उपायुक्त सुरेश चौधरी को ज्ञापन सौंपकर वार्ड 63 की कॉलोनी महालक्ष्मी नगर, पीतांबर नगर, कैलाशपुरी मैन और जय माता वैष्णो नगर में नियमन शिविर लगाने की मांग रखी।

जयपुर । ग्रेटर निगम के वार्ड 63 के पार्षद पीयूष किराडू ने महालक्ष्मी नगर, पीतांबर नगर, कैलाशपुरी मैन और जय माता वैष्णो नगर में नियमन शिविर लगाने की मांग उठाई है। उन्होंने बुधवार को कॉलोनी के लोगों के साथ जेडीए जोन-18 के उपायुक्त सुरेश चौधरी को ज्ञापन भी सौंपा। पार्षद पीयूष किराडू ने बताया कि वार्ड में करीब एक हजार से अधिक पट्टे मिलने अभी शेष है। इन तमाम कॉलोनियों का नियमन नहीं होने के कारण लोगों को सड़क, पानी, सीवरेज, रोड लाइट व पार्क की सुविधा से वंचित रहना पड़ रहा है। वार्ड के लोगों ने कई बार जेडीए में आवेदन कर कॉलोनी में नियमन कैंप लगान की मांग उठाई है, लेकिन कोई सुनवाई नहीं हुई। बुधवार को उपायुक्त सुरेश चौधरी से मुलाकात कर हमने कॉलोनी के नियमन के लिए ज्ञापन सौंपा है। अगर 10 दिन के भीतर जेडीए प्रशासन ने हमारी मांगों पर ध्यान नहीं दिया बड़ा विरोध-प्रदर्शन जायेगा।

'एग्जाम वॉरियर्स' का लोकार्पण

राज्यपाल कलराज मिश्र ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा लिखी गई पुस्तक 'एग्जाम वॉरियर्स' के हिंदी और अंग्रेजी संस्करण का बुधवार को राजभवन में लोकार्पण किया।

जयपुर । राज्यपाल कलराज मिश्र ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा लिखी गई पुस्तक 'एग्जाम वॉरियर्स' के हिंदी और अंग्रेजी संस्करण का बुधवार को राजभवन में लोकार्पण किया। राष्ट्रीय पुस्तक न्यास (एनबीटी) द्वारा इस पुस्तक का भारत भर में उपयोग सुनिश्चित करने के लिए इसका विभिन्न भाषाओं में अनुवाद किया गया है। लोकार्पण के बाद मिश्र ने कहा कि विद्यार्थियों के लिए ही नहीं यह शिक्षकों और अभिभावकों के लिए भी बहुत महत्वपूर्ण है। उन्होंने बताया कि मोदी ने मूलत: परीक्षा के दौरान बच्चों में होने वाले तनाव के संदर्भ में इस पुस्तक का लेखन किया है। पर इसमें जीवन प्रबन्धन पर भी विशिष्ट जानकारियां दी गई है। उन्होंने बताया कि पुस्तक में विद्यार्थियों की सहायता के लिए योग के कई आसनों के साथ ही परीक्षा को उत्सव, उमंग और उल्लास से देने, परीक्षा पर हंसते हुए जाने और मुस्कराते हुए आने, वर्तमान में रहने, खेलों से जीवन सँवारने आदि पर भी महती सूत्र दिए गए हैं। पुस्तक में शिक्षकों को पत्र लिखने के साथ ही ज्ञान को स्थायी सम्पदा बताते जीवन भर सीखने का आव्हान किया गया है। एनबीटी के निदेशक युवराज मलिक ने बताया कि शिक्षा मंत्रालय के अधीन राष्ट्रीय पुस्तक न्यास द्वारा असमी, गुजराती, कन्नड, मलयालम, मराठी, उड़िया, पंजाबी, तमिल, तेलुगु, उर्दू आदि भारतीय भाषाओं में इसके अनुदित संस्करण प्रकाशित किए गए हैं। उल्लेखनीय है कि प्रधानमंत्री मोदी ने 'परीक्षा पे चर्चा' संवाद प्रयोजन से इसे लिखा था।

'गांव-ढाणी तक योजनाएं पहुंचाएं'

जयपुर । सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग के शासन सचिव, डॉ समित शर्मा ने कहा कि सूचना तकनीक के माध्यम से विभाग में पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित की जा रही है। उन्होंने अधिकारियों को सरकारी सेवाओं का लाभ तथा जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी गांव-ढाणी तक त्वरित गति से पहुंचाने में आईटी का उपयोग बढाने के निर्देश दिये। उन्होंने विभाग के सुदृढीकरण एवं डिजीटलाइजेशन की दिशा में एक कदम ओर बढाते हुए आवश्यकतानुसार कम्प्यूटर मय प्रिन्टर व स्कैनर क्रय करने के निर्देश अधिकारियों को दिये। डॉ.शर्मा आज बुधवार को शासन सचिवालय स्थित अपने कक्ष में विभागीय योजना प्रभारी अधिकारियों के कार्यों, बजट घोषणाओं और विभिन्न परियोजनाओं की प्रगति के संबंध में आयोजित बैठक की समीक्षा कर रहे थे।

टैक्सी चालक का अपहरण कर लूटपाट

जयपुर (कासं)। गांधीनगर इलाके से टैक्सी चालक का अपहरण कर लूटने का मामला सामने आया है। थानाधिकारी सुरेंद्र यादव ने बताया गांव खेड़ा ठाकुर, रुदावल जिला भरतपुर निवासी रवि सिंह (24) जयपुर में किराए से रह कर टैक्सी चलाता है। घटनाक्रम के मुताबिक 16 जनवरी को कुछ लड़कों ने नारायण सिंह सर्किल से मानसरोवर के लिए ऑनलाइन टैक्सी बुक की थी। पीड़ित 4 लड़कों को नारायण सिंह सर्किल से बिठा कर मानसरोवर ले गया। आरोप है यहां लड़कों ने उससे मारपीट की मोबाइल और जेब में से 2 हजार रूपए लूटे टैक्सी लेकर फरार हो गए। घटनास्थल से कुछ दूरी पर टैक्सी बरामद हुई है। पुलिस मामला दर्ज कर जांच में जुटी है। इसी तरह खोह-नागोरियान इलाके में एक युवक के अपहरण के बाद लूट का मामला सामने आया है। पुलिस ने बताया राजीव गांधी नगर विस्तार निवासी गजेंद्र कुमार ने रिपोर्ट दी है। आरोप है कुछ दिन पहले अनिल मीणा अपने अन्य साथियों के साथ उसका अपहरण कर ले गया। रास्ते में मारपीट के बाद सोने की चेन और 5 हजार रूपए लूट लिए।

नाबालिग से दुष्कर्म करने वाले गिरफ्तार

जयपुर । सदर थाना पुलिस ने नाबालिग लड़की के साथ दुष्कर्म करने के आरोप में दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। फिलहाल आरोपियों से पूछताछ की जा रही है। पुलिस उपायुक्त जयपुर पश्चिम वन्दिता राणा ने बताया कि सदर थाना पुलिस ने नाबालिग के साथ दुष्कर्म करने के आरोप में घड़साना जिला गंगानगर के रहने वाले सुनील सिंह और गौरव अग्रवाल को गिरफ्तार किया है। पूछताछ में सामने आया कि आरोपी सुनील सिंह निवासी जयपुर निवासी नाबालिक लडकी के सम्पर्क में आया था तथा फोन पर बातचीत करने लगा। इसके पश्चात सुनिल सिंह अपने दोस्त गौरव अग्रवाल के साथ दो-तीन बार जयपुर आया था। लड़की के साथ शादी का झांसा देकर होटल में दुष्कर्म किया। इस संबंध में पीडिता मां ने थाने में मामला दर्ज करवाया था कि गंगानगर निवासी जसविन्द्र सिंह उर्फ जस्सी, सुनील सिंह व गौरव अग्रवाल ने उसकी नाबालिग पुत्री को कोल्ड ड्रिंक में कोई नशीली वस्तु मिला कर पीला दी तथा वहीं पर पास ही एक होटल के कमरे में ले जाकर गलत काम किया। साथ ही मोबाइल से अश्लील विडियो बना ली। इसके बाद वीडियो वायरल करने की धमकी देकर ब्लैकमेल करने लगे।

बुक लवर्स से रूबरू होंगी सुधा मूर्ति

जयपुर (कासं)। सुप्रसिद्ध समाजसेविका और लेखिका सुधा मूर्ति गुरुवार को जयपुर के बुक लवर्स से रूबरू होंगी। ये मौका होगा रजत बुक कार्नर और पफिन बुक्स के संयुक्त तत्वावधान और फिक्की फ्लो के सहयोग से होने जा रहे कार्यक्रम इन कन्वर्जेशन विद सुधा मूर्ति का। शहर के तोतुका भवन में आयोजित होने जा रहे इस कार्यक्रम में जयपुर, हैदराबाद और मसूरी से आए 6 बच्चें पैनल में शामिल होते हुए मंच पर सुधा मूर्ति से चर्चा करते दिखेंगे। इस दौरान बच्चें मूर्ति से उनकी नई किताब द मैजिक ऑफ़ लॉस्ट स्टोरी के साथ ही उनके जीवन की प्रेरणा, किताबों से उनके प्रेम और उनके लेखन के बारे में वार्ता करेंगे। बच्चों के लिए खास आयोजित होने जा रहे कार्यक्रम में सभी फिक्की फ्लो की महिला मेंबर्स और अतिथि अपने बच्चों के साथ सैशन को एन्जॉय करेंगी।

'ड्रग्स माफियाओं की धमकी से तंग बेटे ने की आत्महत्या'

मृतक की मां ने तीन पडौसियों पर स्मैक तस्करी का आरोप लगाते हुए नामजद केस दर्ज कराया

जयपुर (कासं)। शास्त्रीनगर इलाके में गत दिनों युवक द्वारा खुदकुशी के मामले में ड्रग्स माफियाओं पर परेशान करने का आरोप लगा है।

थानाधिकारी दिलीप सिंह ने बताया 17 नवंबर 2022 को इंद्रा वर्मा कॉलोनी निवासी रितिक (21) ने अपने घर पर फंदा लगा कर आत्महत्या कर ली थी। मृतक स्मैक का आदि था। अब मृतक की मां आशा देवी ने इस्तगासे के जरिए मुकदमा दर्ज कराया है। आरोप है घर के पास ही रहने वाले जानकी लाल मीणा, अनिल मीणा और बलवीर सिंह स्मैक तस्करी में लिप्त है, जिन्होंने रितिक को स्मैक की लत लगवाई और बाद में स्मैक बिकवाने लगे। रितिक ने स्मैक बेचने से मना किया तो उसे जान से मारने की धमकी। इससे तंग आकर रितिक ने आत्महत्या कर ली। पुलिस मामले की जांच में जुटी है।

हाऊसिंग बोर्ड ने 27 करोड़ की भूमि से हटाया कब्जा

प्रताप नगर की एनआरआई कॉलोनी में तीन दशक से था काश्तकारों का कब्जा

हाऊसिंग बोर्ड की टीम ने बुधवार को प्रताप नगर की एनआरआई कॉलोनी में सरकारी भूमि पर हो रहे अवैध अतिक्रमण को हटाया।

जयपुर (कासं)। हाऊसिंग बोर्ड ने बुधवार को प्रताप नगर की एनआरआई कॉलोनी में 27 करोड़ रु. 4 हजार वर्गमीटर जमीन से अवैध अतिक्रमण हटाया। इस कॉलोनी में पिछले 3 दशक से काश्तकारों ने अवैध कब्जा कर रखा था। बुधवार को आवासन टीम ने अवैध अतिक्रमण हटाकर काश्तकारों को मौके पर ही पट्टे दिए। आवासन आयुक्त पवन अरोड़ा भी बुधवार सुबह अधिकारियों की टीम के साथ एनआरआई कॉलोनी में पहुंचे। उन्होंने 10 खातेदारों को पट्टे दिए गए और उसके बाद वर्षों पुराने कब्जे को ध्वस्त कराया।

कॉलोनी से अतिक्रमण हटने के बाद स्थानीय निवासियों ने खुशी जाहिर करते हुए बताया कि काश्तकारों के कब्जे हटने से कॉलोनी की सुरक्षा व्यवस्था मजबूत हो सकेगी और कॉलोनी का सौंदर्यीकरण भी हो सकेगा। इससे पूर्व कॉलोनी में ही 5 करोड़ रुपए कीमत की करीब 1 हजार वर्ग मीटर भूमि पर से भी अतिक्रमण हटवाया गया था। कॉलोनीवासियों ने इसके लिए आवासन आयुक्त का भी आभार जताया है। आयुक्त ने इस अवसर पर पुलिस आयुक्त आनंद श्रीवास्तव, पुलिस अधीक्षक राजीव पचार सहित जाप्ते में लगे सभी पुलिस अधिकारियों और कार्मिकों का भी सहयोग के लिए आभार जताया। इस दौरान अति. मुख्य अभियंता अमित अग्रवाल, उप आवासन आयुक्त केसी ढाका, आवासीय अभियंता सुभाष यादव मौजूद थे।

कैमरे ऑनलाइन किराए पर लेने के बहाने ठगने वाला गिरफ्तार

फर्जी मोबाइल सिम से इंटरनेट कॉल पर बातचीत करती है गैंग, फर्जी बिल बनाकर ऑनलाइन बेचते थे सामान

जयपुर (कासं)। सिंधी कैंप थाना पुलिस ने ऑनलाइन कैमरे किराये पर लेने के नाम पर ठगी करने वाले एक शातिर बदमाश को गिरफ्तार किया है। जिसके पास से पुलिस ने 9 लाख रुपये कीमत के कैमरे और लैंस बरामद किए है। पुलिस जानकारी में सामने आया कि आरोपी के खिलाफ पूर्व में दिल्ली और आसपास के इलाकों में हत्या, लूट, नकबजनी सहित धोखाधडी के पांच से अधिक आपराधिक मामले दर्ज है। इसके अलावा आरोपित ने जयपुर के जवाहर नगर थाना इलाके में भी इसी प्रकार की धोखाधड़ी है। फिलहाल आरोपी से पूछताछ की जा रही है।

डीसीपी वन्दिता राणा ने बताया कि सिंधी कैंप पुलिस ने ऑनलाइन कैमरे किराये पर लेने के नाम पर ठगी करने वाले शातिर ठग नरेन्द्र कुमार निवासी मदनगिर देओली दक्षिणी दिल्ली को गिरफ्तार कर उसके पास से 9 लाख रुपये के कैमरे और लैंस बरामद किए है। गिरफ्तार आरोपी नरेन्द्र जो कि इस प्रकार की वारदातों का मास्टरमाइंड है, अपने साथी आरोपियों के साथ चोरी के वाहन

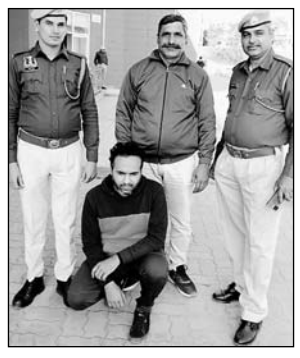

शातिर ठग नरेन्द्र कुमार

- पुलिस ने आरोपी के कब्जे से 9 लाख रु. कीमत के कैमरे और लैंस बरामद किए

व फर्जी मोबाइल सिम कार्ड और फर्जी पहचान पत्रों का उपयोग करते हुए शूटिंग के लिए ऑनलाइन कैमरों की किराये पर बुकिंग करते है तथा किराये पर कैमरों द्वारा शुटिंग के बहाने पार्टी को कैमरे लेकर किसी होटल या रेस्त्रां में बुलाते है। जहां सम्बन्धित व्यक्ति को खाने-नाश्ते के बहाने घुमाने का झांसा देकर मौका मिलते ही लाखों रुपये कीमत के महंगे कैमरे-लैंस लेकर फरार हो जाते है। आरोपित वारदात के दौरान केवल व्हाट्सएप कॉल से अपने साथी से बात करता है तथा वारदात के पश्चात अलग-अलग शहर छोड़कर दिल्ली में पहले से तय स्थान पर मिलते है। आरोपित फर्जी सिम कार्ड व मोबाइल को तोड़कर फेंक देते है तथा कैमरों के फर्जी बिल तैयार कर दूसरे फर्जी मोबाइल नंबरों का प्रयोग करते हुए ओएलएक्स ऐप इत्यादि के माध्यम से ऑनलाइन खरीददारों से संपर्क कर उन्हें महंगी कीमत पर कैमरे बेच देते है। आरोपित पूर्व में दिल्ली में हत्या, लूट का प्रयास, चोरी, नकबजनी व धोखाधडी के कई मामलों में गिरफ्तार होकर लम्बे समय तक तिहाड़ जेल में रहा है। प्रॉपर्टी को लेकर की गई हत्या के एक मामले में वर्ष 2016 में जेल में गया। फिलहाल आरोपी से पूछताछ की जा रही है पूछताछ में और भी कई वारदातें खुलने की आशंका जताई जा रही है।

बस पार्किंग में मिली युवक की लहुलुहान लाश

जयपुर । मालवीय नगर सेक्टर-3 में केडिया टूर एंड ट्रेवल्स की बस पार्किंग में बुधवार को युवक का लहुलुहान शव मिलने से अफरा-तफरी मच गई। घटना की सूचना पाकर मालवीय नगर थाना पुलिस भी मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर मौके से साक्ष्य जुटाए।

पुलिस ने बताया कि मृतक की पहचान बिहार निवासी अक्षय (25) के रूप में हुई है। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि किसी रॉड से उसके सर पर कई वार किए गए, इससे उसकी मौके पर मौत हो गई। बदमाशों ने सड़क किनारे खड़ी बसों के पीछे शव छिपाकर रख दिया। इस संबंध में केडिया टूर एंड ट्रेवल्स के मैनेजर ने शिकायत दी थी। यह शव मालवीय नगर सेक्टर 3 स्थित केडिया टूर एंड ट्रेवल्स के पास पावर हाउस की दीवार पर मिला। पुलिस ने मृतक के परिजनों को सूचना दे दी है, शव को जयपुरिया अस्पताल में रखवाकर सीसीटीवी फुटेज के आधार पर जांच शुरू कर दी है।

दुबई की कंपनी से साढ़े छह करोड़ रुपये की ठगी

जयपुर (कासं)। वैशाली नगर थाने में दुबई के एक व्यापारी ने पिता-पुत्र समेत चार लोगों के खिलाफ साढ़े 6 करोड़ रुपए की ठगी का मामला दर्ज कराया है। कारोबारी महेन्द्र कुमार की दर्ज हुई एफआईआर के अनुसार दिसम्बर में जब वित्तीय वर्ष पूरा हुआ तो कम्पनी के कैश के स्टेटमेंट और लेजर चैक किए तो पता चला कि कम्पनी के खाते से साढे 6 करोड़ रुपए गायब हैं। पीड़ित ने इस सम्बंध में वैशाली नगर थाने में मोहित और उसके पिता जयपाल सहित घनश्याम और रामलाल के खिलाफ ठगी करने का मामला दर्ज कराया है।

पुलिस ने बताया कि कारोबारी महेन्द्र कुमार की रिपोर्ट के अनुसार उसके वॉल सिटी में रहने वाले उसके पुराने परिचित घनश्याम व रामलाल के कहने पर सीकर के एक लड़के मोहित को वर्ष 2019 में दुबई में नौकरी में रखा। इस दौरान मोहित ने दुबई में काम करने के दौरान अपने पिता जयपाल को भी दुबई बुला लिया। दोनों बाप-बेटे ने कम्पनी में अच्छा काम किया। मोहित का काम इतना अच्छा था कि कारोबारी महेन्द्र कुमार ने पूरे साल कैश स्टेटमेंट और लेजर चैक ही नहीं किया करते थे। मोहित ने मन लगाकर काम किया और कारोबारी महेन्द्र कुमार का भरोसा जीत लिया। सेल्स का काम देख रहे मोहित को जल्द ही खुश होकर कारोबारी ने कैश और लेजर के काम पर प्रमोट कर दिया। तीन साल काम करने के बाद मोहित पिछले साल दिसम्बर में अपने पिता के साथ जयपुर आ गया। उसने अपनी दादी की बीमारी का बहाना बनाया। पिता-पुत्र के जयपुर आने के बाद दुबई का वित्तिय वर्ष समाप्त होने पर दिसम्बर महीने के अंत में जब महेन्द्र कुमार ने कैश और लेजर संभाला तो उनके होश उड गए। कारोबारी महेन्द्र कुमार ने बताया कि आरोपियों ने करीब तीन मिलियन दिरहाम जो कि साढ़े 6 करोड़ भारतीय रुपए होते हैं। मोहित के पिता जयपाल से बात की तो पता चला कि मोहित के पास दो करोड़ रुपए बचे हैं। बाकि रकम बिटकॉइन में लगा दी।

राजस्थान यूनिवर्सिटी के 865 कर्मचारियों ने किया कार्य-बहिष्कार

राजस्थान यूनिवर्सिटी में कार्यरत 800 से ज्यादा कर्मचरियों ने बुधवार को कार्य बहिष्कार कर विरोध जताया।

जयपुर (कासं)। राजस्थान यूनिवर्सिटी में ठेका प्रथा बंद कर संविदा नियम के तहत नियुक्ति देने कि मांग को लेकर यूनिवर्सिटी के 800 से ज्यादा कर्मचरियों ने यूनिवर्सिटी प्रशासन के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। संविदा कर्मचारियों ने अपनी 3 सूत्री मांगों को लेकर बुधवार से कार्य बहिष्कार कर दिया है। इसके चलते यूनिवर्सिटी में आने वाले तमाम छात्रों के साथ परमानेंट स्टाफ को खासी परेशानी उठानी पड़ी।

संविदा कर्मचारी संघ के मुताबिक राजस्थान यूनिवर्सिटी के सभी विभागों और संघटक कॉलेजों में वित्त विभाग की ओर से स्वीकृत संविदा पदों पर 865 कर्मचारी काम कर रहे है। इनमें से 80 फीसदी कर्मचारी 10 साल से ज्यादा समय से प्लेसमेंट एजेंसी के जरिए ठेके पर लगे हुए हैं। जिन्हें न्यूनतम वेतन 300 रुपए प्रतिदिन से भी कम मिल रहा है। जिससे घर चलना भी मुश्किल हो गया है। ऐसे में सिंडिकेट की बैठक बुलाकर कर्मचारियों को 600 रुपए प्रतिदिन किया जाए। इसके साथ ही राज्य सरकार के ठेके पर लगे कर्मचारियों को संविदा नियम 2022 में सम्मिलित करें। ताकि सालों से यनिवर्सिटी में नौकरी कर रहे लोगों को जीवन सुरक्षित हो सके। जब तक यूनिवर्सिटी प्रशाशन हमारी इस मांग को पूरा नहीं करेगा हमारा आंदोलन जारी रहेगा। संविदा कर्मचारी संघ के अध्यक्ष ओम सिंह ने बताया कि यूनिवर्सिटी में ठेका प्रथा बंद कर कर्मचारियों को संविदा पर रखा जाए। जिनका प्रति दिन न्यूनतम वेतन 600 रुपए करते हुए महीने में 26 दिन के जगह पर 30-31 दिन काम पर बुलाया जाए। इसके साथ ही कर्मचारियों का दुर्घटना, मृत्यु बीमा भी किया जाए। जब तक हमारी इन मांगों को पूरा नहीं किया जाएगा। हमारा सामूहिक कार्य बहिष्कार और अनिश्चतकालीन धरना जारी रहेगा।

- संविदा नियम में शामिल करने और हर दिन 600 रुपए भुगतान देने की मांग उठाई

ARBiT
it happens here...

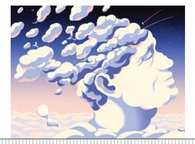

Good Memory Day

The human brain is complex and unique, and the memory continues to be part of the brain that is difficult to understand. Scientists have been studying the brain and memory for many decades, making some progress but still having a long way to go. Good Memory Day was established to encourage people to set aside time to think positive thoughts that are related to events of the past. Whether it's remembering a delightful day or savouring any memory, this is a great day for it!

राष्ट्रदूत
THURSDAY
19 January 2023
A-B

#SWEET-TOOTH

Why Chocolate Feels So Good?

During the moments it is in the mouth, the chocolate sensation arises from the way the chocolate is lubricated, either from ingredients in the chocolate itself or from saliva or a combination of the two.

Scientists have decoded the physical process that takes place in the mouth when a piece of chocolate is eaten, as it changes from a solid into a smooth emulsion that many people find totally irresistible.

By analysing each of the steps, the interdisciplinary research team at the University of Leeds hope it will lead to the development of a new generation of luxury chocolates that will have the same feel and texture but will be healthier to consume.

During the moments it is in the mouth, the chocolate sensation arises from the way the chocolate is lubricated, either from ingredients in the chocolate itself or from saliva or a combination of the two.

Fat plays a key function almost immediately when a piece of chocolate is in contact with the tongue. After that,

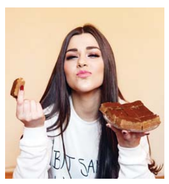

solid cocoa particles are released and they become important in terms of the tactile sensation, so fat deeper inside the chocolate plays a rather limited role and could be reduced without having an impact on the feel or sensation of chocolate.

Anwesha Sarkar, Professor of Colloids and Surfaces in the School of Food Science and Nutrition at Leeds, said: "Lubrication science gives mechanistic insights into how food actually feels in the mouth. You can use that knowledge to design food with better taste, texture or health benefits.

"If a chocolate has 5% fat or 50% fat it will still form droplets in the mouth and that gives you the chocolate sensation. However, it is the location of the fat in the make-up of the chocolate which matters in each stage of lubrication, and that has been rarely researched.

"We are showing that the fat layer needs to be on the outer layer of the chocolate, this matters the most, followed by effective coating of the cocoa particles by fat, these help to make chocolate feel so good."

The study – published in the scientific journal ACS Applied Materials and Interface - did not investigate the question of how chocolate tastes. Instead, the investigation focused on its feel and texture.

Tests were conducted using a luxury brand of dark chocolate on an artificial 3D tongue-like surface that was designed at the University of Leeds. The researchers used analytical techniques from a field of engineering called tribology to conduct the study, which included in situ imaging.

Tribology is about how surfaces and fluids interact, the levels of friction between them and the role of lubrication: in this case, saliva or liquids from the chocolate. Those mechanisms are all happening in the mouth when chocolate is eaten.

When chocolate is in contact with the tongue, it releases a fatty film that coats the tongue and other surfaces in the mouth. It is this fatty film that makes the chocolate feel smooth throughout the entire time it is in the mouth.

Dr SiavashSoltanahmadi, from the School of Food Science and Nutrition at Leeds and the lead researcher in the study, said: "With the understanding of the physical mechanisms that happen as people eat chocolate, we believe that a next generation of chocolate can be developed that offers the feel and sensation of high-fat chocolate yet is a healthier choice.

"Our research opens the possibility that manufacturers can intelligently design dark chocolate to reduce the overall fat content.

"We believe dark chocolate can be produced in a gradient-layered architecture with fat covering the surface of chocolates and particles to offer the sought after self-indulging experience without adding too much fat inside the body of the chocolate."

Revenue from chocolate sales in the UK is forecast to grow over the next five years, according to research from the business intelligence agency MINTEL. Sales are expected to grow 13% between 2022 and 2027 to reach £6.6 billion.

The researchers believe the physical techniques used in the study could be applied to the investigation of other foodstuffs that undergo a phase change, where a substance is transformed from a solid to a liquid, such as ice-cream, margarine or cheese.

This project received funding from the European Research Council under the European Union's Horizon 2020 research and innovation programme.

The prices vary according to proximity to bigger cities. The maximum numbers of paid old age homes are in Kerala. Not a single old age home is similar to the next one. Some of them are hovels where people are provided rudimentary material and are expected to make do till death prevails. These are the ones I call the railway platform homes. One waits for the 'train of the final journey'. It is not always a matter of finances. Some very expensive places which seem to provide all necessary amenities do not give the emotional support that is essential for a pleasant survival.

The ideal old age home is a myth

Dr Goutam Sen
CTVS Surgeon
Traveller
Story teller

#ELDER-CARE

A few days ago I saw a video in one of the groups in WhatsApp telling a tale of an abandoned old man. This young couple had gone to have a darshan of the Siddhi Vinayak when they noticed him wandering around as if he was looking for someone. They stopped him and asked what the matter was. The old man was looking for his family. He had come with his daughter and son in law. They had asked him to sign some sort of a legal document and then sat him at a nearby Dhaba for a meal. They had left him there assuring him that they would be back soon. That was twelve hours ago. The young couple brought the old man home. They realised soon that it would be impossible to keep the old man with them. They lacked space and the wherewithal to support him. So they created a video and put it on the social media appealing to his family as well as others to help the old man. This is quite a common story and each of us has faced a similar situation at least once in our lives.

Destitute Relative

I remember Ramu Kaka. I was about seven years old. A grey bearded gentleman in very crumpled clothes turned up at our door. He asked for my father. Both my parents went to the door to meet the old man. The moment they saw him they exchanged anxious looks. He was invited in and given a meal. He cleansed himself and put on some hand me downs of my father. Later after some discussion Ramu kaka was moved to a Dharmashala. He was given a thick blanket and some warm clothes. I am not sure but he was probably given some money too. My mother remained anxious for a couple of days. She would look furtively whenever the call bell rang. Had Ramu kaka come back again?

It was much later I realised that this was a destitute relative who foisted himself from time to time on some relative or other.

We, the classmates from medical college, are all octogenarians now. We have led successful lives and now reached a stage where our responsibilities are gradually becoming less and we are on the other hand a 'burden' to our offsprings. All of us are fortunate that youngsters have easily and smoothly taken over the mantle of 'burden' without any complaint or even unwillingness. In the last two years of Covid oppression the added work due to our incarceration in our homes has created more mundane jobs for them. Basic shopping for provisions and other daily needs have been smilingly completed. Our spouses of more than fifty years have become more loving and caring after exhausting their energies in the disagreements of the past years. Whenever we friends gather together after the first few minutes of catching up there are only two topics that inevitably come up- the health bulletin and the future if we become decrepit or still worse are single. The topic of conversation therefore often veers to how to manage our dotage without adding to workload of the younger generation.

One friend laconically said that we should all go for Vanaprastha. Leave our homes and go and live in a one room thatched hut by the riverside. Sounds idyllic! How does one cope with creaking knees and backs that do not bend? Failing vision, even poorer digestion and a weak plumbing which makes you head for the nearest washroom every half-hour does not help! Of course, one cannot talk about basic requirements like electricity, gas, mobility and mobiles in our jungle hut. Is this what we need in last few years of survival? All this for salvation!

Most of us pragmatics seek more comfortable alternatives. We continue to stay in our homes and selfishly expect the youngsters to cope with us. Unfortunately this does not happen with all. Relationships deteriorate. Alternatives have to be sought. A separate establishment in a nearby house or flat is one option. The next generation is available and does the needful and yet the friction of day to day interaction is eliminated. However this too has its pitfalls. With limited and fixed incomes the cost of living has gone up. Daily help and caretakers are hard to find and costly too. There is an inherent risk if it is a live-in retainer. Instances of murder and looting old people are reported in the newspapers quite frequently. Loneliness and depression are added factors when one of the partners dies. Living alone requires great mental strength and physical determination. Day to day tasks gradually take more time and energy which most of us sorely lack.

Old Age Homes

In the west, older people living with adult children is rare. The only alternative that remains is to go and live in old age homes. Leaving emotions apart this is considered a practical and optimal solution. It may not be moving from one home to another but it is at least a room with creature comforts. The rooms may have TV and Internet. Regular meals and activities are hopefully a constant. Help on call and new people to interact with are an added comfort. On paper all this looks perfect.

As per the website dadadadi.org there are 728 old age homes as of July 2020 in India. Information about 547 is available. 325 homes are free of cost while 95 are on pay and stay basis. The information about the rest is scanty. The cost ranges from 23 lakhs for a one bedroom unit to 58 lakhs for a three bedroom unit. The prices vary according to proximity to bigger cities. The maximum numbers of paid old age homes are in Kerala. Not a single old age home is similar to the next one. Some of them are hovels where people are provided rudimentary material and are expected to make do till death prevails. These are the ones I call the railway platform homes. One waits for the 'train of the final journey'.

> Failing vision, even poorer digestion and a weak plumbing which makes you head for the nearest washroom every half-hour does not help! Of course, one cannot talk about basic requirements like electricity, gas, mobility and mobiles in our jungle hut. Is this what we need in last few years of survival? All this for salvation!

> These businesses like old age homes are charging the old people large sums of money. Initially it all seems first rate but after some time this too becomes regimented. Individual preferences are either ignored or rejected. There are some institutions that have been found deficient in their services and promises.

It is not always a matter of finances. Some very expensive places which seem to provide all necessary amenities do not give the emotional support that is essential for a pleasant survival.

In India the situation is more dire. Old peoples home are either for charity or for business. The charitable homes far outnumber the other variety. They are usually created by some business tycoon to show to the world how caring and philanthropic they are. The short coming is that meagre finances always make the organisers cut corners. A crowded dormitory instead of a single room is the norm. Possessions are discouraged as they increase clutter. A single suitcase of clothing, a family photo and a small memento are all that may be permitted. A sort of community living is expected with specific hours of rising and complying with a schedule of regular eating, exercising and sitting together. It is encouraged more for easy management rather than the need of the inmates. It is much easier to keep an eye on all if they are in one room. These institutions are always on the lookout for funds. Just the other day the star duo of Sonu Nigam and Shaan participated in Kaun Banega Crorepati to donate funds to such a charitable old age home.

Nothing is Perfect

These businesses like old age homes are charging the old people large sums of money. Initially it all seems first rate but after some time this too becomes regimented. Individual preferences are either ignored or rejected. There are some institutions that have been found deficient in their services and promises. Evidently there is no ideal situation for old people.

I am aware of some religious institutions who have permitted older age people to construct small homes within the premises with a condition that after the death of the incumbent the house is passed on to the institution. These homes are then rented out to other people on nominal charges. Nothing is perfect.

Old people who have sufficient assets tend to stay in their residences despite inconveniences. Recently some enterprising people have seen this as an opportunity to provide care and assistance on charge. They provide weekly medical check-up at home and escorts to hospitals as and when required. A twice weekly driver is provided after paying a specific fee. Even domestic staff and caretakers are selected and send to help out at additional cost. Often two live-in people are needed to take care of just one old person. The emphasis is that you are being given care in your own home. The rules of living are your own to make. On paper it seems a very sensible proposition but often there are glitches. The caretaker maybe too casual. The driver may not be available at the time and day of your choosing. This kind of set up is only possible for the moneyed people.

So what is the best way to live in our last days? My submission is that nothing is perfect. But reasonable comfort levels can be achieved only if we maintain good health and are able to be on our feet. Once a person is bedridden it is all a downhill journey at the mercy of caretakers for the rest of life.

writetoarbit@rashtradoot.com

#SPOOKY

Horror Movie Turn Fear Into Fun

Horror film is particularly suited to generating curiosity and a sense of discovery because it usually involves the existence of a "monster"

There's a lot of thought behind a good scare in our favourite horror movies, according to film expert Jason Middleton.

A scholar and experimental filmmaker, Middleton is an associate professor of English and the director of the film and media studies program at the University of Rochester. He studies both documentary and horror films. Middleton is also a featured expert in the new AMC documentary Eli Roth's History of Horror, a seven-part series that also includes commentary by such luminaries of the genre as Stephen King, Jamie Lee Curtis, and Jordan Peele.

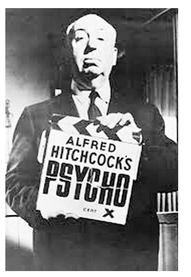

Here, Middleton explains what makes horror movies work on us and what makes them so satisfying.

Q. How do horror movies make fear fun?

A. It's been called the paradox of horror-people seek out, for the sake of pleasure, an experience which they'd do everything they could to avoid in real life.

Horror is a particularly apt genre for generating the forms of curiosity and discovery that are part of narrative pleasure in general-but horror does it in very distinctive ways. Most forms of narrative pose questions that a viewer or reader wants to know the answers to. Something happens, and you wonder what the effect will be-or you see the effect and wonder what caused it. Suspense and detective genres certainly do this, and there are a lot of overlaps between suspense thrillers and horror films.

But horror film is particularly suited to generating curiosity and a sense of discovery because it usually involves the existence of a "monster"-some kind of being or supernatural element that defies our understanding of the world. We spend the first part of these films seeking to understand the nature of the threat. Our curiosity isn't only about what's happening, but also about what this thing is, how it works, and where it came from.

Once the nature of the monster has been determined, the second set of questions has to do with how the monster will be defeated. And there's a whole new form of curiosity that goes along with that.

Q. What are the roots of horror films?

A. The modern horror film is often traced back to Alfred Hitchcock's Psycho. Psycho and many of the horror films that followed are specifically designed to offer audiences a collective experience of terror and pleasure.

In many ways, it goes back to the way films were designed to be experienced before cinema was primarily a narrative-based form. In their first decade or so, films were much more about showing off the capacities of the new technology, thrilling audiences with such visual spectacles as mounting the camera on the roof of a train going through a winding mountain pass. Films were often about things that encouraged visceral astonishment and excitement.

Q. How did Psycho change the movies?

A. Earlier in the 20th century-when films were shown in double features with cartoons or newsreels preceding them-it was common for people to walk into theatres during the middle of movies. They came in when it was convenient for them and stayed until the screening was back to the point when they'd arrived.

But Hitchcock was adamant that nobody would be admitted to Psycho after the start time. It was key to him that the audiences see Psycho from the beginning so that the violent murder that occurs halfway through the movie would have the impact he meant it to have.

It's almost like a contract between the director and the viewer. You agree to his terms: show up for the movie on time and be ready to be scared. And he delivers the goods in exchange for that. If you do what you're supposed to do, you get this new form of group experience, an entertaining kind of collective fear and terror.

Q. So how do horror movies work?

A. The narrative structure emulates the collective experience of a roller coaster-the long, steady build-up of the story is like the climb up the hill by the roller coaster, and then a sudden, shocking drop off the precipice.

Many horror films follow that structure, and in the shocking moments, the whole theatre can collectively scream, grab hold of each other, and then laugh and re-enter the story for a while. It's a kind of plotting that emulates the repeated build and release that you get with amusement park rides.

Horror films also reveal a lot about the particular political and social anxieties of a given era. Different versions of monstrosity and threat resonate profoundly in different historical moments.

Q. What's something most people don't realize about horror movies?

A. Through various cinematic devices, many films encourage audiences to identify with one main character-usually a white male protagonist. But in horror films, viewer identification tends to be more interesting.

When John Carpenter's Halloweencame out, many critics says it played into misogyny and sadism.

THE WALL

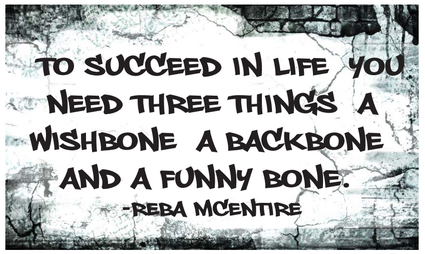

BABY BLUES

By Rick Kirkman & Jerry Scott

ZITS

By Jerry Scott & Jim Borgman

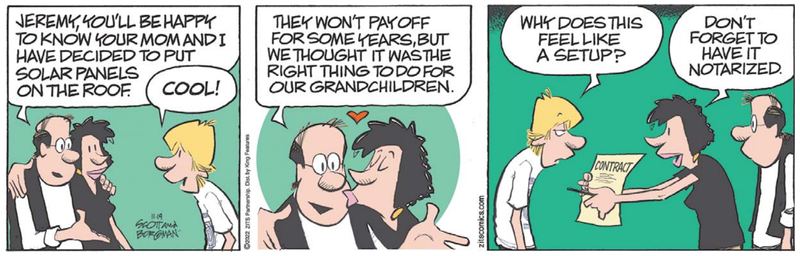

बस और डंपर की टक्कर से दो दर्जन से अधिक विद्यार्थी घायल

सात विद्यार्थियों को गंभीर स्थिति के चलते जिला चिकित्सालय रैफर किया

नदबई, (निस)। कस्बे में नगर रोड स्थित बाईपास पर भीषण सड़क हादसा हो गया। जब सुबह करीब 8.30 पर निजी विद्यालय के विद्यार्थियों को ले जा रही बाल-वाहिनी गिट्टी से भरे डम्पर से टकरा गई। हादसे में बस चालक सहित दो दर्जन से अधिक विद्यार्थी घायल हो गए। घायलों को नदबई कस्बे की सीएचसी पर भर्ती कराया। बाद में 7 विद्यार्थियों को गंभीर स्थिति के चलते जिला चिकित्सालय रैफर कर दिया गया।

हादसे में घायल बच्चों को अस्पताल में भर्ती करा उपचार शुरू किया।

विभागीय सूत्रों के अनुसार बाल वाहिनी चालक कस्बे के निजी विद्यालय की बस में अलग-अलग गांवों से विद्यार्थियों को लेकर स्कूल आ रहा था। इसी दौरान बाईपास के समीप गिट्टी से भरे डम्पर से बाल वाहिनी की भिड़न्त हो गई। हादसा इतना भयंकर हुआ कि बाल वाहिनी बस के सामने का हिस्सा पूरी तरह से चूकनाचूर हो गया। साथ ही बस में सवार बच्चों की चीख पुकार शुरु हो गई।

शोर मचता देख समीपवर्ती लोगों ने मशक्कत कर अलग-अलग वाहनों से घायलों को सीएचसी पर भर्ती कराया। जहां से करीब 7 विद्यार्थियों को गंभीर स्थिति में जिला चिकित्सालय रैफर कर दिया गया। उधर, दो दर्जन से अधिक विद्यार्थियों के घायल होने की सूचना पर सीएचसी परिसर में लोगों की भीड़ एकत्रित हो गई। सूचना पर एसडीएम सिद्धार्थ पलानीचामी ने मौके पर पहुंच घायल विद्यार्थियों की कुशलक्षेम ली। साथ ही सीएचसी पर घायल विद्यार्थियों का उचित उपचार के निर्देश दिए। हादसे में चालक सहित लालपुर निवासी छवि पुत्री राजेश व सुहानी पुत्री देशराज,अग्निपुरा निवासी अंजलि पुत्री भरतराम, अनूप पुत्र भरतराम, राघव पुत्र जयसिंह, हेमंत पुत्र काशी, विशाल पुत्र काशी, अमन पुत्र भरतराज, आंकाक्षा पुत्री बृजेन्द्र, अनूप पुत्र बृजेन्द्र, वीनेश पुत्र दुर्गेश, करीली नितिन पुत्र बबलू, ऊँच निवासी मनोज पुत्र महावीर, रौनीजा निवासी छवि पुत्री दिग्विजय सिंह, विशाल पुत्र महावीर करीली, राघव पुत्र जयसिंह, उमेश पुत्र देशराज, अनूप पुत्र वीरेन्द्र, शकुन्तला पुत्री प्रेमसिंह, हेमंत पुत्र काशी, छवि पुत्री दिग्विजय सिंह, जयसिंह पुत्र कौशलेन्द्र, विशाल पुत्र महेन्द्र, ग्यानेन्द्री पुत्री धर्मसिंह सहित अन्य विद्यार्थी घायल हो गये।

- सूचना पर एसडीएम ने मौके पर पहुंच घायल विद्यार्थियों की कुशलक्षेम ली

राजसमंद में कड़ाके की ठंड जारी, तापमान 2 डिग्री

दिनभर गलन से रहे परेशान, कल से राहत की उम्मीद

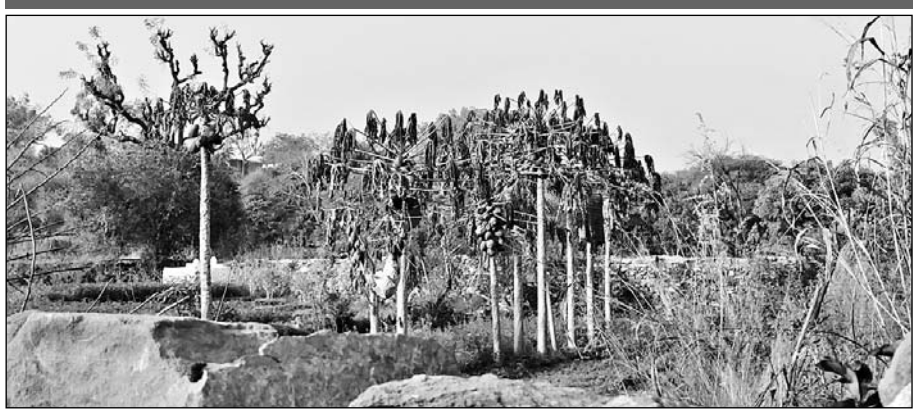

राजसमंद के डीप्टी गांव में लगातार तेज पड़ रही सर्दी के बाद पाले से खराब हुई पपीता की फसल।

राजसमंद, (निसं)। कड़ाके की सर्दी होने से शहरवासी दिनभर धूप सेंकते रहे। धूप से हटने का मन नहीं कर रहा था। धूप तीखी होने के बावजूद तेज हवा के झौंके शरीर में सिहरन पैदा कर रहे थे। शाम ढलने के बाद पारा तेजी से नीचे आने से जल्द ही सड़कों पर सन्नाटा पसरने लगा। शहर में जिला कलेक्ट्रेट रोड रात नौ बजे के बाद सूनी सी हो गई। मुख्य मार्गों पर भी रात होते ही आवाजाही बहुत कम हो गई। सुबह लोगों की दिनचर्या दिन चढने के बाद ही आरम्भ हुई। व्यापारिक प्रतिष्ठान भी देरी से खुले।

लोगों ने सर्दी से बचने की जुगत में भारी भरकम ऊनी लबादों का सहारा लिया। शहरवासियों ने सुबह सड़कों व बाजारों में चहलकदमी करते हुए जगह-जगह अलाव तापकर सर्दी से बचने का जतन किया। शहर के नौचौकी, जेके गार्डन, एरीगेशन की पाल में निरंतर चल रही शीतलहर के बीच सैर-सपाटे को आए शहरवासियों ने दिन के समय भी गर्म कपडों के सहारे वॉकिंग व कसरत किए। लोग घरों की छतों, सडकों के किनारें धूप का सेवन करते देखे गए।

जिले में कडाके की सर्दी का जोर जारी है। हालांकि गत चार दिनों के मुकाबले बुधवार को तापमान में इजाफा हुआ। शहर में बुधवार को अधिकतम तापमान एक डिग्री की बढत के साथ 21 डिग्री सेल्सीयस तथा न्यूनतम तापमान में ढेड डिग्री की कमी के साथ 2 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। इससे दो दिन पूर्व रात का पारा माईनस 0.5 डिग्री था। शहर में सुबह दस बजे तक सर्दी का जोर था। सूर्यदेव के दर्शन देने के बाद लोगों को कुछ राहत मिली। मौसम विभाग के अनुसार वैसे तो तापमान में बढोतरी बुधवार से ही शुरू हो गई है, लेकिन शीतलहर व पाले से राहत गुरुवार से मिलने की संभावना है। आगामी दिनों में दो बैक टू बैक पश्चिमी विक्षोभ के प्रभाव से राज्य में मौसम में बदलाव होने व न्यूनतम तापमान में बढोतरी होने की संभावना है। पहला पश्चिमी विक्षोभ 20-21 जनवरी को प्रभावी होगा।

बीकानेर में न्यूनतम तापमान 7.2 डिग्री सेल्सियस पहुंचा

बीकानेर, (कासं)। तापमान में बढ़ोतरी से राहत मिली है लेकिन रात में बीकानेर की सड़कें सूनी ही नजर आ रही है। बीकानेर में तापमान में बढ़ोतरी के साथ ही सर्दी पूरी तरह गायब हो गई है। न्यूनतम तापमान ही 7.2 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया है। जबकि अधिकतम तापमान 22.5 डिग्री सेल्सियस तक आ गया है। मौसम विभाग की भविष्यवाणी के मुताबिक अब अगले पांच दिन बीकानेर में कड़ाके की सर्दी जैसे हालात नहीं होंगे। दरअसल विभाग ने कोई चेतावनी बीकानेर के लिए नहीं दी है।

पिछले दिनों 15 जनवरी से बीकानेर में तापमान शून्य डिग्री सेल्सियस पर था लेकिन अब इसमें सात डिग्री सेल्सियस की बढ़ोतरी हो गई है। तापमान में कमी आने के साथ ही अब स्कूलों का समय भी पूर्व की तरह हो गया है। हालांकि अधिकांश प्राइवेट स्कूल्स ने अपने समय में परिवर्तन नहीं किया है। अधिकांश प्राइवेट स्कूल सुबह नौ बजे से तीन बजे या फिर चार बजे से तीन बजे के बीच ही संचालित हो रहे हैं। सर्दी से पूरी तरह निजात मिलने के बाद ही अब प्राइवेट स्कूल्स में समय में बदलाव हो सकता है। बीकानेर में भले ही सर्दी कम हो गई लेकिन निकटवर्ती जिले चूरू में पारा अब भी माइनस से ऊपर नहीं आ पाया। चूरू में पिछली रात तापमान माइनस 1.2 डिग्री सेल्सियस था।

नकदी चुराने वाला गिरफ्तार

उदयपुर, (कासं)। सराड़ा थाना पुलिस ने मंदिर के दानपात्र का ताला तोड़ कर नकदी चोरी करने वाले को गिरफ्तार किया। प्रकरण के अनुसार फुलशंकर निवासी नठाराफला सराडा ने एक लिखित रिपोर्ट पेश की कि मैं, भीमा, सोहन व गणेश हम चारों मन्दिर पर दर्शन करने गये। जहाँ मन्दिर परिसर में पहुंचे कि इतने में एक लड़का मन्दिर से निकलकर भागा जो हमारे गाँव का रहने वाला है तथा उसका नाम नरेन्द्र है। मंदिर में देखा तो दानपेटी टुटी हुई थी तथा नकदी गायब थी। सराडा थानाधिकारी ने नरेन्द्रसिंह को गिरफ्तार किया।

हाईकोर्ट ने टोंक कलेक्टर और एस.डी.एम. को नोटिस जारी किया

मालपुरा, (निसं)। राजस्थान हाईकोर्ट ने बुधवार को अदालती आदेशों के बावजूद चांदसेन ग्राम पंचायत के चरागाह से अतिक्रमण नहीं हटाये जाने से जुड़े मामले में टोंक जिला कलेक्टर चिन्मयी गोपाल व मालपुरा एसडीएम रामकुमार वर्मा को अवमानना नोटिस जारी कर एक सप्ताह में जवाब मांगा है।

वरिष्ठ न्यायधीश एम.एम. श्रीवास्तव व न्यायधीश गणेशराम मीणा की खण्डपीठ ने यह आदेश चांदसेन निवासी कन्हैयालाल व लालूराम कुमावत द्वारा एडवोकेट लक्ष्मीकांत शर्मा मालपुरा के जरिए दायर की गई संयुक्त अवमानना याचिका पर प्रारम्भिक सुनवाई करते हुए दिये।

अवमानना याचिका में बताया गया कि चांदसेन ग्राम पंचायत की चरागाह भूमि पर गांव के ही प्रभावशाली लोग अतिक्रमण कर कच्चे-पक्के निर्माण कर खेती कर रहे हैं। ग्रामीणों ने स्थानीय अधिकारियों को कई बार प्रार्थना पत्र दे

- चांदसेन ग्राम पंचायत के चरागाह से अतिक्रमण नहीं हटाये जाने से जुड़ा मामला

अतिक्रमण हटाने की गुहार लगाई लेकिन प्रभावशाली लोगों के चलते प्रशासन द्वारा कोई कार्यवाही नहीं की गई। जिस पर ग्रामीणों ने गतवर्ष हाईकोर्ट में जनहित याचिका दायर कर अतिक्रमण हटाने की गुहार की गई थी। जिस पर अदालत ने 14 सितम्बर 2022 को टोंक कलेक्टर व अन्य को दो माह में अतिक्रमण हटाने के आदेश दिये थे लेकिन अधिकारियों द्वारा अतिक्रमण नहीं हटाये गये। जिस पर हाईकोर्ट ने अवमानना याचिका दायर की गई। बुधवार को दायर याचिका सुनवाई करते हुए हाईकोर्ट ने नोटिस जारी कर एक सप्ताह में जवाब मांगा है।

मृतक के परिजनों को मुआवजे को लेकर बनी सहमति

करौली, (निसं)। करौली जिले के सपोटरा कस्बे में नाली खुदाई के दौरान 41 फीट ऊंचा शिव मंदिर गिरने का मामला में दिया जा रहा धरना बुधवार को देर शाम राजनेताओं व प्रशासन की हुई वार्ता के समाप्त हो गया।

सपोटरा कस्बे में शिव मंदिर गिरने के बाद महिला की हुई मौत पर लोगों ने प्रशासन पर अनदेखी करने और लापरवाही करने का आरोप लगाया है। लोगों ने ठेकेदार पर जानबूझकर मंदिर गिराने का आरोप लगाया और मामले में दोषियों की गिरफ्तारी की मांग के साथ ही मृतका के परिवार के सदस्य को सरकारी नौकरी, मृतक के परिवार को 50 लाख रुपए और घायलों को 20-20 लाख रुपए का मुआवजा एवं टूटे मंदिर का पुनर्निर्माण और शिव परिवार की प्राण प्रतिष्ठा के साथ-साथ लाठीचार्ज के दोषी पुलिसकर्मियों पर कार्यवाही की मांग की जा रही है। घटना के दूसरे दिन बुधवार को अग्रवाल समाज के जिला अध्यक्ष मूलचन्द गुप्ता सहित भाजपा जिला अध्यक्ष बृजलाल डिकोलिया के अलावा सर्व समाज के लोग और भाजपा के कार्यकर्ता मृतक परिवार के घर के बाहर शव रखकर धरने पर बैठ गए।

सपोटरा में चल रहे धरने के दौरान राज सभा सांसद डॉ. किरोडी लाल मीणा (बीच में) उपस्थित रहे।

इस दौरान अतिरिक्त जिला कलेक्टर मुरलीधर प्रतिहार, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक सुरेश जैफ, करौली पुलिस उपाधीक्षक दीपक गर्ग सहित पुलिस और प्रशासन के अधिकारी धरना स्थल पर पहुंचे जहां उन्होंने लोगों के द्वारा की जा रही मांगों को लेकर चर्चा करते हुए कुछ मांगों को राज्य सरकार के स्तर की बताते हुए कहा कि सरकार को अवगत करा देंगे इस पर धरना देकर बैठे लोग मौके पर ही मांगों के निराकरण पर अड़े रहे जिसको देखते हुए वार्ता विफल हो गई। दोपहर बाद राज्यसभा सांसद डॉ किरोड़ी लाल मीणा अपने समर्थकों के साथ सपोटरा पहुंचे जहां उन्होंने मृतक परिवार के सदस्यों को ढांढस बांधते हुए धरने पर बैठ गए इस दौरान 10 सदस्यीय प्रतिनिधि मंडल की पुलिस और प्रशासन के अधिकारियों से वार्ता हुई इस दौरान तय हुआ कि मृतक के बच्चे को संविदा पर नौकरी दी जायेगी एवं 10 लाख रुपये राज्य सरकार की ओर से एवं 11 लाख रुपये करौली जिला भाजपा की ओर से आर्थिक सहायता के रूप में दिये जायेंगे। इस दौरान डॉ. किरोडी लाल मीणा ने कहा कि समाज के लोग अगर इसे मंजूर करते है तो ठीक है नहीं तो हम जिले भर के भाजपा कार्यकर्ता के साथ धरने पर बैठे रहेंगे।

ज्ञात रहे कि गत दिन मंगलवार को सपोटरा कस्बे में जेसीबी की टक्कर से एक शिव मंदिर गिर गया था हादसे के दौरान मंदिर में पूजा कर रही दो महिलाएं और एक पुरुष मलबे में दब गए मौके पर मौजूद लोगों ने महिलाओं को बाहर निकाला और अस्पताल में भर्ती कराया दोनों महिलाओं की हालत गंभीर होने पर उन्हें जयपुर रैफर कर दिया। इस दौरान जयपुर ले जाते समय रास्ते में एक महिला ने दम तोड़ दिया था।

- सपोटरा में मुआवजे को लेकर दिया जा रहा धरना समाप्त

दुष्कर्म करने वाले दो गिरफ्तार

उदयपुर, (कासं)। शहर के प्रतापनगर थाना पुलिस ने युवती के साथ दुष्कर्म करने वाले आरोपियों को गिरफ्तार किया। प्रतापनगर थानाधिकारी दर्शनसिंह ने गत दिनों युवती के साथ दुष्कर्म करने के मामले में आरोपी किशनलाल उर्फ विक्की पुत्र रूपाराम रेगर तथा उसके साथी पंकज कुमार पुत्र सोहनलाल खोईवाली खटीक को गिरफ्तार किया। प्रकरण के अनुसार पीडिता ने आरोपी वीकी मोगिया तथा उसके मित्र सावलियाजी चिकित्सालय में कार्यरत पंकज खटीक के खिलाफ प्रकरण दर्ज करवाया कि एक वर्ष पूर्व आरोपी वीकी मुझे अपने साथ स्कूटी पर बिठा कर सूरजपोल स्थित होटल में ले गया। जहां उसने पानी पिलाया। कुछ समय बाद अचेत होने पर आरोपी ने मेरे साथ दुष्कर्म किया तथा फोटों खीच लिए। होश में आने पर इसका पता चला। एतराज किया तो आरोपी ने ब्लेकमेल करना शुरू कर दिया। इस पर आरोपी के मित्र पंकज खटीक ने भी मार्च 2022 में मेरे साथ दुष्कर्म किया।

दुष्कर्म के आरोपी को आजीवन कारावास की सजा सुनाई

भीलवाड़ा, (निसं)। शहर में पिछले साल 20 फरवरी को 3 साल की मासूम का रेप करने वाले आरोपी को विशिष्ट न्यायाधीश संख्या एक (पॉक्सो कोर्ट) देवेंद्र नागर ने आजीवन कैद की सजा सुनाई है। आरोपी पर 20 हजार रुपए का जुर्माना भी लगाया है।

विशिष्ट लोक अभियोजक हर्ष रांका ने बताया कि पिछले साल 20 फरवरी को शहर के एक थाना क्षेत्र में किराए के कमरे में रहने वाली 3 साल की मासूम के साथ उसके ही पड़ोस में किराए पर रहने वाले परबतसर निवासी हनुमान उर्फ बापू (39) ने रेप किया था। मोहल्ले के लोगों ने उसे पकड़कर धुनाई कर दी थी। पुलिस ने मासूम व घायल आरोपी को एमजी हॉस्पिटल में भर्ती करवाया, उसके बाद आरोपी को गिरफ्तार कर लिया था। 3 साल की मासूम के साथ रेप के मामले में फैसला सुनाते हुए जज देवेंद्र सिंह नागर ने कहा कि समाज में रेप संबंधी अपराधों की संख्या लगातार बढ़ती जा रही है। इससे आज भारतीय समाज में महिलाओं व बालिकाओं की अस्मत की सुरक्षा पर गंभीर संकट हो गया है। ऐसी स्थिति में नाबालिग पीड़िता के साथ रेप का अपराध गंभीर है। इसे समाज की अंतर चेतना व सामाजिक शांति पर प्रतिकूल प्रभाव होता है। तत्कालीन थाना प्रभारी सुरजीत सिंह ने चार्जशीट पेश करने के साथ साथ पिछले 11 महीने में आरोपी के खिलाफ 40 गवाह और 44 दस्तावेज पेश किए। उन्हीं को आधार मानते हुए कोर्ट ने 3 साल की मासूम का रेप करने वाले आरोपी को आजीवन कारावास की सजा सुनाई और आरोपी पर 20 हजार रुपए का जुर्माना भी लगाया है।

- आरोपी पर 20 हजार का जुर्माना भी लगाया

11 ग्राम अवैध मादक पदार्थ एमडी पाउडर के साथ तस्कर गिरफ्तार

अजमेर, (कासं)। जिला पुलिस अधीक्षक के दिशा निर्देशों पर अवैध मादक पदार्थ तस्करी व तस्कारों की धरपकड़ के लिए चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत बुधवार को दरगाह थाना पुलिस ने कार्यवाही करते हुए 11 ग्राम अवैध मादक पदार्थ एमडी पाउडर के साथ तस्कर को गिरफ्तार किया है।

पुलिस ने आरोपी के कब्जे से 11 ग्राम एमडी पाउडर व दो माबाइल जप्त किए हैं। पुलिस ने एनडीपीएस एक्ट में मामला दर्ज कर जांच गंज थाना प्रभारी धर्मवीर सिंह को सौंपी है। इसी प्रकार रूपनगढ़ थाना पुलिस ने नाकेबंदी कर कार्रवाई करते हुए सवा किलो गांजे के साथ तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया और मोटरसाइकिल व गांजा जब्त कर लिया। पुलिस आरोपियों से मादक पदार्थ गांजा कहां से लाना और कहां सप्लाई करना था इसकी जांच में जुटी है। मामले की जांच बोराड़ा थाना प्रभारी को सौंपी गई है।

दरगाह थाना प्रभारी अमर सिंह भाटी ने बताया कि एसपी चूनाराम जाट के दिशा निर्देशों पर चलाए जा रहे अवैध मादक पदार्थ तस्करी व तस्कारों के खिलाफ अभियान के तहत दरगाह थाने का गश्ती दल गश्त करता हुआ करीब ढ ाई बजे धानमंडी से लाखन कोटडी जाने वाले रास्ते पर पहुंचा तो एक संदिग्ध व्यक्ति सामने से आता हुआ दिखाई दिया, जो पुलिस को देखकर अचानक से तेज कदमों से जाने लगा, जिस पर पुलिस को शक होने पर उसका पीछा किया और उसको रोका और नाम पता पूछा, जिस पर उसने अपना हाशमी मंजिल हाशमी चौक दरगाह निवासी सैयद तस्बबुर हासमी पुत्र सैयद तकी हासमी बताया,जब उससे छुपने का कारण पूछा तो अलग अलग बातें करना लगा, जिस पर शक होने पर उसकी तलाशी ली गई तो उसके पायजामें की जेब में एक रियलमी कम्पनी का गहरे नीले रंग का मोबाइल फोन व दूसरी जेब में वीवो कम्पनी का मोबाइल फोन के साथ एक सफेद रंग की प्लास्टिक की छोटी पन्नी पाउडर नुमा पदार्थ से भरी मिली, जब उसका खोला तो सफेद रंग का दानेदार व पाउडरनुमा पदार्थ भरा हुआ मिला, जिसके बारे में सैयद तस्बबुर हासमी से पूछा तो घबराकर थैली में एमडी होना बताया। पुलिस ने जब उसे सूंघा तो अनुभव के आधार पर वह अवैध मादक पदार्थ एमडी मेफेड्रोन होना पाया। पुलिस ने जब युवक से एमडी पदार्थ को अपने कब्जे में रखने बाबत लाइसेंन्स व परमिट मांगा तो सैयद तस्बबुर हासमी ने अपने पास कोई लाइसेन्स व परमिट नहीं होना बताया, जिस पर पुलिस ने जप्त अवैध मादक पदार्थ एमडी का वजन कराया तो थैली सहित कुल वजन 11.30 ग्राम हुआ।

पिता ने नाबालिक से दुष्कर्म किया

करौली, (निसं.)। एक कलयुगी पिता ने अपनी ही एक 14 वर्षीय बालिका से कई बार दुष्कर्म किया जिसको लेकर बालिका ने अपने पिता के विरुद्ध महिला थाने पर मामला दर्ज कराया है वहीं बालिका का करौली के अस्पताल में उपचार चल रहा है। घटना मासलपुर थाना क्षेत्र के एक गांव की है, जहां एक 14 वर्षीय बालिका के साथ उसका पिता काफी लंबे समय से दुष्कर्म करता चला आ रहा था। कई बार उसके पिता ने गांव के ही घर में बालिका से दुष्कर्म किया और उसके बाद मेहनत मजदूरी करने के लिए कोयंबटूर चेन्नई चला गया।

इस दौरान वह बालिका को भी साथ ले गया, जहां भी कई बार उसने बालिका से दुष्कर्म किया और मकर संक्रांति के दौरान वह गांव आ गए। बालिका की तबीयत खराब होने पर उसे करौली अस्पताल में भर्ती कराया। जहां बालिका ने अपने ही पिता पर दुष्कर्म करने का आरोप लगाते हुए महिला थाना पुलिस को रिपोर्ट दी। बताया जा रहा है कि नाबालिग बालिका का पिता कोयंबटूर में मार्बल कटिंग का काम करता है।

'आगामी सत्र से नीट परीक्षा से चयनित अभ्यर्थियों को पशु चिकित्सा स्नातक में प्रवेश मिलेगा'

वैटरनैरी विश्वविद्यालय की 28वीं प्रबंध मण्डल की बैठक में निर्णय लिया

बीकानेर, (निसं)। वैटरनैरी विश्वविद्यालय की 28वीं प्रबंध मण्डल की बैठक बुधवार को कुलपति प्रो. सतीश के गर्ग की अध्यक्षता में कुलपति सचिवालय में आयोजित की गई। प्रदेश के वेटरनरी महाविद्यालयों में वेटरनरी स्नातक (पशु चिकित्सा) पाठ्यक्रम के लिए प्रवेश आगामी सत्र से नीट के माध्यम से किये जाएगे इसका निर्णय आज की बैठक में किया गया। पी.जी. एवं पीएच.डी. पाठ्यक्रम में अन्तर्राष्ट्रीय विद्यार्थियों के प्रवेश का भी रास्ता खुला। इसके लिए भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद्, नई दिल्ली को प्रस्ताव प्रस्तुत किया जाएगा।

बैठक में वेटरनरी होम्योपैथिक मेडिसिन के क्षेत्र मे फील्ड पशुचिकित्सकों हेतु प्रशिक्षण एवं सर्टीफिकेट पाठ्यक्रम प्रारम्भ करने की सहमती इस बैठक में व्यक्त कर गई तथा होम्योपैथिक मेडिसिन का पशुचिकित्सा के क्षेत्र में शोध करने हेतु सुझाव दिया गया। प्रबन्ध मण्डल ने विश्वविद्यालय में कैरियर एडवांसमेंट के अन्तर्गत विश्वविद्यालय के चार शिक्षकों की सहायक आचार्य से सह-आचार्य एवं एक को उपपुस्तकालय अध्यक्ष से पुस्तकालय अध्यक्ष के पद पर पदोन्नत करने का अनुमोदन किया गया। प्रबन्ध मण्डल ने सत्र 2022-23 की आर.पी.वी.टी के तहत बी.वी.एस.सी. एण्ड ए.एच. पाठ्यक्रम में भर्ती हेतु पूर्ण प्रक्रिया एवं डेयरी एवं खाद्य प्रौद्योगिकी महाविद्यालय में सत्र 2022-23 प्रथम वर्ष बी.टेक. (डेयरी टेक्नोलॉजी) प्रवेश परीक्षा 'जेट-2022' की पूर्ण प्रक्रिया का अनुमोदन किया। इसके अलावा बैठक में गत अकादमिक परिषद, ऑफिसर काउंसिल एवं वित्तीय समिति एवं प्रबन्ध मण्डल के बैठक के विभिन्न मुद्दों पर चर्चा एवं अनुमोदन किया गया।

वैटरनैरी विवि. की 28वीं प्रबंध मण्डल की बैठक को कुलपति प्रो. सतीश के गर्ग ने सम्बोधित किया।

बैठक में विश्वविद्यालय के सेवानिवृत्त व पेन्शनर शिक्षकों एवं कर्मचारियों के लिए राज्य सरकार की स्वास्थ्य योजना (आर.जी.एच.एस.) की औपचारिकता को पूर्ण कर उसे शीघ्र लागू करने के निर्णय का अनुमोदन भी किया गया। बैठक में कुलसचिव अरूण प्रकाश शर्मा द्वारा बैठक में एजेण्डे प्रस्तुत किए गए तथा प्रबन्ध मंडल के सदस्यों द्वारा विभिन्न एजेन्डों का अनुमोदन किया गया। बैठक में प्रबंध मण्डल के सदस्य प्रो. ए.के. गहलोत (संस्थापक एवं पूर्व कुलपति), प्रो. पी.के. शुक्ला (मथुरा), कृष्णा सोलंकी (जयपुर), पुरखाराम (प्रगतिशील पशुपालक), डॉ. ओम प्रकाश (आर.सी.डी.एफ. प्रतिनिधि), डॉ. विरेन्द्र नेत्रा (संयुक्त निदेशक, पशुपालन विभाग, बीकानेर), डॉ. गीता बेनिवाल (उपनिदेशक पशुपालन), प्रो. ए.पी. सिंह, डॉ. हेमन्त दाधीच एवं वित्त नियन्त्रक बनवारी लाल सर्वा उपस्थित रहे।

मैं कम से कम 10-12 महिला पहलवानों को जानती हूं जिन्होंने मुझे डब्ल्यूएफआई अध्यक्ष से हुए यौन शोषण के बारे में बताया है। उन्होंने मुझे अपनी कहानियां सुनाईं। मैं अभी उनका नाम नहीं ले सकती लेकिन अगर हम देश के प्रधानमंत्री और गृह मंत्री से मिलें तो मैं नामों का खुलासा जरूर कर सकती हूं।'' – विनेश फोगाट

भारतीय पहलवान, डब्लूएफआई अध्यक्ष पर आरोप लगाते हुए।

खेल जगत

आज का खिलाड़ी ▶ **अमित रोहिदास**

अंतरराष्ट्रीय हॉकी महासंघ सुरक्षा मुद्दों के मद्देनजर पेनल्टी कॉर्नर ड्रैग-फ्लिक में नियमों में बदलाव पर विचार कर सकता है, लेकिन भारतीय खिलाड़ी इस दौरान भारतीय टीम में ज्यादातर मौके पर सबसे पहले दौड़ शुरू करने वाले अमित रोहिदास इससे जुड़े जोखिम को लेकर चिंतित नहीं हैं। इस 29 साल के डिफेंडर ने 'कहा, '' मैं भारतीय टीम में सबसे पहले दौड़ने वालों में से एक रहा हूं। टीम जो भी और जब भी चाहे, मैं पहला तेज रनर हो सकता हूं। मुझे कोई समस्या नहीं है।''

क्या आप जानते हैं ?... टेस्ट क्रिकेट में लगातार कैच आउट होने का रिकॉर्ड पाकिस्तान के इमरान खान के नाम है। इमरान अगस्त 1982 से नवंबर 1986 तक लगातार 19 पारियों में कैच आउट हुए।

शुभमन के तूफान के आगे ब्रेसवेल का वस्फिोट बेअसर, भारत 12 रनसे जीता

हैदराबाद 18 जनवरी। पंजाब की सनसनी शुभमन गिल (208) के तूफानी दोहरे शतक की बदौलत भारत ने तीन मैचों की एक दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय श्रृखंला के पहले मुकाबले में बुधवार को न्यूजीलैंड के खिलाफ 12 रन से रोमांचक जीत अर्जित की। राजीव गांधी इंटरनेशनल स्टेडियम पर भारत ने पहले बल्लेबाजी करते हुये निर्धारित 50 ओवर में 349 रनो का चुनौतीपूर्ण लक्ष्य खड़ा किया जिसके जवाब में न्यूजीलैंड की टीम 49.2 ओवर में 337 रन ही बना सकी। न्यूजीलैंड को जीत की ओर ले जाने में मिचेल ब्रेसवेल (140) ने भरपूर प्रयास किया मगर शार्दुल ठाकुर ने अंतिम खिलाड़ी के तौर पर उनको पगबाधा आउट कर मैदान पर मौजूद और टीवी स्क्रीन से चिपके भारतीय टीम के करोड़ों प्रशंसकों को मुस्कराने का मौका दे दिया।

कप्तान रोहित शर्मा के टास जीत कर पहले बल्लेबाजी के फैसले को खरा बताते हुये शुभमन ने न्यूजीलैंड के कम अनुभवी गेंदबाजी आक्रमण की बखिया उधेड़ दी। न्यूजीलैंड के खिलाफ अब तक किसी भी खिलाड़ी द्वारा बनाया गया यह सर्वाधिक निजी स्कोर है। अपने करियर का पहला दोहरा शतक शुभमन ने दो लगातार छक्के लगाकर आक्रमक अंदाज में पूरा किया। अपनी पारी में उन्होने 139.59 के स्ट्राइक रेट से 19 चौके और नौ छक्के जड़े। भारतीय पारी के अंतिम ओवर में हेनरी शिपले की गेंद पर लांग आफ पर खडे फिलिप ने लंबी दौड़ लगा कर उनका शानदार कैच लपका।

शुभमन की धमाकेदार पारी का जवाब देने का जिम्मा न्यूजीलैंड के मध्य क्रम के बल्लेबाज ब्रेसवेल ने उठाया और महज 78 गेंद खेलकर दस छक्कों और 12 चौकों की मदद से 140 रन बनाये और मैच को आखिर तक रोमांच के चरम पर बनाये रखा। ब्रेसवेल के एक दिवसीय करियर का यह दूसरा शतक था। इससे पहले उनका अधिकतम निजी स्कोर 127 नाबाद था। एक समय कीवी टीम के छह विकेट महज 131 रन पर गिर चुके थे और मैच पूरी तरह भारत की गिरफ्त में था मगर ब्रेसवेल ने हरफनमौला मिचेल सेंटनर (57) सातवें विकेट के लिये 162 रन की पार्टनरशिप करके मैच को रोमांचक मोड़ पर लाकर खड़ा कर दिया।

भारतीय कुश्ती महासंघ के विरोध में उतरे पहलवान

नई दिल्ली 18 जनवरी। ओलंपिक पदक विजेता बजरंग पूनिया और साक्षी मलिक समेत कई अन्य दिग्गज पहलवानों ने भारतीय कुश्ती महासंघ के खिलाफ ने अपनी आवाज बुलंद की है। पुनिया समेत कई पहलवानों ने बुधवार को जंतर मंतर पर विरोध प्रदर्शन कर भारतीय जनता पार्टी सांसद बृजभूषण सिंह के नेतृत्व में भारतीय कुश्ती महासंघ के कामकाज के प्रति खिन्नता का इजहार किया। बजरंग ने यहां पत्रकारों से कहा कुश्ती फेडरेशन के अध्यक्ष हमें गालियां देते हैं। उनका रवैया तानाशाही का है। वास्तव में कुश्ती महासंघ में बैठे कुछ लोगों को खेल का ज्ञान नहीं है। पहलवान इस तानाशाही को बर्दाश्त करने के मूड में नहीं है।

इससे पहले उन्होने ट्वीट किया फेडरेशन का काम खिलाड़ियों का साथ देना, उनकी खेल की जरूरतों का ध्यान रखना होता है। कोई समस्या हो तो उसका निदान करना होता है। लेकिन अगर फेडरेशन ही समस्या खड़ी करे तो क्या किया जाए। अब लड़ना पड़ेगा, हम पीछे नहीं हटेंगे। उन्होने कहा खिलाड़ी पूरी मेहनत कर के देश को मेडल दिलाता हैं लेकिन फेडरेशन ने हमें नीचा दिखाने के अलावा कुछ नहीं किया। मनचाहे क़ायदे क़ानून लगा कर खिलाड़ियों को प्रताड़ित किया जा रहा है। बजरंग ने कहा जान से मारने की धमकी मिलने के बाद से हमने किसी से संपर्क नहीं किया। बृजभूषण ने ओलंपिक के बाद मुझसे बात करने से इंकार कर दिया। हम महासंघ में बदलाव चाहते हैं।

खेल मंत्रालय ने भारतीय कुश्ती महासंघ से स्पष्टीकरण तलब किया

नयी दिल्ली, 18 जनवरी। युवा मामले एवं खेल मंत्रालय ने दिग्गज पहलवानों द्वारा भारतीय कुश्ती महासंघ पर लगाये गये आरोपों को संज्ञान में लेते हुए महासंघ से अगले 72 घंटों में स्पष्टीकरण तलब किया है। मंत्रालय ने बुधवार को विज्ञिप्त जारी कर कहा, पहलवानों द्वारा किये गये विरोध प्रदर्शन और प्रेस कॉन्फ्रेंस में भारतीय कुश्ती महासंघ के अध्यक्ष और कोचों पर लगाये गये महिला पहलवानों के यौन उत्पीड़न एवं महासंघ के कामकाज में कुप्रबंधन के आरोपों पर खेल मंत्रालय ने डब्ल्यूएफआई से स्पष्टीकरण मांगा है।

हार से निराश हूं मगर लड़ना नहीं छोडूंगा : नडाल

मेलबर्न 18 जनवरी। आस्ट्रेलिया ओपन में अमेरिकी प्रतिद्वंदी मैकेंजी मैकडानल्ड से मिली हार से निराश राफेल नडाल ने स्वीकार किया है कि वह चोटों के कारण मानसिक रूप से कमजोर हुये हैं मगर दुनिया भर में अपने लाखों प्रशसंको को विश्वास दिलाते हैं कि वह अपने करियर को आगे बढ़ाते हुये जुझारू प्रवृत्ति को बरकरार रखेंगे।

विश्व के नम्बर दो खिलाड़ी नडाल को अमेरिका के मैकेंजी मैकडानल्ड ने बुधवार को 6-4, 6-4 और 7-5 से हराया जिसके बाद नडाल का मौजूदा टूर्नामेट में सफल खत्म हो गया। नडाल दूसरे सेट के बाद हिप और लेग इंजरी से परेशान दिखने लगे थे मगर इसके बावजूद उन्होंने पूरा मैच खेला। हालांकि हार के साथ उन्होने इस प्रतिष्ठित टूर्नामेंट से विदाई ली।

मैच के बाद नडाल ने कहा,मैं अपनी चोट में इजाफा किये बगैर खेलना जारी रखता चाहता था। मै मैच को खत्म करना चाहता था। मैकेंजी ने उच्च स्तरीय खेल का प्रदर्शन किया। एक लंबे अरसे के बाद मैं अपने मौकों के लिये लड़ रहा था मगर नेट के दूसरी ओर मैकेंजी लाजवाब टेनिस खेल रहा था। मै उसके खिलाफ उम्दा प्रदर्शन नहीं कर पा रहा था और आखिर में मुझे मैच गंवाना पड़ा मगर मैने मैच के अंतिम लम्हे तक पूरी कोशिश की।

वर्ष 2009 और 2022 में आस्ट्रेलियन ओपन के विजेता का बांया कूल्हा पिछले कुछ समय से तकलीफ दे रहा है जिसके कारण उन्हे शाट खेलने में परेशानी हो रही है। जाहिर है, दर्द बढ़ने के साथ ही 22 बार के ग्रैंड स्लैम विजेता को संन्यास लेने के विचार आने लगे थे।

मैकेंजी को जीत की बधाई देते हुये नडाल ने कहा, मैं चोट को और बढ़ाने के पक्ष में नहीं था और अपने मैच को खत्म करना चाहता था। हार के बावजूद मेरे प्रशसंकों ने खड़े होकर मेरा अभिवादन किया जो वाकई जोश भरने के लिये काफी था। आप सिर्फ आखिर तक अपना सर्वश्रेष्ठ देने की कोशिश कर सकते हैं जो मैने किया। यही खेल का नियम है।मैंने अपने पूरे टेनिस करियर के दौरान इसका पालन करने की कोशिश की है।

महिला क्रिकेट : ऑस्ट्रेलिया ने पाक को 10 विकेट से रौंदा

ब्रिसबेन 18 जनवरी। खेल के हर विभाग में पाकिस्तान की महिला टीम को बौना साबित करते हुये आस्ट्रेलिया ने बुधवार को दूसरे एक दिवसीय मैच में मेहमान टीम को 10 विकेट से शिकस्त झेलने पर मजबूर कर दिया। एलन बार्डर फील्ड मैदान पर टॉस जीत कर पहले बल्लेबाजी करते हुये पाकिस्तान की पूरी टीम 43 ओवर में 125 रन बना कर पवेलियन लौट गयी। जवाब में आस्ट्रेलिया की लड़कियों ने विजयी लक्ष्य मात्र 19.2 ओवर में हासिल कर लिया। सलामी बल्लेबाज फोबे लीचफील्ड ने (67 नाबाद) और बेथ मूनी (57 नाबाद) अपनी टीम को जीत के द्वार तक पहुंचा कर दम लिया। पाकिस्तान का पुलिंदा बांधने में ड्रेसी ब्राउन (32 रन पर तीन विकेट) और एनाबेल सदरलैंड (13 रन पर दो विकेट) की भूमिका महत्वपूर्ण रही।

पहले चरण में ही इंडिया ओपन से बाहर हुए किदांबी

नई दिल्ली, 18 जनवरी। भारत के स्टार शटलर और विश्व चैंपियनशिप के सिल्वर मेडलिस्ट किदांबी श्रीकांत इंडिया ओपन 2023 के पहले चरण में बुधवार को डेनमार्क के विक्टर एक्सल्सन से हार कर टूर्नामेंट से बाहर हो गए। इंदिरा गांधी स्टेडियम के केडी जाधव हॉल पर 41 मिनट चले पुरुष एकल मुकाबले में एक्सलसन ने श्रीकांत को 21-14, 21-19 से हराया। किदांबी ने पहले गेम में अच्छी शुरुआत करते हुए 7-6 की बढ़त बनाई थी, लेकिन विश्व के नंबर एक एक्सल्सन ने ब्रेक से पहले 11-8 की बढ़त बना ली और फिर पीछे मुड़कर नहीं देखा। दूसरे गेम में भारतीय शटलर ने बेहतर खेल दिखाते हुए 14-5 की विशाल बढ़त बना ली थी मगर एक्सलसन ने कोर्ट के चारों ओर शानदार खेल दिखाते हुए किदांबी की बढ़त को 15-12 पर ला दिया। बढ़त छोटी होने के बाद भारतीय शटलर पर दबाव बढ़ा और एक समय पर स्कोर 19-19 पर बराबर हो गया। विश्व चैंपियन एक्सल्सन ने इसके बाद लगातार दो प्वाइंट स्कोर करते हुए घरेलू टूर्नामेंट में श्रीकांत का सफर खत्म कर दिया।

खिलाड़ियों को मेडिकल और सर्जरी की सुविधा मिलेगी निःशुल्क

ओलंपिक स्वर्ण पदक विजेता अभिनव बिंद्रा फाउंडेशन ट्रस्ट से हुआ एमओयू

जयपुर, 18 जनवरी। राजस्थान संभवत: देष का पहला राज्य है, जहा खिलाड़ियों की चोटो और फिटनेस को लेकर राजस्थान राज्य क्रीड़ा परिषद् काफी संवेदनशील है। इसी परिपेक्ष में बुधवार को अभिनव बिंद्रा फाउडेंशन ट्रस्ट और खेल परिषद् में एक मैमोरेडम ऑफ अडंरस्टेडिग (एम.ओ.यू) साईन हुआ। इसके तहत चोटिल खिलाड़ियों की सर्जरी का खर्चा फाउडेषन वहन करेगा। अभिनव बिंद्रा फाउडेंशन ट्रस्ट की और से अभिनव बिंद्रा ने और खेल परिषद् की और से कार्यकारी सचिव महावीर प्रसाद मीणा ने एम.ओ.यू पर साईन किये। इस अवसर पर राजस्थान राज्य क्रीड़ा परिषद् की अध्यक्ष, ओलम्पियन व पद्मश्री डॉ. कृष्णा पूनिया, मुख्य खेल अधिकारी वीरेन्द्र पूनिया और डॉ अनूप पेनूपोल भी मौजूद थे।

इस अवसर पर पद्मश्री अभिनव बिंद्रा फाउडेंशन ट्रस्ट (ए.बी.एफ.टी) के चीफ बिंद्रा ने कहा कि अब राजस्थान के खिलाड़ियों को नि:शुल्क सर्जरी की सुविधा फाउडेशन द्वारा मुहैया करवाई जायेगी। इससे उनके करियर पर विराम नहीं लगेगा। चोटिल खिलाड़ियों को मेडिकल ट्रीटमेंट, चिकित्सक, सर्जरी और रिहेबीलिटेशन की सुविधा भी मुहैया करवाई जायेगी।

उन्होंने बताया कि फाउडेशन द्वारा खिलाड़ियों को चोटो के संबंध में नोलेज देने के साथ उन्हें ठीक भी करवाया जायेगा। फाउडेशन द्वारा अब तक अहमदाबाद, भोपाल, बैग्लोर, वाराणसी, पुणे, कोयम्बटूर, चैन्नई, इंदौर, मैगंलोर, और त्रिवेन्द्रम आदि स्थानों पर फाउडेशन का सेन्टर चल रहा है। जयपुर 11वां सेन्टर है, जहा फाउडेशन का सेन्टर शुरू किया गया है। इस सेन्टर में ईलाज के लिए तीन चिकित्सकों के पैनल द्वारा चोटिल खिलाड़ियों के नाम तय किये जायेगे।

उन्होंने बताया कि खिलाड़ियों की चोटो के अलावा मेंटल आस्पेक्ट और साईकोलॉजी पर ध्यान दिया जाता है। स्टार खिलाड़ियों को तो वरीयता मिल जाती है। लेकिन अन्य खिलाड़ियों को नहीं मिल पाती है। ऐसे खिलाड़ियों को ही अधिक जरूरत होती है। खिलाड़ियों की सर्जरी जयपुर ही नही बल्कि देश के अन्य स्थानों पर जरूरत पडने पर करवाई जायेगी, जिससे खिलाड़ियों का बैस्ट क्वॉलिटी पेशन बना रहे।

कार्यालय उप आवासन आयुक्त, वृत्त द्वितीय

राजस्थान आवासन मण्डल, अग्रवाल फार्म, मानसरोवर, जयपुर

Email Id:dhcjpr2.rhb@rajasthan.gov.in, Phone No. 0141-2782772

क्रमांक-DHC-II/2531 दिनांक-11.1.2023

जाहिर आम सूचना सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि राजस्थान आवासन मण्डल द्वारा आवास संख्या 119/144, मानसरोवर, जयपुर क्षेत्रफल 107.00 वर्ग मीटर/वर्ग गज का आवंटन श्री मोहन लाल शर्मा पुत्र श्री भीखालाल शर्माको किया गया था।जिसका आवंटन पत्र क्रमांक 2134 दिनांक 19.9.1989 को जारी किया गया। इनके द्वारा उक्त आवास का भौतिक कब्जा दिनांक 8.3.1990 को प्राप्त कर लिया गया था।इसके पश्चात राजस्थान आवासन मण्डल के पत्र क्रमांक 2285 दिनांक 29.12.1995 के द्वारा श्रीमती सावित्री देवी पत्नी श्री मूलचन्द अग्रवाल के नाम नियमितिकरण पत्र जारी कर दिया गया।इनके द्वारा अपने स्वयं के पक्ष में उक्त आवास के पंजीयन प्रपत्रों का निष्पादन कार्यालय उप पंजीयक, जयपुर में दिनांक 1.2.1997 को करवाया गया।इसके पश्चात श्रीमती सावित्री देवी की मृत्यु दिनांक 26.4.2021 को हो जाने के कारण इनके पुत्र श्री विनोद कुमार अग्रवाल पुत्र श्री मूलचन्द अग्रवाल ने मृत्यु पश्चात नाम हस्तान्तरण सम्बन्धी प्रपत्र एवं पंजीकृत हकत्याग प्रपत्र प्रस्तुत कर उक्त आवास को अपने नाम हस्तान्तरण हेतु निवेदन किया है। अतः उक्त आवास के हस्तान्तरण के संबंध में किसी भी व्यक्ति को कोई आपति हो तो विज्ञप्ति प्रकाशन के 7 दिवस में व्यक्तिगत रूप से उपस्थित होकर अपनी आपत्ति प्रस्तुत कर देवें, अन्यथा उक्त अवधि में कोई आपत्ति प्राप्त नहीं होने पर उक्त वर्णित व्यक्ति/ आवेदक श्री विनोद कुमार अग्रवाल पुत्र श्री मूलचन्द अग्रवाल के पक्ष में उक्त आवास के हस्तान्तरण की कार्यवाही कर दी जावेगी। उक्त जाहिर आम सूचना उप आवसन आयुक्त महोदय से अनुमोदित है।

सम्पदा प्रबन्धक वृत्त द्वितीय, जयपुर

उत्तर पश्चिम रेलवे

ई निविदा सूचना सं. एसएण्डटी–जेयू–33–2022–23

256 सिग/33/2022–23 दिनांक : 17.01.2023

भारत के राष्ट्रपति की ओर से और उनके लिए मंडल रेल प्रबन्धक/सं.व.दू.उ.प.रे., जोधपुर द्वारा निम्नलिखित सिगनलिंग एवं टेलीकॉम सम्बन्धी कार्य हेतु मुहरबंद ई निविदाएं आमंत्रित की जाती है। **1. कार्य का नाम** : उत्तर पश्चिम रेलवे के जोधपुर मंडल के विभिन्न समपार फाटकों पर आर यू बी/आर औ बी का संकेत एवं दूरसंचार से सम्बंधित कार्य। **2. कार्य की अनुमानित लागतः** रुपये 93,05,105/– **3. ई निविदा जमाकर्ता कार्यालय का पूर्ण पताः** वरि.मंडल सिगनल एवं दूरसंचार इंजी. मंडल रेल प्रबन्धक कार्यालय हरीश जोशी मार्ग जोधपुर **4. बयाना राशिः** रुपये 186100/– **5. ई निविदा प्रपत्र जमा कराने एवं खुलने की तारीख व समयः** 08.02.2023 को 11.00 बजे तक। तथा ई टेंडर ऑन लाईन आई आर ई पी एस 11.00 बजे बन्द होने के तुरन्त बाद खोली जायेगी। **6. वेबसाइट विवरण एवं नोटिस बोर्ड व कार्यालय जहाँ से टेण्डर का विवरण देखा जा सकें। एवं खरीद की जा सकें: www.ireps.gov.in**

नोटः– यह एक ई टेण्डर हैं इसलिए इसमें भाग लेने के लिए ठेकेदार ई टेण्डरिंग के द्वारा उल्लेखित वेबसाइट पर टेण्डर डाले।

62-AN/23

हमें /NWRailways पर फॉलो करें

राजस्थान आवासन मण्डल, वृत्त-तृतीय,

जे.एल.एन. मार्ग, जवाहर सर्किल के पास, जयपुर-0141-4901853

आम जाहिर सूचना राजस्थान आवासन मण्डल, जयपुर द्वारा आवास संख्या 7/MB/151 इन्दिरा गांधी नगर, जगतपुरा जयपुर क्षेत्रफल 96.00 वर्ग मीटर का आवंटन श्रीमती सम्पत्ति देवी पत्नी श्री गया प्रसाद गुप्ता को किया गया था।जिसका आवंटन पत्र क्रमांक 4763 दिनांक 18.9.2012 एवं संशोधित आवंटन पत्र क्रमांक 6725 दिनांक 09.11.2012 जारी किया गया था।उनके द्वारा उक्त आवास का भौतिक कब्जा दिनांक 12.4.2013 को प्राप्त कर लिया गया था। श्रीमती सम्पत्ति देवी पत्नी स्व. श्री गया प्रसाद गुप्ता की मृत्यु दिनांक 21.1.2022 को हो जाने के कारण श्री केदार नाथ गुप्ता पुत्र स्व. श्री गया प्रसाद गुप्ता एवं श्रीमती सुनीता गुप्ता पत्नी श्री केदार नाथ गुप्ता के द्वारा आवेदन पत्र के साथ क्षतिपूर्ति बन्धक पत्र, शपथ पत्र एवं मृत्यु प्रमाण पत्र एवं दिनांक 11.8.2020 को नोटरी पब्लिक से सत्यापित अपंजीकृत वसीयत की छाया प्रति व प्रथम गवाह -श्री गिरिराज प्रसाद शर्मा पुत्र श्री सत्य नारायण शर्मा निवासी -1168 बांदरी का नासिक, जयपुर एवं द्वितीय गवाह श्री आनन्द चन्द बंसल पुत्र श्री मुरारी अग्रवाल निवासी-सी -182 महेश नगर ,जयपुर का शपथ पत्र प्रस्तुत कर उक्त आवास का प्रतिस्थापन अपने नाम करने का निवेदन किया गया है। अतः उक्त आवास के प्रतिस्थापन के संबंध में किसी भी व्यक्ति/बैंक/संस्था को कोई आपत्ति हो तो विज्ञप्ति प्रकाशन के 07 दिवस में अधोहस्ताक्षरकर्ता के कार्यालय में व्यक्तिगत रूप से उपस्थित होकर साक्ष्य सहित अपनी आपत्ति प्रस्तुत कर देवें, अन्यथा उक्त अवधि में कोईआपत्ति प्राप्त नहीं होने पर उक्त आवेदनकर्ता श्री केदार नाथ गुप्ता पुत्र स्व.श्री गया प्रसाद गुप्ता एवं श्रीमती सुनीता गुप्ता पत्नी श्री केदार नाथ गुप्ता के पक्ष में उक्त आवास के प्रतिस्थापन की कार्यवाही करदी जावेंगी।

सम्पदा प्रबंधक, वृत तृतीय रा.आ.मण्डल, जयपुर

(नियम 6(2) देखिए)

कार्यालय नगर पालिका श्रीमाधोपुर (सीकर) राज.

क्रमांक-नपा.श्रीमा./2021-22/2644 **आपत्ति आमंत्रण सूचना** दिनांक-09/11/2021

लोकेश सिंह पुत्र स्व.श्री विक्रम सिंह, जाति राजपूत वार्ड नं.08, आलपाली श्रीमाधोपुर जिला सीकर (राज.) ने नीचे वर्णित भूमि में अपने अधिकार आवासीय के प्रयोजन के लिये ऐसी भूमि के उपयोग के लिये पूर्ण स्वामित्व पट्टा अधिकार प्राप्त करने के लिये नगरपालिका के पक्ष में अभ्यर्पित कर दिये है।

जिले सहित नगर का नाम	वार्ड/कॉलोनी/ गली का नाम	पड़ौस द्वारा सीमाबद्ध भू-खण्ड सं.	उत्तर दिशा दर्शित करते हुए लम्बाई और चौड़ाई सहित क्षेत्र (मीटर में)
नगर पालिका श्रीमाधोपुर (सीकर)	वर्तमान वार्ड नं. 08 में अवस्थित भूखण्ड	चर्तुसमीएँ निम्न प्रकार से है पूर्व दिशा में जितेन्द्र सिंह का भाग, पश्चिम दिशा में श्रीमाधोपुर-रींगस रोड, उत्तर दिशा में शक्तिसिंह का भाग व दक्षिण दिशा में जीवणराम बलाई व छोगसिंह शेखावत का प्लाट अवस्थित है।	भूखण्ड आवासीय प्रयोजनार्थ हेतु जिसकी नाप पूरब से पश्चिम उत्तरी भुजा 103.3 फुट, दक्षिणी भुजा 109.6 फुट उत्तर दक्षिण पूर्वी भुजा 36.1 फुट व पश्चिमी 29.8 फुट 345.45 वर्गगज़ या 288.79 वर्गमीटर है।

इसलिए इसके द्वारा समस्त सम्बन्धित व्यक्तियों को सूचित किया जाता है कि यदि किसी व्यक्ति के पास राजस्थान नगर पालिका अधिनियम 2009 की धारा-69क के अधिन पूर्ण स्वामित्व पट्टा अधिकार अभिप्राप्त करने के लिए नगर पालिका के पक्ष में आवेदक द्वारा भूमि में के अधिकार अभ्यर्पण करने की अनुज्ञा की मंजूरी के संबंध में कोई आक्षेप है तो वह इस नोटिस के प्रकाशन के पन्द्रह दिन के भीतर किसी भी कार्य दिवस पर कार्यालय समय के दौरान अधोहस्ताक्षरकर्ता के समक्ष समर्थक दस्तावेजों के साथ अपने आक्षेप प्रस्तुत कर सकेगा।

उपर्युक्त नियत समय के भीतर किसी आक्षेप के अभाव में यह समझा जायेगा कि किसी व्यक्ति को कोई आक्षेप नहीं है और मामले का तदनुसार निपटारा किया जायेगा।

यह सूचना मेरे हस्ताक्षर और मुहर के अधीन आज दिनांक 09.11.2021 को जारी की गयी।

अधिशाषी अधिकारी, नगरपालिका श्रीमाधोपुर

(नियम 6(2) देखिए)

कार्यालय नगर पालिका श्रीमाधोपुर (सीकर) राज.

क्रमांक-नपा.श्रीमा./2021-22/2647 **आपत्ति आमंत्रण सूचना** दिनांक-09/11/2021

जितेन्द्र सिंह, रणजीत सिंह पुत्रगण स्व.श्री विष्णु सिंह, जाति राजपूत निवासी वार्ड नं.08, आलपाली श्रीमाधोपुर जिला सीकर (राज.) ने नीचे वर्णित भूमि में अपने अधिकार आवासीय के प्रयोजन के लिये ऐसी भूमि के उपयोग के लिये पूर्ण स्वामित्व पट्टा अधिकार प्राप्त करने के लिये नगरपालिका के पक्ष में अभ्यर्पित कर दिये है।

जिले सहित नगर का नाम	वार्ड/कॉलोनी/ गली का नाम	पड़ौस द्वारा सीमाबद्ध भू-खण्ड सं.	उत्तर दिशा दर्शित करते हुए लम्बाई और चौड़ाई सहित क्षेत्र (मीटर में)
नगर पालिका श्रीमाधोपुर (सीकर)	वर्तमान वार्ड नं. 08 में अवस्थित भूखण्ड	चर्तुसमीएँ निम्न प्रकार से है पूर्व दिशा में भूमि व आम रास्ता, पश्चिम दिशा में अन्य की भूमि व शक्तिसिंह का भाग, उत्तर दिशा में आम रास्ता व दक्षिण दिशा में मोतीसिंह व गोकूल सिंक का मकान अवस्थित है।	भूखण्ड आवासीय प्रयोजनार्थ हेतु जिसकी नाप पूरब से पश्चिम उत्तरी भुजा 89.8 फुट, दक्षिणी भुजा 84.2 फुट उत्तर दक्षिण पूर्वी भुजा 71.9 फुट 95.6 फुट कुल क्षैत्रफल 592.27 वर्गगज या 495.13 वर्गमीटर है।

इसलिए इसके द्वारा समस्त सम्बन्धित व्यक्तियों को सूचित किया जाता है कि यदि किसी व्यक्ति के पास राजस्थान नगर पालिका अधिनियम 2009 की धारा-69क के अधिन पूर्ण स्वामित्व पट्टा अधिकार अभिप्राप्त करने के लिए नगर पालिका के पक्ष में आवेदक द्वारा भूमि में के अधिकार अभ्यर्पण करने की अनुज्ञा की मंजूरी के संबंध में कोई आक्षेप है तो वह इस नोटिस के प्रकाशन के पन्द्रह दिन के भीतर किसी भी कार्य दिवस पर कार्यालय समय के दौरान अधोहस्ताक्षरकर्ता के समक्ष समर्थक दस्तावेजों के साथ अपने आक्षेप प्रस्तुत कर सकेगा।

उपर्युक्त नियत समय के भीतर किसी आक्षेप के अभाव में यह समझा जायेगा कि किसी व्यक्ति को कोई आक्षेप नहीं है और मामले का तदनुसार निपटारा किया जायेगा।

यह सूचना मेरे हस्ताक्षर और मुहर के अधीन आज दिनांक 09.11.2021 को जारी की गयी।

अधिशाषी अधिकारी, नगरपालिका श्रीमाधोपुर

(नियम 6(2) देखिए)

कार्यालय नगर पालिका श्रीमाधोपुर (सीकर) राज.

क्रमांक-नपा.श्रीमा./2021-22/2650 **आपत्ति आमंत्रण सूचना** दिनांक-09/11/2021

शक्ति सिंह, शेर सिंह पुत्रगण स्व.श्री विक्रम सिंह, जाति राजपूत निवासी वार्ड नं.08, आलपाली श्रीमाधोपुर जिला सीकर (राज.) ने नीचे वर्णित भूमि में अपने अधिकार आवासीय प्रयोजन के लिये ऐसी भूमि के उपयोग के लिये पूर्ण स्वामित्व पट्टा अधिकार प्राप्त करने के लिये नगरपालिका के पक्ष में अभ्यर्पित कर दिये है।

जिले सहित नगर का नाम	वार्ड/कॉलोनी/ गली का नाम	पड़ौस द्वारा सीमाबद्ध भू-खण्ड सं.	उत्तर दिशा दर्शित करते हुए लम्बाई और चौड़ाई सहित क्षेत्र (मीटर में)
नगर पालिका श्रीमाधोपुर (सीकर)	वर्तमान वार्ड नं. 08 में अवस्थित भूखण्ड	चर्तुसमीएँ निम्न प्रकार से है पूर्व दिशा में जितेन्द्र सिंह का भाग, पश्चिम दिशा में भूमि छोड़कर श्रीमाधोपुर-रींगस रोड, उत्तर दिशा मे अन्य खाली भूमि व दक्षिण दिशा में अन्य की भूमि अवस्थित है।	भूखण्ड आवासीय प्रयोजनार्थ हेतु जिसकी नाप पूरब से पश्चिम उत्तरी भुजा 69.10 फुट दक्षिणी भुजा 81.4 फुट व उत्तर से दक्षिण पूर्वी भुजा 29.5 फुट व पश्चिम भुजा 35.3 फुटकुल क्षैत्रफल 298.13 वर्गगज या 249.23 वर्गमीटर है।

इसलिए इसके द्वारा समस्त सम्बन्धित व्यक्तियों को सूचित किया जाता है कि यदि किसी व्यक्ति के पास राजस्थान नगर पालिका अधिनियम 2009 की धारा-69क के अधिन पूर्ण स्वामित्व पट्टा अधिकार अभिप्राप्त करने के लिए नगर पालिका के पक्ष में आवेदक द्वारा भूमि में के अधिकार अभ्यर्पण करने की अनुज्ञा की मंजूरी के संबंध में कोई आक्षेप है तो वह इस नोटिस के प्रकाशन के पन्द्रह दिन के भीतर किसी भी कार्य दिवस पर कार्यालय समय के दौरान अधोहस्ताक्षरकर्ता के समक्ष समर्थक दस्तावेजों के साथ अपने आक्षेप प्रस्तुत कर सकेगा।

उपर्युक्त नियत समय के भीतर किसी आक्षेप के अभाव में यह समझा जायेगा कि किसी व्यक्ति को कोई आक्षेप नहीं है और मामले का तदनुसार निपटारा किया जायेगा।

यह सूचना मेरे हस्ताक्षर और मुहर के अधीन आज दिनांक 09.11.2021 को जारी की गयी।

अधिशाषी अधिकारी, नगरपालिका श्रीमाधोपुर

कार्यालय नगर पालिका लालसोट (दौसा)

Email ID-lalsot.jaipur@yahoo.com Ph.-01431-260714

क्रमांक-न.पा.ला./कृ.भू.रू./2022/7315 दिनांक-18.01.2023

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है नगर पालिका में निम्न आवेदकों द्वारा कृषि भूमि में पट्टा पत्रावली प्रस्तुत की है यदि उक्त आवेदन पर किसी आम व खास को कोई उज्र/आपत्ति हो तो पालिका में सात दिवस में आपत्ति प्रस्तुत करें बाद मियाद गुजरने पर किसी भी उज्र/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

क्र.सं.	आवेदक का नाम व पता	खसरा नं. कस्बा व कॉलोनी नाम	वर्गगज	प्रयोजन
1	हंसराज, योगेश, अवधेश शर्मा पुत्र सत्यनारायण शर्मा अहमदाबाद	205 शिवनगर राजौली	100	आवासीय
2	हंसराज, योगेश, अवधेश शर्मा पुत्र सत्यनारायण शर्मा अहमदाबाद	उपरोक्त	500	आवासीय
3	मुकेश कुमार पुत्र बिरदी चंद मीणा चिमनपुरा	13/4 मोडल्या कॉलोनी सालगरामपुरा चक नंबर 6	233.33	आवासीय
4	हेमा देवी पत्नी हनुमान प्रसाद मीणा चिमनपुरा	उपरोक्त	233.33	आवासीय
5	रमेश चंद्र पुत्र मोहन लाल शर्मा चांदसेन	उपरोक्त	275	आवासीय
6	रमेश चंद्र पुत्र मोहन लाल शर्मा चांदसेन	उपरोक्त	51.94	आवासीय
7	अवधेश कुमार पुत्र राधेश्याम शर्मा नई बस्ती सुकार	178 गंगापुर रोड राजोली	80	आवासीय
8	लक्ष्मी देवी पुत्री राम भरोसी शर्मा पत्नी अवधेश कुमार शर्मा नई बस्ती सुकार	उपरोक्त	80	व्यवसाय
9	चंद्रकला पत्नी राधेश्याम शर्मा नई बस्ती सुकार	उपरोक्त	157.33	आवासीय
10	चंद्रकला पत्नी राधेश्याम शर्मा नई बस्ती सुकार	उपरोक्त	86	व्यवसाय
11	रमेश चंद सैनी पुत्र किशन लाल सैनी लालसोट	3891/2031 गंगा यमुना कॉलोनी लालसोट	304.98	व्यवसाय
12	कैलाश प्रसाद सिंह पुत्र किशनलाल सैनी लालसोट	उपरोक्त	237.56	व्यवसाय
13	कमलेश कुमार पुत्र किशन लाल सैनी लालसोट	उपरोक्त	289.23	व्यवसाय
14	तुलसा देवी पत्नी दुलीचंद सैनी मंडावरी	1553,1554 गणेश वाटिका लालसोट	50	आवासीय
15	भूरी देवी पत्नी बद्री लाल मीणा मंडावरी	3798/2028 देवनगर लालसोट	131.11	आवासीय
16	तेजराम पुत्र बद्री लाल मीना मंडावरी	उपरोक्त	155.55	आवासीय
17	अर्जुदा बेरवा पुत्र हरजीराम बैरवा गुढा सम्पतपुरा	491/36 सुरक्षित नगर चांदसेन	63.07	आवासीय
18	रामराज मीणा पुत्र मोतीलाल मीणा कोडियाई	15/6 लक्ष्मी विहार सालगरामपुरा चंक नंबर 6	100	आवासीय
19	चंद्रशेखर पुत्र प्रभु लाल पुरोहित लालसोट	1416 पुरोहित कॉलोनी लालसोट	588	आवासीय
20	मुरारी लाल मीणा पुत्र भोरी लाल मीणा बिलौना कला	2379 बापू नगर लालसोट	166.66	आवासीय
21	हरकेश बैरवा पुत्र प्रभु लाल बैरवा लालपुरा	2547/1 श्रीराम वाटिका चक राजोली	100	आवासीय
22	मोहनलाल शर्मा पुत्र मूलचंद शर्मा लालसोट	436 जगदंबा कॉलोनी लालसोट	154.16	आवासीय
23	जितेंद्र कुमार पुत्र राम अवतार शर्मा लालसोट	उपरोक्त	156.66	आवासीय
24	तेज प्रकाश पुत्र रालाल शर्मा लालसोट	3788/572 बोहरा कॉलोनी लालसोट	200	आवासीय
25	संतोष कुमार, राकेश पुत्र रामावतार शर्मा, उर्मिला देवी पत्नी हरिशंकर शर्मा लालसोट	2393 आशाराम बापू नगर लालसोट	93.75	आवासीय
26	बनवारी लाल मीणा पुत्र रामफूल मीणा बाढ उदयपुरिया	194 आदर्श मीना कॉलोनी के पास लालसोट	363.11	आवासीय
27	रूकमणी देवी पत्नी सत्यनारायण योगी, विनोद, रमेश चंद, राजेश कुमार पुत्र सत्यनारायण योगी लालसोट	135/3 रामनगर कॉलोनी लालसोट	390.93	आवासीय

उक्त आपत्ति आज दिनांक 18.1.23को मेरे हस्ताक्षर से जारी किया।

(रक्षा मिश्रा)
अध्यक्ष
नगर पालिका लालसोट

(सीमा चौधरी)
अधिशाषी अधिकारी
नगर पालिका लालसोट

संक्षिप्त

शेखावत जिला संयोजक बने

श्रीमाधोपुर, (निसं)। आदर्श विद्या मंदिर अलवर के सभागार में हिंदु

जागरण मंच की प्रांतीय कार्यकारिणी बैठक में नए दायित्वों की घोषणा प्रदेश संगठक ने करते हुए मनोज प्रताप सिंह, सुभाष कुमार, डॉक्टर महावीर सिंह बलवदा सहित प्रांतीय कार्यकारिणी में सीकर विभाग प्रमुख शंकर भारती एवं समस्त प्रांतीय कार्यकारिणी की अनुशंसा पर स्थानीय कस्बे के सामाजिक कार्यकर्ता हिंदु जागरण मंच के निवर्तमान जिला महामंत्री दिलीप सिंह शेखावत को हिंदु जागरण मंच की रचना के अनुसार नव सृजित श्रीमाधोपुर जिले का जिला संयोजक नियुक्त किया है। शेखावत के अनुसार हिंदु जागरण मंच की नवीन पद्धित के अनुसार अब अध्यक्ष एवं उपाध्यक्ष के स्थान पर संयोजक एवं सह संयोजक के नए दायित्वों का निर्धारण किया गया है। इसी क्रम में श्रीमाधोपुर के दिलीप सिंह शेखावत को यह दायित्व प्रदान किया गया है ।

नाबालिग से दुष्कर्म का आरोपी गिरफ्तार

टोंक, (निसं)। कोतवाली पुलिस ने नाबालिग के साथ दुष्कर्म के आरोपी को गिरफ्तार किया है। शहर कोतवाल जितेन्द्रसिंह चारण ने बताया कि एक नाबालिग लड़की से दुष्कर्म का मामला दर्ज हुआ था। मामले की जांच के दौरान दोषी पाए जाने पर दानिश पुत्र जाकिर उम्र 18 साल निवासी बिलाल कॉलोनी को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश कर पूछताछ के लिए दो दिन के रिमांड पर लिए जाने के बाद उसे पुन: अदालत में पेश किया, जहां से उसे न्यायिक अभिरक्षा में जेल भेज दिया गया।

अनियंत्रित पिकअप पलटी,चार घायल

मालपुरा, (निसं)। लाम्बाहरिसिंह थाना क्षेत्र के मोरला रोड पर बुधवार की देर शाम एक तेज रफ्तार पिकअप अनियंत्रित हो पलटी खा जाने से पिकअप सवार चार मजदूर घायल हो गये। जिन्हें उपचार के लिए लाम्बाहरिसिंह अस्पताल में भर्ती करवाया गया। मिली जानकारी में सामने आया कि बुधवार की शाम मोरला से नगर जा रही पिकअप बणी-ठणी होटल के पास अनियंत्रित होकर पलटी खा गई। धमाके की आवाज सुन दौडे ग्रामीणों ने कड़ी मशक्कत कर पिकअप में फंसे चारों घायल मजदूरों को निकाल लाम्बाहरिसिंह अस्पताल में उपचार के लिए भर्ती करवाया।

'कश्मीर से कन्याकुमारी तक कांग्रेस खत्म, राजस्थान भी होगा कांग्रेस मुक्त'

भाजपा प्रदेशाध्यक्ष ने दावा किया कि राजस्थान में दो तिहाई बहुमत से भाजपा सरकार बनाएगी

किशनगढ़ बास, (निसं)। कश्मीर से कन्याकुमारी तक कांग्रेस खत्म हो गई है, थोड़े बहुत अवशेष राजस्थान में बचे हैं वह भी मुझे लगता है जिस तरह से बदलाव आ रहा हैं और लोगों में गुस्सा है वह भी नहीं बचेंगे और पूरी तरह कांग्रेस राजस्थान से मुक्त होगी।

यह बात बुधवार को भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष सतीश पूनिया ने दिल्ली से जयपुर आते समय किशनगढ़ बास में पूर्व विधायक रामहेत यादव की ओर से किए गए स्वागत के दौरान कार्यकर्ताओं से कही।

- पूर्व मंत्री हेम सिंह भड़ाना, पूर्व विधायक बनवारी लाल सिंघल आदि ने भी पूनिया का स्वागत किया

किशनगढ़ बास में भाजपा प्रदेश अध्यक्ष सतीश पूनिया का पूर्व विधायक रामहेत यादव के नेतृत्व में कार्यकर्ताओं ने स्वागत किया।

किशनगढ़ बास में भिवाड़ी अलवर राज्य मार्ग पर गांव चामरौदा के पास एक निजी फार्म हाउस पर कार्यकर्ताओं को संबोधित कर रहे भाजपा प्रदेश अध्यक्ष सतीश पूनिया ने राहुल गांधी पर चुटकी ली और कहा 10 दिन में चमत्कारी नारा देकर किसानों का कर्ज माफ करने वाला बेचारा रूपसिंह नौकरी की तलाश में अभी भी घूम रहा है।

राहुल गांधी जिधर नजर फेर दे वहां बंटाधार ही होता है कांग्रेस का भी हो रहा है। यह तो सही समय पर भगवान ने मोदी को भेज दिया वरना कांग्रेस राज में तो देश का भला नहीं हो सकता था। आज कांग्रेस के प्रति जो लोगों में गुस्सा है उसका कारण भी कोई और नहीं स्वयं कांग्रेस है। किसान, नौजवानों से झूठे वायदे किए, कानून व्यवस्था की हालत किसी से छिपी नहीं है लगातार अपराध बढ रहे हैं। प्रदेश अध्यक्ष पूनिया ने मंच से दावा किया कि 2023 में दो तिहाई बहुमत से राजस्थान में भाजपा सरकार बनाएगी। इसके लिए उन्होंने कार्यकर्ताओं से अपील की और कहा राजस्थान से कांग्रेस सरकार को उखाड़ फेंकने में अभियान का हिस्सा बने। राजस्थान की भलाई के लिए काम करें वह प्रधानमंत्री मोदी की नीतियों को एवं केंद्र सरकार की लोक कल्याणकारी योजनाओं को घर-घर पहुंचाएं जिससे राजस्थान में फिर से कार्यकर्ता और जनता का राज स्थापित हो।

प्रदेश अध्यक्ष सतीश पूनिया के पहुंचने से पहले पूर्व मंत्री हेम सिंह भड़ाना, पूर्व विधायक रामहेत यादव, पूर्व विधायक बनवारी लाल सिंघल, सोहनलाल सुलानिया, बन्नाराम मीणा, खुशीराम यादव, खेमचंद धामणी ने कार्यकर्ताओं को संबोधित किया और आमजन विरोधी प्रदेश की कांग्रेस सरकार को उखाड फेंकने का आव्हान किया। इस दौरान जिला अध्यक्ष संजय नरूका, मोहित यादव, चेयरमैन प्रतिनिधि सतीश सिंघल, किशनगढ बास, कोटकासिम, मोठूका, खैरथल, हरसोली मंडल से पहुंचे पदाधिकारी कार्यकर्ता बड़ी संख्या में मौजूद रहे।

शहरी ओलंपिक खेलों की तैयारी बैठक

चौंमू/कालाडेरा, (निसं)। उपखण्ड कार्यालय में बुधवार को राजीव गांधी शहरी ओलंपिक खेलों के सफल आयोजन हेतु आयोजन समिति के सदस्यों के साथ उपखण्ड अधिकारी प्रियव्रत सिंह चारण की अध्यक्षता में बैठक आयोजित की गई।

बैठक में 26 जनवरी से लेकर 31 जनवरी तक राजीव गांधी शहरी ओलंपिक खेलों के सफल आयोजन को लेकर उपखण्ड अधिकारी प्रियव्रत सिंह चारण ने अधिशासी अधिकारी (सदस्य सचिव) को खेल मैदान,निर्धारण खेलों की सामग्री एवं विभागीय आदेश अनुसार समस्त आवश्यक व्यवस्थाओं को तय समय पर करने हेतु निर्देशित किया गया। साथ ही प्रत्येक वार्ड में खेलों के आयोजन का व्यापक प्रचार प्रसार करने हेतु निर्देशित किया गया। वहीं शिक्षा विभाग के अधिकारियों को आयोजन में निष्पक्ष रुप से खेलों के आयोजन हेतु आवश्यक दिशा निर्देश दिए गए। चिकित्सा व्यवस्था हेतु ब्लॉक चिकित्सा अधिकारी को आवश्यकता अनुसार चिकित्साकर्मी मय एम्बुलेंस खेल प्रतियोगिता अवधि में नियुक्त करने हेतु निर्देशित किया गया। पुलिस विभाग के अधिकारियों को खेल आयोजन अवधि में शांति एवं कानून व्यवस्था हेतु आवश्यक दिशा निर्देश दिए गए। साथ ही उपखण्ड अधिकारी प्रियव्रत सिंह चारण ने चौंमू शहर के सभी वार्ड वासियों से अपील की है कि इन खेलों में अधिक से अधिक रजिस्ट्रेशन करवाएं।

सार-समाचार

बूचड़खाने की दुर्गंध से राहत दिलाने की मांग

टोंक, (निसं)। रेल लाओ संघर्ष समिति अध्यक्ष, अंतर्राष्ट्रीय मानवाधिकार समाजिक न्याय संगठन राष्ट्रीय संयोजक अकबर खान ने नगर परिषद टोंक सभापति अली अहमद एवं नगर परिषद आयुक्त अनिता खिंचड़ से मुलाकात की और टोंक शहर की प्रमुख समस्या बूचडखाना की दुर्गंध से आमजन को राहत दिलाने की मांग की और इसके अलावा शहर की अन्य समस्याओं से कराया अवगत। जिस पर सभापति व आयुक्त दोनों ने आश्वासन दिया कि जल्द ही टोंक शहर को बूचडखाना की समस्याओं से निजात दिलाई जायेगी। इस मौके पर प्रदेश उपाध्यक्ष जावेद खान, पार्षद रेशमा फिरोज नागौरी, रामस्वरूप चौधरी, हरीनारायण मीणा आदि मौजूद थे।

छात्राओं को स्कूटी वितरण की

चाकसू, (निसं)। बुधवार को कस्बा स्थित राजकीय महाविद्यालय में कस्बे के विभिन्न महाविद्यालय की छात्राओं को काली बाई भील मेधावी छात्रा योजना एवं देवनारायण स्कूटी योजना अंतर्गत स्कूटी का वितरण किया गया। कार्यक्रम के दौरान राजकीय महाविद्यालय प्राचार्य डॉ.गीतांजली मीणा ने बालिकाओं का उत्साह वर्धन किया। योजना नोडल अधिकारी गोकुल मीणा ने बताया कि योजना अंतर्गत राजकीय महाविद्यालय चाकसू की 27, मानव पीजी महाविद्यालय की 12, रुकमणी देवी कॉलेज की 2 एवं महाराना प्रताप कॉलेज की 2 मेधावी छात्राओं को स्कूटी दी गई। उसके बाद निजी महाविद्यालयों ने अपने अपने विद्यालय में सादा समारोह आयोजित कर छात्राओं को स्कूटी सौंपी।

संशोधित प्रमाण पत्र जारी

देवली, (निसं)। देवली पालिका अध्यक्ष ने अपने निजी स्तर पर संशोधित प्रमाण पत्र जारी कर मीडिया को बताया कि 7 अप्रैल 2022 को उनकी ओर से निजी स्तर पर एक सत्यापन पत्र जारी हुआ था। जिसमें टाइपिंग तकनीकी खामियों के कारण अनुसूचित जाति (वर्ग) महिला आरक्षित वार्ड की जगह सामान्य (वर्ग) वार्ड अंकित हो गया था। नगर पालिका अध्यक्ष नेमीचंद जैन ने फिर से अपने निजी स्तर पर संशोधित पत्र जारी कर बताया कि देवली शहर के वार्ड नंबर 4 निवासी दिनेश तेजी पुत्र रामपाल तेजी एवं नाथू पुत्र छीतर कीर के नाम से शहर में निर्मित दुकानों का उल्लेख सत्यापन किया है। ऐसे में उक्त दौरान जारी सत्यापन पत्र की टाइपिंग में रही खामियों के कारण शहर का वार्ड नंबर 4 सामान्य वर्ग पर अंकित हो गया था। उक्त पत्र में हो चुकी खामियों के संशोधन पर पालिका अध्यक्ष ने पत्र जरिए बताया कि शहर का वार्ड 4 नंबर अनुसूचित जाति (वर्ग) की महिला के नाम आरक्षित वार्ड है। पालिका अध्यक्ष नेमीचंद जैन ने उक्त दौरान टाइपिंग में बनी तकनीकी खामियों का उल्लेख करते हुए कहा है कि पूर्व में जारी सत्यापन पत्र में प्रकाशित शहर के वार्ड नंबर 4 को सामान्य वर्ग की बजाएं अनुसूचित जाति (वर्ग) महिला आरक्षित वार्ड ही माना जाए।

ओलंपिक खेलों की तैयारियां शुरू

नरैना, (निसं)। राजीव गांधी ग्रामीण ओलंपिक खेलों का समापन होने के बाद अब शहरी ओलंपिक खेलों की तैयारियां शुरू कर दी गई हैं। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने ऐलान किया था कि आगामी 26 जनवरी से राजीव गांधी शहरी ओलंपिक खेलों का आयोजन किया जाएगा। अधिशाषी अधिकारी राकेश कुमार शर्मा ने बताया कि खेलों का शुभारंभ 26 जनवरी से होगा। जिसमें हर आयु वर्ग के महिला एवं पुरुष भाग ले सकेंगे। ओलंपिक खेलों में कबड्डी, बास्केटबॉल, टेनिस, क्रिकेट, फुटबाल,खो खो,वॉलीबाल एवं दौड प्रतियोगिता शामिल होगी। खेलो मे भाग लेने वाले इच्छुक खिलाडी 21 जनवरी तक ई-मित्र व ओलंपिक खेल साईट पर जाकर ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन करवा सकेंगे। मंगलवार को अधिशाषी अधिकारी राकेश कुमार शर्मा,भाजपा नेता सुनिल पारीक,मोइनुद्दीन बरबरा, मौके पर पहुंचे और खेल मैदान का जायजा लिया।

बाबा भूतनाथ जोहडा धाम मार्ग में भरा गंदा पानी

पावटा, (निसं)। कस्बे के बाबा भूतनाथ जोहड़ा धाम मंदिर मार्ग के दोनों तरफ गंदे पानी के निकास के लिए नालियों के बंद होने के कारण घरों का पानी सड़कों पर बह रहा है। सड़क पर भरे पानी के चलते इस रास्ते से मंदिर जाने के लिए श्रद्धालुओं को परेशानी का सामना करना पड़ता है। मोहल्ले में नालियां बनी हुई भी हैं लेकिन उन्हें अतिक्रमियों द्वारा बंद कर दिया गया जिसके कारण घरों से निकलने वाला गन्दा पानी बाबा भूतनाथ जोहडा धाम प्राचीन मन्दिर के रास्ते में भरा रहने से श्रद्धालुओं को आने-जाने में परेशानी हो रही है। वहीं शव यात्रा के दौरान श्मशान व कब्रिस्तान जाने का भी यही एक मात्र मार्ग है। स्थानीय लोगों का कहना है कि कई बार नालियां बनवाने व बनी हुई नालियों की सफाई की मांग कर चुके हैं, परंतु कोई समाधान नहीं हो रहा। बरसात शुरू होने से पहले नालियों का निर्माण नहीं कराया गया तो इस रास्ते पर जलभराव की स्थिति पैदा हो जाएगी।

विद्यालय में विकास कार्यों लोकार्पण

पावटा, (निसं)। ग्राम पंचायत खेलना के राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय में भामाशाह गुलजारी लाल असवाल राजस्थान शिक्षा भूषण द्वारा स्व. धर्मपत्नी कमला देवी की स्मृति में 50 लाख रुपये की लागत से नवनिर्मित मुख्य प्रवेश द्वार, सभागार भवन, ट्यूबवेल व जल मंदिर का लोकार्पण किया गया।

इस दौरान मुख्य अतिथि मुख्यमंत्री सलाहकार राजस्थान सरकार व दूदू विधायक बाबूलाल नागर साथ ही अध्यक्षता विराटनगर विधानसभा क्षेत्रीय विधायक इंद्राज गुर्जर, विशिष्ट अतिथि पावटा ब्लॉक अध्यक्ष कांग्रेस महादेव प्रसाद, प्रदेश कांग्रेस कमेटी सदस्य जगदीश मीणा, मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी महेश गुप्ता, एसीबीओ सुरेश कसाना, जिला पार्षद विमला राजेश यादव, पंचायत समिति सदस्य मीना वेदप्रकाश बाकोलिया, खेलना सरपंच राजकुमार धानका, पूर्व संयुक्त निर्देशक बंसीधर गुर्जर, भांकरी सरपंच मेहरसिंह व विशेष आग्रह मुय प्रेरक भामाशाह शिक्षा विभाग राजस्थान से समानित मनोज बुनकर रहे।

पूनिया ने विधानसभा चुनावों में युवाओं को टिकट देने की पैरवी की

अलवर, (निसं)। नई दिल्ली में बीजेपी की कार्यसमिति की मीटिंग से लौटते वक्त भाजपा प्रदेश अध्यक्ष डॉ. सतीश पूनिया बुधवार को अलवर जिले के प्रवास पर विभिन्न अभिनंदन, संगठनात्मक और सामाजिक कार्यक्रमों में शामिल हुए।

- पूनिया ने पत्रकारों से कहा राजनीति में निरंतरता जरूरी है, नए लोग आएं और उनको अवसर मिले
- नई दिल्ली से जयपुर आते समय अलवर जिले में पूनिया का जगह-जगह किया स्वागत

पूनिया नई दिल्ली से सड़क मार्ग द्वारा अलवर पहुंचे, जहां उन्होंने तिजारा, अलवर ग्रामीण विधानसभा क्षेत्रों में विभिन्न कार्यक्रमों में आमजन और कार्यकर्ताओं से संवाद किया। वहीं अलवर जिले में मनसा चैक, टपूकडा, टपूकडा बस स्टैंड, तिजारा, शाबादी ग्राम, चिकानी, टेल्को सर्किल, नमन होटल, हनुमान सर्किल इत्यादि स्थानों पर अभिनंदन कार्यक्रमों में शामिल हुए। इस दौरान मालाखेड़ा के झारेडा गांव में डॉ. पूनिया ने स्वर्गीय पुन्याराम जाटव और स्वर्गीय भगवानी देवी जाटव के मूर्ति अनावरण कार्यक्रम में जनसभा को संबोधित किया। उन्होंने कार्यकर्ताओं को विधानसभा चुनाव 2023 में भाजपा के विजय संकल्प में मजबूती से जुटने का आह्वान किया और कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के कुशल नेतृत्व में तीन चैथाई बहुमत के साथ राजस्थान में भाजपा की सरकार बनेगी एवं 2024 में नरेन्द्र मोदी तीसरी बार प्रधानमंत्री बनेंगे और युवा एवं किसान विरोधी राज्य की कांग्रेस सरकार की विदाई तय है।

इस दौरान पूनिया ने पत्रकार वार्ता में विधानसभा चुनाव में अधिक से अधिक युवाओं को टिकट दिए जाने की पैरवी की है। उन्होंने कहा कि वैसे तो टिकट के मामले में पार्टी ही उम्र, भूगोल, सामाजिक विज्ञान सब तय करती है। लेकिन मैं इस बात से सहमत हूं कि राजनीति में निरंतरता जरूरी है, नए लोग आएं और उनको अवसर मिले। क्योंकि खुद पार्टी के संगठन के भीतर पदों की उम्र को कम कर दिया है। अब 30 की उम्र में मंडल अध्यक्ष बनता है। किसी समय 60 की उम्र में मंडल अध्यक्ष बनते थे। उम्र की एक मर्यादा जरूर है, लेकिन नए लोग निर्वाचित होकर आने चाहिए। उन्होंने कहा कि निकाय व पंचायतीराज चुनावों में नए लोग चुनकर आते हैं। ऐसे कार्यकर्ता व नेता ही आगे चलकर पार्टी के एसेट बनते हैं। ऐसा नेतृत्व आना ही चाहिए, जो आगे 30 साल तक अपने-अपने विधानसभा क्षेत्रों में नेतृत्व कर सके।

बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा का कार्यकाल बढ़ाए जाने के बाद खुद के कार्यकाल को लेकर कहा कि जो पार्टी नेतृत्व तय करेगा, वही जिम्मेदारी लेने को तैयार हूं। मैं तो सामान्य कार्यकर्ता हूं, जो भूमिका मिलेगी उसके लिए तैयार हूं। पूनिया ने यह भी कहा कि विधानसभा चुनाव से पहले चेहरों का अलग-अलग आकलन होता है। पार्टी का संसदीय दल जो निर्णय करेगा, वही चेहरा होगा, चाहे पार्टी चेहरा तय करे या न करे।

इस दौरान पूनिया ने कहा कि बीजेपी की जनाक्रोश यात्रा व संभाएं बेहद सफल रही हैं, हजारों की भीड़ यात्रा व सभाओं में आई। सोशल मीडिया पर करोडों की भागीदारी रही। अलवर के खेडली में सभा में महिला डांसर लाने के मामले में कहा कि यहां चूक हुई है। पूरे प्रदेश में यहां आकर एक पैंट लगा है। जिसको लेकर उनको भी जवाब देना पड़ा है। पूनिया ने गहलोत सरकार का हर जगह फेल बताया। वादे आधे भी पूरे नहीं करने और झूठी घोषणाएं करने के आरोप लगाए। पूनिया ने कहा कि कांग्रेस जब भी सत्ता से बाहर होती है तो उनकी दुर्गति होती है। एक बार 57 दूसरी बार 21 अब अनुमान लगा लो कितनी सीट आएंगी। उनकी ही पार्टी के नेता कहते हैं कि एक कार में बैठकर आए जाएंगे, इतने ही कांग्रेसी जीतकर आएंगे। गहलोत राजस्थान के लोगों को दिलों को जोड़ने के जादूगर नहीं हैं। वे जोड-तोड की सरकार ही चला सकते हैं।

अतिक्रमण हटाने के नोटिस से प्रभावितों ने किया हंगामा

लालसोट, (निसं)। चांदसेन ग्राम पंचायत की सरपंच कौशल्या देवी द्वारा गत दिनों टंकी पर चढ़कर ग्राम पंचायत में हो रहे अवैध अतिक्रमण को हटाने की मांग पर किए गए प्रदर्शन के बाद पूर्व सरपंच रहे शंभू लाल यादव के पुत्र राहुल यादव द्वारा उच्च न्यायालय में अतिक्रमण हटाने के खिलाफ याचिका दायर करने से नाराज गाड़िया लोहार सहित अन्य लोगों द्वारा कोथून रोड स्थित पूर्व सरपंच यादव की दुकान प्रतिष्ठान पर जाकर जमकर हंगामा करने के साथ नोटिस की कार्रवाई के खिलाफ नारेबाजी कर विरोध प्रदर्शन किया।

- पूर्व सरपंच की दुकान पर जाकर नारेबाजी व प्रदर्शन किया

विरोध प्रदर्शन के लिए पहुंचने की सूचना से पहले ही पूर्व सरपंच शंभूलाल वहां से चले गए थे। गाड़िया लोहार एवं अन्य ऐसे लोग जो चरागाह भूमि पर काफी लंबे समय से पुख्ता निर्माण कर रहे हैं संबंधितों को रहवास वाली जगह से बेदखल करने की प्रक्रिया शुरू होने के बाद नोटिस तामिल होने पर गुस्साए लोगों द्वारा पूर्व सरपंच शंभू लाल यादव के दुकान प्रतिष्ठान पर पहुंचकर उसके पुत्र राहुल यादव द्वारा उच्च न्यायालय में अतिक्रमण हटाने के लिए की गई अपील को लेकर कडी नाराजगी जताते हुए विरोध प्रदर्शन कर नारेबाजी की गई। उन्होंने कहा कि उनको इस तरह लंबे समय से रहने के बाद उस जगह से बेदखल करने के लिए न्यायालय में जाकर प्रताडित करना सरासर गलत है। उनके द्वारा कहा गया कि आपस की राजनीति की लडाई में गाडिया लोहार सहित गरीब तबके का नुकसान होगा ऐसे में गरीब तबका बेघर होने के साथ उसका सब कुछ तबाह हो जाएगा। गाडिया लोहार सहित अन्य ऐसे लोग जिनको नोटिस मिला है उनके द्वारा इस बेघर करने की कार्रवाई को रोकने की भी मांग की गई है।

गौरतलब है कि चांदसेन ग्राम पंचायत में अतिक्रमण को लेकर दो पक्षों के बीच जमकर खीचतान चल रही है जिसका खामियाजा वहां लंबे समय से रह रहे गाडिया लोहार एवं अन्य लोग भुगतने के कगार पर खडे हुए हैं।

फागी को नगरपालिका बनाने की मांग

फागी, (निसं)। कस्बे के आजाद विचार क्रांति मंच फागी के पदाधिकारियों व कार्यकर्ताओं ने मिलकर तहसीलदार को ज्ञापन सौंपते हुए बताया कि कस्बे की आबादी 20000 से ज्यादा है।

जिला मुख्यालय से सबसे नजदीक तथा नगरपालिका बनने हेतु कस्बा सभी अहरताय पूरी करता है। मंच के अध्यक्ष एडवोकेट राजेंद्र सोयल ने बताया कि गांव के समुचित विकास,रोजगार के विभिन्न अवसर एवम ग्रामीणों के शहर की और होते पलायन को रोकने के लिए फागी को नगरपालिका बनाना अतिआवश्यक है।

इस अवसर पर मंच के महासचिव हनुमान चौधरी उपाध्यक्ष कानाराम चौधरी कोषाध्यक्ष डाक्टर रामप्रसाद मीणा सलाहकार पारस जैन सहित काफी संख्या में कस्बेवासी एवम कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

बंदरों के आंतक से ग्रामीण परेशान

राजगढ़, (निसं)। उपखंड क्षेत्र के थाना राजाजी ग्राम पंचायत में बंदरों की गतिविधियों से ग्रामीण परेशान हैं। प्रतिदिन बच्चों एवं बड़ों को काट लेने के साथ बंदरों के घरों में घुसने से लोगों में डर बना हुआ है। विदित रहे कि थाना राजाजी ग्राम में बंदरों की हरकतों से करीब आधा दर्जन से भी अधिक बच्चे औरतें एवं बडे शिकार हो चुके हैं। बंदरों की हरकतों का आलम यह है कि एक और बच्चों को अपना शिकार बनाते हैं वहीं दूसरी ओर विरोध करने वाले बडे लोगों पर भी अपना हिंसक रवैया दिखाकर भयभीत करने में लगे हैं। जागरूक के ग्रामीणों ने उपखंड प्रशासन से ग्राम पंचायत थाना राजाजी में बंदरों की हरकतों से निजात दिलाने की मांग की है।

71 लोगों की आंखें जांची

सांभरझील, (निसं)। शंकरा आई हॉस्पिटल एवं जिला अंधता निवारण समिति के आर्थिक सहयोग से मंगलवार को नकाशा चौक स्थित मंदिर परिसर में एक दिवसीय निशुल्क नेत्र जांच शिविर लगाया गया। शिविर में जयपुर से आई डॉक्टरों की टीम ने 71 नेत्र रोगियों की आंखों की जांच की। सांभर व्यापार मंडल के पूर्व अध्यक्ष सत्यनारायण गोयल ने बताया कि शिविर का आयोजन सुबह 9:00 से 1:00 बजे तक किया गया।

चिकित्सा मंत्री ने पूर्व छात्रों एवं भामाशाहों का सम्मान किया

लालसोट, (निसं)। उपखंड मुख्यालय स्थित श्री अशोक शर्मा राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय में आयोजित वार्षिकोत्सव समारोह के दौरान चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री परसादी लाल मीणा द्वारा स्कूल के पुरातन छात्र एवं स्कूल में सहयोग देने वाले भामाशाहों को सम्मानित किया गया।

राजकीय विद्यालय में वार्षिकोत्सव एवं छात्र-भामाशाह सम्मान समारोह को चिकित्सा मंत्री परसादी लाल मीणा ने संबोधित किया।

चिकित्सा मंत्री मीणा द्वारा कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा गया कि राजकीय विद्यालयों में छात्रों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के साथ शैक्षिणक माहौल मिले इसके लिए हर स्तर पर उनके द्वारा प्रयास किए गए हैं। चिकित्सा मंत्री मीणा ने कहा कि राजकीय विद्यालयों से निकले हुए छात्र छात्राएं आज उच्च पदों पर भारत के भविष्य का निर्माण कर रहे हैं। चिकित्सा मंत्री मीणा ने मौजूद छात्र छात्राओं एवं राजकीय विद्यालय परिवार को आश्वस्त करते हुए कहा गया कि स्कूल में पर्याप्त सुविधाओं के साथ छात्रों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के लिए जो मदद चाहिए वह हर समय करने को तैयार है। कार्यक्रम को नगर पालिका के चेयरमैन रक्षा मिश्र, जग्गू रामानंदाचार्य संस्कृत विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति रहे डॉ विनोद शास्त्री, दिनेश मिश्र, प्रधान एडवोकेट नाथू लाल मीणा, पालिका उपाध्यक्ष संतोष स्वामी आदि द्वारा भी संबोधित किया गया। कार्यक्रम के दौरान विद्यालय के पुरातन छात्र रहे पूर्व कुलपति विनोद शास्त्री द्वारा विद्यालय को एक लाख रुपये एव रमेश जांगिड द्वारा पचास हजार व सीडीईओ जीएन माली द्वारा पाच हजार रुपये सहयोग राशी नकद प्रदान की गई ।सीडीईओ गोविंद नारायण माली, एसडीएम ब्रजेंद्र मीणा आर्टिस्ट रमेश चंद जांगिड पुर्व पीसीसी सदस्य रामविलास खेमावास, राजेंद्र पाखला प्रधानाचार्य मदन पारीक, पुर्व सरपंच दीपक पटेल उपप्रधान कैलाश दुसाद ,राकेश मीणा, जीतू बढाया, राजेंद्र पाखला, पार्षद लक्ष्मी नारायण भारद्वाज जय प्रकाश सैनी ओमप्रकाश चतुर्वेदी अतुल बेनाडा बन्की बिहारी मोहन लाल शर्मा सहित कई जनप्रतिनिधि भामाशाह विद्यालय परिवार के लोग एवं छात्र छात्राएं मौजूद रहे।

गुर्जर महासभा की कार्यकारणी घोषित

निवाई, (निसं)। राजस्थान गुर्जर महासभा के प्रदेशाध्यक्ष पूर्व मंत्री कालूलाल गुर्जर व कार्यकारी प्रदेशाध्यक्ष मोहनलाल वर्मा,प्रदेश वरिष्ठ उपाध्यक्ष वृद्धिचन्द के निर्देशानुसार जिलाध्यक्ष सुरज्ञानसिंह खाटरा ने अपनी कार्यकारणी की घोषणा की है। नवीन कार्यकारणी में उपाध्यक्ष रमेशचन्द, शिवदयाल पंवार, कृष्ण गोपाल, दशरथ भाटी, बसराम गुर्जर, मोहनलाल, लादूलाल व खेमराज, महामंत्री रामअवतार धाभाई, एडवोकेट लक्ष्मीनारायण, देवराज, मोहरसिंह व गोपाललाल, कोषाध्यक्ष प्रहलाद पटवारी, मंत्री राजेश गुर्जर, प्रधान गुर्जर, मुकेश गुर्जर, आशराम डोई, गोपीलाल गुर्जर, रामराय गुर्जर, देवीलाल गुर्जर, प्रकाशचन्द, संयुक्त मंत्री आरडी गुर्जर, गीताराम, श्रवणलाल, महावीर, देवकिशन, नादानसिंह व यज्ञराम को बनाया गया है। उन्होंने बताया कि जिला कार्यकारणी 38 सदस्यों को शामिल किया है।

'सरपंचों के सहयोग से विकास में कोई कसर नहीं छोड़ेंगे'

कोटपूतली, (निसं)। निकटवर्ती ग्राम पंचायत कूजोता के ग्राम अजीतपुरा कलां में पंचायत कोष से निर्मित सीसी रोड का उद्घाटन जयपुर जिला प्रमुख रमा चौपड़ा, भाजपा जिलाध्यक्ष जितेन्द्र शर्मा एवं भाजपा नेता मुकेश गोयल के आतिथ्य में हुआ। इस सड़क का निर्माण गांव के मुख्य डामर रोड से राप्रावि ढाणी नवाब वाली तक किया गया। उद्घाटन अवसर पर जिला प्रमुख रमा चौपड़ा ने कहा कि भाजपा का प्रत्येक कार्यकर्ता सेवा व समर्पण के साथ गांवों के सर्वांगीण विकास के लिए प्रतिबद्ध है। गांवों का जब विकास होगा तो देश भी आगे बढ़ेगा। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि जहां तक हो सकेगा सरपंचों के सहयोग से क्षेत्र के विकास के लिए कोई कसर नहीं छोड़ेंगे।

- अजीतपुरा कलां में सीसी रोड उद्घाटन एवं भण्डारे के कार्यक्रम को जिला प्रमुख रमा चौपड़ा ने संबोधित किया

जिला जयपुर देहात उत्तर भाजपा जिलाध्यक्ष जितेन्द्र शर्मा कहा कि प्रदेश में जब भी भाजपा सरकार रहती है तब विकास कार्यों हेतु भण्डार खोल देती है। केन्द्र की मोदी सरकार गांवों में सुगम परिवहन हेतु विकास कार्यों में जुटी हुई है। प्रदेश में जब से कांग्रेस सरकार आई है तब से विकास की गति थम सी गई है। उन्होंने ग्राम वासियों को इस आयोजन के लिए धन्यवाद दिया। इस मौके पर भाजपा नेता मुकेश गोयल, सरपंच प्रतिनिधि नेतराम ताखर आदि ने भी संबोधित किया। उद्घाटन अवसर पर भण्डारे का भी आयोजन किया गया तथा जयराम ठेगला एण्ड पार्टी ने सांस्कृतिक प्रस्तुतिया दी। सरपंच मीरा नेताराम ताखर ने आगन्तुक अतिथियो का माला व साफा पहनाकर अभिनन्दन किया।

इस अवसर पर भाजपा जिला महामंत्री सुरेन्द्र चौधरी, भाजपा नेता शंकर लाल कसाना, विषेष सम्पर्क प्रकोष्ठ के जिला संयोजक बगुला प्रसाद स्वामी, अल्पसंख्यक मोर्चा जिलाध्यक्ष अब्दुल सत्तार, भाजयुमो जिला उपाध्यक्ष प्रवीण बंसल, भाजयुमो जिला कार्यालय प्रभारी विकास जांगल, भाजयुमो मण्डल अध्यक्ष राजेष सराधना, भाजयुमो मण्डल अध्यक्ष एवं सरपंच सोनू चौधरी, भाजयुमो मण्डल अध्यक्ष नितिन सिंह, एससी मोर्चा जिला उपाध्यक्ष सुबेसिंह आर्य, एससी मोर्चा नगर अध्यक्ष विजय आर्य, एसटी मोर्चा जिलामंत्री महेन्द्र मीणा, किसान मोर्चा मण्डल अध्यक्ष शीषराम जाट, रोशन आर्य, रामकुमार कटारिया, सुवालाल बावरिया आदि जन प्रतिनिधियो सहित सैकडो ग्रामवासी उपस्थित रहे।

नाबालिग से दुष्कर्म के आरोपी को बीस साल की कैद

जयपुर, 18 जनवरी (का.सं.)। जयपुर की पॉक्सो मामलों की विशेष अदालत ने नाबालिग के साथ दुष्कर्म करने वाले अभियुक्त सरदारमल को बीस साल की सजा सुनाई है। इसके साथ ही अदालत ने अभियुक्त पर दो लाख रुपए का जुर्माना भी लगाया है।

अभियोजन पक्ष की ओर से विशेष लोक अभियोजक विजया पारीक ने अदालत को बताया कि, मामले में पीड़िता की मां ने 25 सितंबर 2020 को गोविन्दगढ थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई थी। रिपोर्ट में कहा गया कि, उसका पति मानसिक बीमार है, जिसके चलते वह अपनी बेटी के साथ पीहर में रहती है। अभियुक्त उसकी बेटी को तीन साल से परेशान कर रहा है। अभियुक्त 17 अप्रैल 2020 की रात उसके घर आया और पीड़िता को धमका कर अपने साथ ले गया और परिचित के घर ले जाकर दुष्कर्म किया।

■ **पॉक्सो मामलों की विशेष अदालत ने आरोपी सरदारमल पर दो लाख रू. का जुर्माना भी लगाया।**

दुष्कर्मी ने उसे मारने की धमकी देकर घर भेज दिया। जिसके चलते पीड़िता ने घटना की जानकारी नहीं दी। इसके साथ अभियुक्त ने कई बार उसके साथ दुष्कर्म किया। इस पर पीड़िता ने अपने परिजनों को घटना की जानकारी दी। रिपोर्ट पर कार्रवाई करते हुए पुलिस ने अभियुक्त को गिरफ्तार कर अदालत में आरोप पत्र पेश किया। सुनवाई के दौरान पीड़िता ने अभियुक्त के साथ ही दो अन्य लोगों पर भी दुष्कर्म करने का आरोप लगाया, लेकिन पुलिस ने अभियुक्त को दोषी मानते हुए उसके खिलाफ आरोप पत्र पेश किया। वहीं बाद में शेष दोनों को आरोपी बनाने के लिए अदालत में प्रार्थना पत्र पेश किया गया, लेकिन अदालत ने प्रार्थना पत्र खारिज कर दिया।

'सरकारी मामलों में पैरवी व सरकारी इकाइयों में नियुक्ति के बारे में क्या नीति है'

-यादवेंद्र शर्मा-

जयपुर, 18 जनवरी। राजस्थान हाईकोर्ट में केंद्र तथा राज्य सरकार की विभिन्न इकाईयों तथा निगमों के विभिन्न कानूनी मुकदमों में वकीलों की नीतिबद्ध तरीके से नियुक्ति नहीं किए जाने और मामलों की सुनवाई के दौरान उपस्थित नहीं होने पर नाराजगी जताते हुए न्यायाधीश समीर जैन ने मामले पर स्वत: संज्ञान लिया है। और साथ ही अदालत ने केंद्र सरकार और राज्य सरकार से वकीलों की नियुक्ति किये जाने, उन्हें सरकारी मामलों में पैरवी के लिये अनुबंधित किये जाने और सरकारी इकाईयों के पैनल में नियुक्त किये जाने की नीति गठित कर जवाब प्रस्तुत करने को कहा है।

सरकारी इकाईयों में सही से पैरवी नहीं होने और वकील नियुक्त नहीं किये जाने का मामला अदालत के समक्ष तब आया जब राजस्थान स्टेट रोड ट्रांसपोर्ट कॉर्पोरेशन (आर.एस.आर.टी.सी.) के खिलाफ पेंशन नहीं दिये जाने के एक मामले में आर.एस.आर.टी.सी. के वकील पैरवी के लिये उपस्थित नहीं थे। तब न्यायाधीश समीर जैन ने कॉर्पोरेशन के सीएमडी को अगली तारीख तक उपस्थित होने के आदेश दिये। इस मामले की अगली ही सुनवाई में सरकार की ओर से महाधिवक्ता पेश हुए थे। अदालत में आर.एस.आर.टी.सी. के डायरेक्टर (कानून) की ओर से यह आंकड़े भी पेश किये गये थे कि आर.एस.आर.टी.सी., रीको, जेडीए और नगर निगम के हजारों केस उच्च अदालत में लंबित हैं। केवल आर.एस.आर.टी.सी. के ही 7500 से अधिक मामले हाईकोर्ट में पेंडिंग हैं। प्रमुख सचिव के जवाब से यह भी स्पष्ट हो गया था कि आर.एस.आर.टी.सी. के पास वकील को नियुक्त करने या अनुबंधित करने की कोई स्पष्ट नीति नहीं है।

- **हाई कोर्ट ने राज्य व केन्द्र सरकारों से जवाब तलब किया, क्योंकि न्यायालय ने महसूस किया कि सरकार की ओर से नियुक्त वकील मुकदमों की सुनवाई के समय उपस्थित नहीं होते।**
- **राजस्थान बार एसोशिएशन से भी, उनका इस बारे में मत पेश करने के लिये कहा गया।**
- **बार ऐसोशिएशन के अध्यक्ष महेन्द्र शांडिल्य ने न्यायालय को बताया कि, नियुक्ति बड़े अपारदर्शी व मनमाने तरीके से होती है जिससे बैक गेट एन्ट्री व पक्षपात को बढ़ावा मिलता है।**
- **अदालत ने इस मामले में अधिवक्ता शशांक अग्रवाल को न्याय मित्र भी नियुक्त किया है।**

इस मामले में राजस्थान बार एसोसियेशन जयपुर के अध्यक्ष, महेन्द्र शांडिल्य, को भी अदालत में बुलाकर सरकारी वकीलों की नियुक्ति के संदर्भ में अपना जवाब प्रस्तुत करने को कहा गया था। महेन्द्र शांडिल्य ने भी अदालत को बताया कि सरकारी पैनलों में वकीलों की नियुक्ति बड़े ही अपारदर्शी और मनमाने तरीके से की जाती है। उन्होंने अदालत को कहा कि वकीलों की नियुक्ति के पहले ना तो कोई विज्ञापन जारी किया जाता है और ना ही कोई विचार-विमर्श किया जाता है जिससे पक्षपात और बैकडोर एंट्री को बढ़ावा मिलता है।

यहां यह भी उल्लेखनीय है कि 16 नवम्बर 2022 को प्रमुख सचिव (कानून) के द्वारा जारी किया एक सर्कुलर, में स्पष्ट कहा गया था कि कई मामलों में सरकार द्वारा नियुक्त वकील और एडीशनल एडवोकेट जनरल (ए.ए.जी.) पैरवी के लिये उपस्थित नहीं हो रहे थे और अपने सहायक अधिवक्ताओं को तारीख लेने के लिये भेज देते हैं। इस सर्कुलर में कहा गया है कि सरकारी वकीलों की इस प्रथा से सभी सरकारी विभाग परेशान थे क्योंकि सरकारी वकील और ए.ए.जी. की नियुक्ति महत्वपूर्ण मामलों में ही की जाती है।

न्यायाधीश समीर जैन ने इन सभी तथ्यों को मद्देनजर रखते हुए इस मामले में स्वत: संज्ञान लिया और इसे जनहित याचिका के रुप में सुनने का आदेश 17 जनवरी को दिया था जिसकी प्रति 18 जनवरी को प्रकाशित हुई।

अपने आदेश में न्यायाधीश समीर जैन ने केंद्र सरकार और राज्य सरकार की ओर से वकीलों को नियुक्त करने की नीति के संबंध में जवाब तलब किया है। अदालत ने इस मामले में अधिवक्ता शशांक अग्रवाल को न्याय मित्र भी नियुक्त किया है।

'पेपर तिजोरी में बंद होता...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

जिम्मेदार नहीं है, कोई न कोई तो जिम्मेदार होगा ही।'' यह कहकर सचिन पायलट ने मुख्यमंत्री की ओर से नेताओं अधिकारियों को पेपर लीक मामले में क्लीन चिट देने के बयान को कटघरे में ला दिया। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने कहा था कि सरगना के नाम बताओ, हालांकि सचिन पायलट ने अपने बयान में परीक्षा कराने वाली एजेंसी में लगे अधिकारियों का नाम भले ही नहीं लिया, लेकिन स्पष्ट कर दिया कि उनकी मर्जी के बिना पेपर लीक नहीं हो सकता। ऐसे में अब पेपर लीक मामले में अधिकारियों को बचाने की सरकार की कोशिश पर सवाल उठेंगे। जिनका जवाब देना चुनावी वर्ष में आसान नहीं होगा।

पायलट ने सरकार की ओर से एक के बाद एक करीब 2 दर्जन अधिकारियों को राजनीतिक नियुक्तियां देने पर भी बड़ा सवाल उठाया और इसे कांग्रेस कार्यकर्ताओं का हक मारने की संज्ञा दी। पायलट ने कहा कि, ''बहुत से लोगों को राजनीतिक नियुक्तियां दीं, लेकिन जिन लोगों ने सरकार बनाने के लिए खून पसीना बहाया, उनका अनुपात सुधारना होगा। पायलट ने कहा कि प्रदेश में बहुत से ऊंचे अधिकारी हैं, जो अधिकारी हमारी सरकार में काम करते हैं। उन्हें यह फर्क नही पड़ता कि राज कांग्रेस का है या बीजेपी का है। अफसर तो राज की नौकरी करते हैं। बड़े अफसरों को भी हमें राज में मौका देना हो तो दीजिए, लेकिन अनुपात ठीक होना चाहिए।

पायलट ने कहा कि कांग्रेस का वर्कर चाहे मेरा समर्थक हो, हेमाराम जी का समर्थक हो, बृजेंद्र ओला जी का समर्थक हो या किसी और का हो, उसे राजनीतिक नियुक्तियों में पद दें, तो उसका हम सब उसका स्वागत करेंगे। बड़े-बड़े अधिकारी शाम को 5 बजे रिटायर होते हैं और रात को 12 बजे उनकी नियुक्ति हो जाती है। थोड़ा बहुत तो होता है, लेकिन अधिकारियों की जगह कांग्रेस के कार्यकर्ता को पद मिलते तो अच्छा होता। हमें तो उसको ठीक करना होगा।

इसी के साथ पायलट ने कहा कि 2013 में हमारे 21 विधायक ही रह गए थे। केवल दो मंत्री जीते थे, बाकी पूरी कैबिनेट हार गई थी। उन विपरीत हालात में कांग्रेस हाईकमान ने मुझे कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष बनाकर भेजा। उस वक्त मैं केंद्र में मंत्री था। लोगों ने तब कहा था कि यह फायदे का सौदा नहीं है। वहां तो कांग्रेस का सूपड़ा साफ हो गया है। मैंने सब कुछ छोड़कर कार्यकताओं और नेताओं को जोड़ने, इकट्ठा करने की कोशिश की। इसी के चलते हमने सरकार बनाई।

मंत्री राजेंद्र गुढ़ा ने सभा को संबोधित करते हुए कहा कि जैसलमेर-बाड़मेर से लेकर भरतपुर - धौलपुर तक, गंगानगर- हनुमानगढ़ से लेकर बांसवाडा - डूंगरपुर तक का नौजवान चाहता है कि उनकी तकदीर सचिन पायलट लिखें।

गुढ़ा ने कहा कि आज इतनी बड़ी संख्या में जो नौजवान, किसान, माताएं, बहने जो जगदंबा के रूप में यहां बैठी हैं, इन सब का समर्थन और आशीर्वाद आपके साथ है।

मंत्री राजेंद्र गुढ़ा ने मुख्यमंत्री गहलोत पर हमला बोलते हुए कहा कि 100 में से 21 नंबर लाए वह फेल हो जाता है, जो 200 में से 21 लाए फिर भी वह पास। जो 21 सीट को 100 में बदल दें, वह निकम्मा कैसे हो गया ? हम यह कैसे भूलें ?

गुढ़ा ने कहा कि नौजवान हाईकमान के फैसले का इंतजार कर रहा है। जो बच्चा पहली बार वोटिंग करेगा वह भी और जिसका वोटर लिस्ट में नाम तक नहीं है वह भी पूछ रहा है कि पायलट साहब सीएम कब बन रहे हैं ? जब जब सत्ता के गलियारों में अन्याय होता है।

जनता के बीच उस व्यक्ति के प्रति साख-इज्जत बढ़ती है। राजस्थान का नौजवान चाहता है कि राजस्थान की तकदीर का फैसला पायलट करें। मंत्री गुढ़ा बोले कि जब राजा राम का राजतिलक होने जा रहा था पर बाद में उन्हें 14 साल का वनवास दे दिया गया तो जनता के मन में यह बैठ गया कि राम के साथ अन्याय हुआ। हस्तिनापुर में द्रौपदी का चीरहरण हुआ तो भी जनता को लगा कि द्रौपदी और पांडवों के साथ अन्याय हुआ। जिस जिसके साथ सत्ता ने अत्याचार किए हैं। वह जनता की सहानुभूति का पात्र बना है।

बॉर्डर एरिया में आधी रात को पाक से आया ड्रोन

श्रीगंगानगर, 18 जनवरी (कासं)। श्रीगंगानगर के श्रीकरणपुर बॉर्डर एरिया में आधी रात को पाकिस्तानी ड्रोन देखा गया। ड्रोन देखकर बीएसएफ के जवानों ने फायरिंग शुरू कर दी। इसके बाद ड्रोन वापस पाकिस्तानी सीमा में लौट गया। बॉर्डर पर अक्सर ड्रोन के जरिये तस्करी होती है, इसलिए संभावना थी कि, ड्रोन के जरिए इलाके में हेरोइन को फेंका गया है लेकिन सर्च ऑपरेशन में कुछ नहीं मिला। बीएसएफ के अधिकारिक सूत्रों के अनुसार देर रात करीब 12 बजे बीएसएफ जवानों को श्रीकरणपुर बॉर्डर एरिया के गांव 11 एफए-12 एफए के बीच के इलाके में ड्रोन नजर आया। ड्रोन की एक्टिविटी लगातार दो बार हुई। ड्रोन देखते ही बीएसएफ जवानों ने फायरिंग शुरू कर दी, जिसके बाद ड्रोन वापस पाकिस्तानी सीमा में लौट गया। ड्रोन के वापस लौटने पर बीएसएफ ने देर रात ही सर्च ऑपरेशन चलाया। पिछले कुछ दिनों से पाकिस्तान से लगातार श्रीगंगानगर के बॉर्डर एरिया के गांवों में ड्रोन के जरिए खेतों में हेरोइन के पैकेट फेंके जाते हैं।

■ **श्रीकरणपुर बॉर्डर एरिया में आधी रात के बाद आए इस ड्रोन पर बी.एस.एफ. जवानों ने फायरिंग की तो ड्रोन लौट गया।**

'विशेष दर्जा नहीं मिला तो विधानसभा चुनाव का बहिष्कार किया जाएगा'

राजस्थान भील विकास समिति ने चेतावनी दी

- **भील समाज की मांग है कि, सरकारी नौकरियों में पर्याप्त प्रतिनिधित्व के लिए उन्हें भी सहरिया जनजाति की तरह विशेष दर्जा दिया जाए।**
- **राजसमंद में राजस्थान विकास समिति की बैठक हुई। बैठक में प्रदेशाध्यक्ष मोहनलाल भील ने कहा कि, सरकार के सामने बार-बार भील समाज का पक्ष रखा गया है पर सरकार उसकी अनदेखी कर रही है।**

राजसमंद, 18 जनवरी (निसं)। सरकारी नौकरियों में प्रभावी प्रतिनिधित्व के लिए भील समाज को सहरिया जनजाति की तर्ज पर आरक्षण में विशेष दर्जा दिए जाने की लम्बे अर्से से चल रही मांग पूरी नहीं होने एवं इस मुद्दे पर राज्य सरकार के उदासीन रवैये पर आक्रोश जताते हुए राजस्थान भील समाज विकास समिति ने आगामी विधानसभा चुनाव में मतदान का बहिष्कार करने का निर्णय किया है।

यहां जिला मुख्यालय पर पलेवा मगरी स्थित सभा भवन में प्रदेशाध्यक्ष मोहनलाल भील, संभागीय अध्यक्ष शंकरलाल, जिलाध्यक्ष उदयलाल, जिला युवा अध्यक्ष फूलचंद, जिला बेरोजगार युवा अध्यक्ष जगदीशचन्द्र भील आदि की मौजूदगी में हुई बैठक में इस मुद्दे पर विस्तृत विचार-विमर्श के बाद उक्त महत्वपूर्ण निर्णय किया गया। प्रदेशाध्यक्ष सहित सभी पदाधिकारियों ने आक्रोश व्यक्त किया कि बार-बार सरकार के समक्ष भील समाज का पक्ष रखने एवं हालात से अवगत कराने के बावजूद समाज को लगातार अनदेखा किया जा रहा है, जो चिंताजनक है। उन्होंने कहा कि राजसमन्द जिला व आसपास के क्षेत्र में बिखरी आबादी में बसा भील समाज पहले से ही काफी पिछडा हुआ है जिसे विकास की मुख्य धारा में लाने की दरकार है। सरकार भील समाज के उत्थान के लिए बडे-बडे वादे तो करती है लेकिन कभी कोई ठोस कदम नहीं उठाए गए हैं। आरक्षण में भील समाज के लिए विषेश प्रावधान नहीं होने के कारण जनजाति वर्ग के लिए लागू आरक्षण का पूरा लाभ कुछ जिलों का जनजाति वर्ग ही उठा रहा है। इसके चलते आज भी सरकारी नौकरियों में राजसमन्द क्षेत्र के भील समाज का प्रतिनिधित्व शून्य समान ही है। इसे देखते हुए भील समाज के विकास की उम्मीद करना बेमानी है। पदाधिकारियों ने आक्रोश जताया कि पिछले कई वर्षो से भील समाज अपने वाजिब अधिकार के लिए संघर्ष कर रहा है। लेकिन कोई सुनवाई नहीं हुई।

बैठक में सभी ने सरकार से पुरजोर मांग की कि बारां क्षेत्र की सहरिया जनजाति की तर्ज पर राजसमन्द जिला व आसपास के क्षेत्र के भील समाज को भी आरक्षण अन्तर्गत विषेश दर्जा दिया जाए ताकि इनका जीवन स्तर भी ऊंचा उठ सके। यह भी कहा कि सरकारी सेवाओं में भील समाज का अपेक्षित प्रतिनिधित्व नहीं है, इसलिए समाज का उत्थान सम्भव नहीं हुआ। इस विषय पर विस्तृत चर्चा के बाद पदाधिकारियों ने एकमत होकर निर्णय किया कि भील समाज को विषेश दर्जा नहीं देने पर आगामी विधानसभा चुनाव में राजसमन्द क्षेत्र का भील समाज मतदान का बहिष्कार करेगा जिसकी जिम्मेदारी राज्य सरकार की होगी। बैठक में समिति से जुडे राजसमन्द, नाथद्वारा, खमनोर, देलवाडा, रेलमगरा, आमेट, कुम्भलगढ आदि तहसीलों के पदाधिकारी व सदस्य उपस्थित थे।

समिति जिलाध्यक्ष उदयलाल ने बताया कि अपने हक के लिए भील समाज वर्ष 2008 से लगातार संघर्षरत है। बीते डेढ दशक से चल रहे आंदोलन के तहत कई बार धरना-प्रदर्शन, घेराव आदि हुए, कलक्टर से लेकर मंत्री, मुख्यमंत्री व राज्यपाल तक को कई बार ज्ञापन सौंपे गए। सीएम से मिलकर वस्तुस्थिति से अवगत कराया एवं तथ्यात्मक जानकारी प्रस्तुत की गई लेकिन नतीजा नहीं निकला। उन्होंने बताया कि करीब दो वर्ष पूर्व सिरोही विधायक संयम लोढा ने विधानसभा में यह मुद्दा उठाया परन्तु सरकार ने कोई पहल नहीं की। करीब डेढ वर्ष पूर्व बिलोता (देलवाडा) में सुखाडिया विश्वविद्यालय के कार्यक्रम में विधानसभा अध्यक्ष डॉ. सी.पी. जोशी ने राज्यपाल को भील समाज के हालात से रूबरू कराते हुए इनके उत्थान के लिए ठोस कदम उठाने की वकालत की थी। गत वर्ष गुडला (नाथद्वारा) में विद्यालय लोकार्पण समारोह में विधानसभा अध्यक्ष ने मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के समक्ष यह मुद्दा उठाया था वहीं पीसीसी चीफ गोविन्दसिंह डोटासरा के नाथद्वारा आगमन पर डॉ. जोशी ने उन्हें भी जानकारी दी।

गत वर्ष राजसमन्द विधानसभा उपचुनाव से पहले डॉ. जोशी ने सरकार के समक्ष पुन: यह समस्या रखी जबकि विगत महीनों नाथद्वारा क्षेत्र की फतेहपुर पंचायत में आयुर्वेदिक वैलनैस सैंटर शिलान्यास समारोह में विधानसभा अध्यक्ष ने पुन: सीएम को उक्त मुद्दे का स्मरण कराया। इसके अलावा डॉ. जोशी ने जयपुर राजभवन में राज्यपाल के साथ बैठक में भी यह मामला उठाया था। जिलाध्यक्ष ने बताया कि गुडला गांव में हुए कार्यक्रम में सीएम ने इस मुद्दे पर गम्भीरता दिखाते हुए इसके लिए सब कमेटी गठन की घोषणा की एवं बाद में इसके अनुरूप कमेटी भी बन गई लेकिन आज तक कोई कार्रवाई नहीं हुई।

'वन भूमि से घिरी सरकारी भूमि को फॉरैस्ट लैण्ड घोषित क्यों नहीं किया जा रहा'

■ **राजस्थान हाई कोर्ट ने राजस्व विभाग के प्रमुख सचिव, झुंझुनूं कलैक्टर और वन विभाग से जवाब तलब किया। इस संबंध में दायर याचिका में अधिवक्ता तनवीर अहमद ने बताया कि, संभागीय आयुक्त की अध्यक्षता में गठित कमेटी ने इस भूमि को वन भूमि घोषित करने का निर्णय लिया था।**

जयपुर, 18 जनवरी (का.सं.)। राजस्थान हाईकोर्ट ने प्रमुख राजस्व सचिव, झुंझुनूं कलेक्टर, प्रधान मुख्य वन संरक्षक, स्थानीय डीएफओ, रेंज फोरेस्ट ऑफिसर उदयपुरवाटी और हैड ऑफ फॉरेस्ट से पूछा है कि वन भूमि से घिरी सरकारी भूमि को वन संरक्षण के लिए राजस्व रिकॉर्ड में फॉरेस्ट लैंड के तौर पर दर्ज क्यों नहीं किया जा रहा है।

जस्टिस एमएम श्रीवास्तव और जस्टिस गणेश राम मीणा की खंडपीठ ने यह आदेश फूलचंद की ओर से दायर जनहित याचिका पर दिए। याचिका में अधिवक्ता तनवीर अहमद ने अदालत को बताया कि संभागीय आयुक्त की अध्यक्षता में गठित कमेटी ने 24 दिसंबर 2021 को निर्णय लिया था कि वन भूमि से घिरी सरकारी भूमि को भी राजस्व रिकॉर्ड में फॉरेस्ट लैंड घोषित किया जाए।

इसके बावजूद अब तक इस पर कोई कार्रवाई नहीं हुई है। जनहित याचिका में कहा गया कि वन भूमि से घिरी सिवायचक जमीन का दूसरा उपयोग होने से वहां मौजूद वन भूमि और उसमें विचरण करने वाले जीव प्रभावित होते हैं। वहीं सिवायचक जमीन का उपयोग लेने वाले भी वन्यजीवों से प्रभावित होते हैं। इसके साथ ही धीरे-धीरे वन भूमि का उन्मूलन होने लगाता है।

इसलिए वन भूमि से घिरी सरकारी भूमि को भी राजस्व रिकॉर्ड में फोरेस्ट लैंड के तौर पर दर्ज किया जाए। जिससे इस भूमि को भी वन भूमि के तौर पर विकसित किया जा सके। याचिका में बताया गया कि राज्य में प्रति व्यक्ति वन क्षेत्र सिर्फ 0.06 हेक्टेयर ही है। राज्य सरकार की वन नीति में भी प्रावधान है कि जहां भी खाली जमीन हो, वहां वृक्षारोपण किया जाना चाहिए।

याचिका में कहा गया कि झुंझुनूं जिला स्थित खेतडी तहसील के कांकरिया गांव में स्थित करीब चालीस हेक्टेयर भूमि वन भूमि से घिरी हुई है। इसके बावजूद उसे फोरेस्ट लैंड घोषित नहीं किया जा रहा है।

नॉर्थ ईस्ट के तीन राज्यों के चुनाव नतीजों...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

मार्च को समाप्त हो रहा है। उक्त तीनों राज्यों की विधानसभाओं में प्रत्येक की कुल सदस्य संख्या 60 है।

चुनाव आयोग ने कहा कि तीनों राज्यों का चुनाव कार्यक्रम हाई स्कूल परीक्षाओं और सुरक्षा बलों के मूवमैन्ट को ध्यान में रखकर बनाया गया है।

मुख्य चुनाव आयुक्त ने एक न्यूज कॉन्फ्रेंस में बताया कि ''नागालैण्ड, मेघालय और त्रिपुरा में 62.8 लाख से अधिक मतदाता हैं, जिनमें 31.47 लाख महिला वोटर्स हैं। तीनों राज्यों में 1.76 लाख से अधिक वोटर्स पहली बार वोट डालेंगे।''

इस वर्ष होने वाले विधानसभा चुनावों की शुरुआत उत्तर-पूर्व के इन तीन राज्यों से होने जा रही है। इनमें भी त्रिपुरा पर विशेष फोकस होगा जहां भाजपा ने वर्ष 2018 में पहली बार जीत दर्ज की थी। त्रिपुरा में जहां भाजपा सरकार है वहीं नागालैण्ड में नैशनलिस्ट डैमोक्रेटिक प्रोग्रेसिव पार्टी सत्ता में हैं।

द नैशनल पीपल्स पार्टी उत्तर-पूर्व भारत की एकमात्र ऐसी पार्टी है जिसे राष्ट्रीय पार्टी का दर्जा प्राप्त है। यह पार्टी मेघालय में सत्ता में है।

वर्ष 2018 में भाजपा ने वाम दल का 25 वर्षों का शासन समाप्त कर ऐतिहासिक जीत दर्ज की थी। इसके बाद बिप्लान देब वहां के मुख्यमंत्री बनाए गए थे। तथापि बढ़ते असंतोष के कारण गत वर्ष के मई माह में बिप्लब देब को हटाकर उनकी जगह डॉ. मानिक साहा को मुख्यमंत्री बनाया गया था। अब साहा के समक्ष पार्टी की राज्य इकाई में चल रहे आतंरिक विवादों को हल करने की चुनौती है।

इसके अतिरिक्त भाजपा की अपने एक प्रमुख सहयोगी एवं आदिवासी पार्टी ''इण्डीजिनस पीपल्स फ्रंट ऑफ त्रिपुरा'' (आई.पी.एफ.टी.) के साथ फिलहाल अनबन चल रही है।

केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने हाल ही इस राज्य का दौरा कर एक ''जन विश्वास यात्रा'' के जरिए इन मुद्दों का समाधान करने और समर्थन जुटाने की कोशिश की थी। उधर वाम दलों और कांग्रेस ने त्रिपुरा में एक साथ मिलकर चुनाव लड़ने का फैसला किया है। इन दोनों पार्टियों ने वर्ष 20021 के पश्चिम बंगाल चुनाव में भी भाजपा को पराजित करने के लिए ऐसा ही एक विफल गठबंधन बनाया था।

त्रिपुरा के पूर्व राजघराने के सदस्य प्रद्युत मानिक्य, जो कि पहले कांग्रेस के साथ थे, ने ''त्रिपुरा मोथा'' नामक पार्टी का गठन किया है। वनवासी सीटों पर मानिक्य के प्रभाव के चलते आने वाले चुनाव में उनकी पार्टी एक महत्वपूर्ण फैक्टर हो सकती है।

मेघालय में वर्तमान में कॉनरॉड संगमा की नैशनल पीपल्स पार्टी (एन.पी.पी.) का शासन है। चुनावों से पहले यह पार्टी कई नए राजनीतिक संयोजनों की साक्षी रही है जिनमें उसके कई विधायक पार्टी छोड़कर दूसरी पार्टी में शामिल हो चुके हैं।

एन.पी.पी. और उसकी सहयोगी पार्टी भाजपा के बीच हाल ही के महीनों में मतभेद बढ़े हैं, लेकिन उम्मीद है कि दोनों पार्टियां विधानसभा चुनाव साथ मिलकर लड़ेंगी।

ये चुनाव ममता बनर्जी की तृणमूल कांग्रेस के लिए भी एक अहम परीक्षा होगी। पूर्व मुख्यमंत्री मुकुल संगमा के नेतृत्व में जब कांग्रेस के 17 में से 12 विधायक तृणमूल में शामिल हुए थे, तब ममता की पार्टी ने यहां अपनी उपस्थिति दर्ज करा दी थी, हालांकि उनमें से तीन विधायक अब तृणमूल कांग्रेस भी छोड़ चुके हैं। वर्ष 2023 में जिन छह अन्य राज्यों में विधानसभा चुनाव होंगे, उनमें राजस्थान, छत्तीसगढ़ और तेलंगाना है।

गहलोत की...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

में किसान, युवा, महिलाएं व अन्य भी संख्या में उपस्थित हैं। पायलट ने अपनी मीटिंग्स शुरु करने से पूर्व राहुल गांधी से मुलाकात की थी और उन्हें ब्रीफ किया था कि वे जनता से संपर्क स्थापित करने, उससे मिलने और पार्टी कार्यकर्ताओं को सक्रिय करने जा रहे हैं क्योंकि राज्य में विधानसभा चुनाव इस वर्ष के अंत में ही होने वाले हैं। इससे गहलोत की रातों की नींद उड़ गई है और पार्टी संगठन में उथल पुथल एवं भ्रमपूर्ण स्थिति निर्मित हो गई है।

पंजाब के वरिष्ठ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

सकता है। मैं किसी बात विशेष को विस्तार से समझाना जरूरी नहीं समझता। इसी के कारण मेरा पार्टी से हमेशा के लिए लगाव खत्म हो गया।

कड़कती ठंड में रूस-यूक्रेन...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

लडने के लिए अत्याधुनिक टैंकों के लिए निवेदन किया है। ब्रिटेन अत्याधुनिक ''चेलैंजर 2'' टैंकों की सप्लाई का निर्णय पहले ही ले चुका है। ये टैंक अत्यधिक शक्तिशाली हैं। ब्रिटेन के साथ ही, पोलैंड भी यह निर्णय ले चुका है कि वह यूक्रेन को अत्याधुनिक टैंक भेजेगा ताकि अनुमानित रुसी सैन्य अभियान का सामना किया जा सके।

इस बीच, यूक्रेन को सबसे ज्यादा और महत्वपूर्ण सैन्य सहायता देने वाले अमेरिका ने अभी तक यह निर्णय नहीं लिया है कि वह यूक्रेन को अपना ''अब्राम्स'' टैंक देगा, जिसकी बड़ी उत्सुकता से प्रतीक्षा की जा रही है। इसके बजाय, अमेरिका ने यूक्रेन को बख्तरबंद गाड़ियों, ब्रैडले इन्फ्रैन्ट्री गाड़ियों की पेशकश की है, जो ''टैंक किलर्स'' मानी जाती है।

इसी बीच, जर्मनी तथा फ्रांस भी यूक्रेन को और अधिक टैंक तथा सैन्य हार्डवेयर भेज रहे हैं जर्मनी नाटो देशों के लिए कुछ बहुत महत्वपूर्ण बख्तरबंद गाड़ियों का निर्माण करता है। लेकिन इन्हें अभी यूक्रेन को दिये जाने की मंजूरी नहीं मिली है। लेकिन अब ऐसा प्रतीत हो रहा है कि कन्जर्वेटिव जर्मन सरकार यूक्रेन को इन अति महत्वपूर्ण मशीनों में से कुछ मशीनें देने का मानस बना रहा है।

शुरुआती दिनों में, यूरोपियन देशों ने यूक्रेन को अत्याधुनिक घातक हथियार देने में पूरी उदारता नहीं दिखाई, क्योंकि उन्हें रुस की नाखुशी का डर था। इस नये और बड़े सैन्य अभियानों से पहले, यह याद दिलाना उल्लेखनीय होगा कि रुस के राष्ट्रपति ने हर उस देश को सजा दिये जाने की धमकी दे दी थी, जो रुस-यूक्रेन युद्ध में दखलंदाजी करेगा। रुसी राष्ट्रपति ने इसके भयानक नतीजे भुगतने की धमकी दे दी थी।

अब इस युद्ध के लगभग एक साल तक चलने के बाद, इनमें से ज्यादातर देशों का सोच बदल गया है तथा वे मानने लगे हैं कि अब रुस इतना कमजोर हो गया है कि वह अन्य देशों के साथ और कोई लड़ाई मोल नहीं ले सकता। यूक्रेन की जमीन पर रुस की घोर असफलता से रुसी सेनाओं के इर्द-गिर्द बना वह सैन्य आभामंडल नष्ट हो गया है।

■ **पर, अब यूक्रेन युद्ध को साल भर होने के बाद, यूरोपीय देशों का विश्वास हो गया है कि, सामरिक दृष्टि से कमज़ोर हुआ रूस, अब अपनी धमकी को क्रियान्वित करने की क्षमता नहीं रखता।**

फिर भी, इस बात पर प्रश्न चिन्ह लगा हुआ है कि यूक्रेन को मिलने वाले ये नये हथियार तथा अन्य युद्ध सामग्री कितनी कारगर साबित होगी। चूंकि ये मशीनें अत्याधुनिक तथा अत्यधिक जटिल हैं इसलिए इन्हें तैनात करने का वास्तविक लाभ तभी मिल सकता है, जब यूक्रेन के सैनिक इनके उपयोग करने का उचित प्रशिक्षण लिए हुए हो। इन अस्त्र शस्त्र की युद्ध क्षेत्र में तैनाती से पहले अगर यूक्रेनी सैनिकों को इन्हें काम में लेने की कम से कम छ महीनों की ट्रैनिंग नहीं मिलेगी, इन नये हथियारों के उपयोग की रणनीति के केवल असफल ही रहने की संभावना रहेगी।

ऐसी स्थिति को देखते हुए, ब्रिटेन ने अपने चैलेंजर टैंक के प्रयोग के लिए प्रशिक्षण सत्र आयोजित करना शुरु कर दिया है।

अन्य देशों ने इन हथियारों तथा साज सामान की तैनाती के लिए अभी प्रशिक्षण सत्र शुरु ही नहीं किये हैं। विभिन्न प्रकार तकनीकों वाले अनेकानेक प्रकार के इन हथियारों को युद्ध में उतारना, इन हथियारों के रखरखाव तथा इनके प्रयोग को मुश्किल बना सकता है।

'सिमी पर ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

शपथ पत्र में उल्लेख किया गया है कि ''सिमी इस्लाम का प्रचार करने और जिहाद के लिए समर्थन जुटाने को लेकर छात्रों और युवाओं को लामबंद करना चाहता है। यह संगठन ''इस्लामी इंकलाब'' के जरिए ''शरियत'' आधारित इस्लामी शासन लाने पर भी जोर दे रहा है। यह संगठन राष्ट्र देश अथवा भारत के धर्म निरपेक्ष संविधान में विश्वास नहीं करता। यह मूर्ति पूजा को पाप मानता है और ऐसी पूजा पद्धति को समाप्त करना अपना फर्ज मानता है।'' केन्द्र ने कहा कि सिमी की आर्थिक स्थिति मजबूत है उसे अरब देशों से भारी चंदा मिलता है। ये चंदा दो वर्गों में रखा जा सकता है जकात/दान और लूट व डकैती।' शपथ पत्र में कहा गया है कि सिमी के सदस्यों के पाकिस्तान, अफगानिस्तान, बांग्लादेश, सऊदी अरेबिया और नेपाल से ताल्लुक है। यह संगठन ऐसे विभिन्न कट्टरपंथी व आतंकी संगठनों से प्रभावित है, जो जम्मु-कश्मीर में सक्रिय हैं। यह कई अन्य नामों के तहत भी सक्रिय है जैसे तमिलनाडु में वहादत-ए- इस्लामी, राजस्थान, कर्नाटक, गुजरात, आंध्र प्रदेश व दिल्ली में इण्डियन मुजाहिद्दीन, उत्तर प्रदेश में मुस्लिम मुत्ताहिद जिहाद, कर्नाटक में अंसारूल्लाह, मध्यप्रदेश में वहादत-ए-उम्मत व पश्चिम बंगाल में नागरिक सुरक्षा मंच।

माइक्रोसॉफ्ट भी 11 हजार कर्मचारियों की छंटनी करेगा

वाशिंगटन, 18 जनवरी (वार्ता/स्पूतनिक)। अमेरिका की दिग्गज सॉफ्टवेयर कंपनी माइक्रोसाफ्ट वैश्विक आर्थिक मंदी की आशंका के मद्देनजर अपने करीब 11 हजार कर्मचारियों की छटंनी करेगा। स्काई न्यूज ने यह रिपोर्ट दी है।

मंगलवार को जारी रिपोर्ट में कहा गया है कि यह संख्या माइक्रोसाफ्ट में काम करने वाले कर्मचारियों का पांच प्रतिशत है। जबकि एक विश्लेषक ने बताया कि यह संख्या बढ़ भी सकती है।

रिपोर्ट में कहा गया है कि माइक्रोसाफ्ट प्रमुख सत्य नडेला 24 जनवरी को वित्तीय निवेशकों को अपडेट से पहले कर्मचारियों की छटंनी की घोषणा कर सकते हैं। 1.78 खरब वाली इस कंपनी में दुनियाभर में दो लाख 20 हजार से ज्यादा कर्मचारी है।

जस्टिस माहेश्वरी व सुप्रीम कोर्ट बार काउंसिल अध्यक्ष के बीच भारी गहमागहमी देखने को मिली

बार काउंसिल के अध्यक्ष ने सुनवाई के दौरान जस्टिस माहेश्वरी पर यह आरोप लगाया कि, आप मनमर्जी से केस पिक कर रहे हैं

■ **दरअसल, जस्टिस माहेश्वरी एवं बेला त्रिवेदी की बैंच बुधवार को लिस्ट हुये मामलों की सुनवाई करने के बाद मंगलवार को अधूरे छूट गये मामलों की सुनवाई करने लगी तो बार काउंसिल के अध्यक्ष विकास सिंह ने उन्हें बीच में ही टोक दिया।**

नई दिल्ली, 18 जनवरी। सुप्रीम कोर्ट में बुधवार को जस्टिस दिनेश माहेश्वरी व सुप्रीम कोर्ट बार काउंसिल के अध्यक्ष विकास सिंह के बीच गहमागहमी देखने को मिली। जस्टिस माहेश्वरी ने एडवोकेट विकास सिंह के व्यवहार पर नाराजगी जताई। दोनों के बीच काफी देर बहस चलती रही। दरअसल, जस्टिस दिनेश माहेश्वरी और जस्टिस बेला त्रिवेदी की बेंच ताजा मामलों को सुनने के बाद, ऐसे मामलों की सुनवाई करने लगी जो एक दिन पहले अधूरे रह गए थे।

इस पर एडवोकेट विकास ने टोकते हुए आपत्ति जताई। जिस पर जस्टिस दिनेश माहेश्वरी ने कहा कि यह पहले ही लिस्ट में बताया गया था कि ताजा मामलों को सुनने के बाद सप्लीमेंट्री लिस्ट के मामलों की सुनवाई होगी। लेकिन इसके बाद भी विकास सिंह तर्क करते रहे। लाइव लॉ की एक रिपोर्ट के मुताबिक एडवोकेट विकास सिंह ने कहा कि तीन कोर्ट में इस तरह की समस्या है। अगर किसी अधूरे मामले की सुनवाई है तो लिस्ट में इसे भी दर्शाना चाहिए। इस पर जस्टिस माहेश्वरी ने कहा कि सप्लीमेंट्री लिस्ट के ये वही मामले हैं, जिन्हें कल बोर्ड पर दिखाया गया था।

एडवोकेट विकास सिंह ने कहा कि बार काउंसिल का प्रेसिडेंट होने के नाते यह मेरी ड्यूटी है कि अगर कहीं कोई समस्या या खामी है तो उसकी तरफ आपका ध्यान आकर्षित करें। इस पर जस्टिस दिनेश माहेश्वरी ने जवाब दिया कि क्या हम आपको बार-बार एक ही बात एक्सप्लेन करते रहें? आपने व्यक्तिगत तौर पर पूरे मामले को वेरीफाई नहीं किया..क्या आपने ऐसा किया? आप बार काउंसिल सबसे सीनियर मेंबर हैं, ऐसे में हम आपसे इससे अधिक की उम्मीद करते हैं।

राष्ट्रदूत (एच.यू.एफ.) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस, सुधर्मा, एम.आई.रोड़, जयपुर एवं सुधर्मा-II, लालकोठी शॉपिंग सेंटर, टोंक रोड़, जयपुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक:- राजेश शर्मा । आर.एन.आई. नं. 3641/57, ई-मेल-rastrdut@gmail.com कोटा कार्यालय:-पलायथा हाउस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन:2386031, 2386032, फैक्स:0744-2386033 बीकानेर कार्यालय:-कुंम्भाना हाउस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन:2200660, फैक्स: 0151-2527371 उदयपुर कार्यालय:-आयड, मेन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, 2418945, फैक्स: 0294-2410146 अजमेर कार्यालय:-घूघरा घाटी, जयपुर रोड,अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665 जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन: 226422, 226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालय: एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन: 256906, 256907, फैक्स:01562-256908

MARUTI SUZUKI ARENA

जल्दी करें या मौक़ा गँवाएँ*

सीमित अवधि ऑफ़र्स, सिर्फ़ आपके लिए।

बड़ी बचत

WAGONR ₹48 000*
ALTO K10 ₹48 000*
S-PRESSO ₹46 000*
CELERIO ₹36 000*
EECO ₹30 100*

ऑफ़र सिर्फ़ स्टॉक रहने तक मान्य है।

WAGONR ALTO K10 S-PRESSO CELERIO EECO

E-book today at www.marutisuzuki.com or visit your nearest Maruti Suzuki dealership | For bulk orders, mail at: bharat.mittal@maruti.co.in

AUTHORISED DEALERS: JAIPUR CITY: PREM MOTORS PVT. LTD: CORPORATE PARK, GOPAL BARI, AJMER ROAD: CALL: 4511111, 9785034000. JAIPUR-VKI, ROAD NO.8: CALL: 4411111, 9785023000. **AURIC MOTORS PVT LTD.:** MANSAROVAR: CALL: 8929207471. **KTL AUTOMOBILE PVT. LTD.:** VAISHALI MARG, VAISHALI NAGAR: CALL: 9209056789. **VIPUL MOTORS PVT. LTD.:** TONK ROAD: CALL: 2727000, 7340045958. AJMER ROAD: CALL: 4065555, 9660000363. **K.P. AUTOMOTIVES PVT. LTD.:** ADARSH NAGAR: CALL: 4074444, 9549650361. BANIPARK: CALL: 4072222, 2201365, 8698003009. **SATNAM MOTOCORP PVT. LTD.:** MALVIYA NAGAR: CALL: 2523400, 8302890000. **SANGA AUTOMOBILES PVT. LTD.:** TONK ROAD: CALL: 2793924/5/6/7, 4110100, 9772210902. **JAIPUR: VIPUL MOTORS PVT. LTD.:** DAUSA: CALL: 9773364861. LALSOT: CALL: 9773364863. BANDIKUI: CALL: 9773364864. MAHWA: CALL: 9773364862. MEHANDIPUR BALAJI: CALL: 9773364865. UNIARA: CALL: 7742944482. **KTL AUTOMOBILE PVT. LTD.:** PHULERA: CALL: 7412077062. SAMBHAR: CALL: 7412068410. ACHROL: CALL: 7412077078. **FORTUNE CARS:** KARAULI: CALL: 8875001175/ 8875005132. HINDAUN: CALL: 9214794314 / 8875007758. **PREM MOTORS PVT. LTD.:** BASSI: CALL: 8058794137. SAWAI MADHOPUR: CALL: 07462-220029 / 8058799005 / 8058794181. GANGAPUR CITY: CALL: 8058794021. BAGRU: CALL: 8058401166. KOTPUTLI: CALL: 8058794121. JOBNER: CALL: 8058796065. RENWAL: CALL: 8058600117. RENWAL-MANJHI: CALL: 8058794042. DUDU: CALL: 8058406655. PHAGI: CALL: 8058403338. KANOTA: CALL: 8058794167. TUNGA: CALL: 8058794137. **K.P. AUTOMOTIVES PVT. LTD.:** TONK: CALL: 9549651924. CHAKSU: CALL: 9549651926. SHAHPURA: CALL: 8696925275. DEOLI: CALL: 8696934957. MALPURA: CALL: 9549650513. NIWAI: CALL: 9667777114. PAOTA: CALL: 9549650495. VIRATNAGAR: CALL: 6350612446. JAMWA RAMGARH: CALL: 6350612727. **SANGA AUTOMOBILES PVT. LTD.:** CHOMU: (MORIJA ROAD): CALL: 9772210096 / 9772210906. GOVINDGARH: CALL: 9772210451. **AJMER: RELAN MOTORS**: CALL: 0145-2610106, 9214444222. **AJMER AUTO**: CALL: 0145-2425200, 9314531845, 9314391004. **ALWAR: MG MOTORS:** CALL: 9001795515, 9001795517, 8003692651, 8003692652, 8003090466. **BIKANER: DUDI AUTOMOBILES:** CALL: 0151-2942222, 0151 -3550418, 7412075151. PADAMPUR: CALL: 7412075151. **AURIC MOTORS**: CALL: 0151-2251819, 9529251819, 9636045111. **SRIGANGANAGAR: AURIC MOTORS**: CALL: 8955559963. **DUDI AUTOMOBILES:** PADAMPUR: CALL: 7412075151. **SIKAR: JAMU AUTOMOBILES**: CALL: (01572) 245515 / 246219. **NEEM KA THANA: JAMU AUTOMOBILES**: CALL: 9785644715. **JHUNJHUNU: AURIC MOTORS**: CALL: 8955664400. **CHURU: AURIC MOTORS:** CALL: 01562-250696, 8875010502. **KOTA: BHATIA & COMPANY:** CORPORATE OFFICE: 23-24, INDUSTRIAL ESTATE: CALL: 0744-2365092, 9829035100. DAKANIYA SHOWROOM: G-11-12, AUTO MOBILE ZONE, NEAR DAKANIYA STATION: CALL: 0744-2439000, 9829799009. **SUWALKA MOTORS PVT. LTD.:** KUNHARI: CALL: 0744-2370272, 9116312345, 7300308888. SULTANPUR: CALL: 9116178527. BHAWANIMANDI: CALL: 9116178557. KHANPUR: CALL: 07430-299240, 8306333715. **JODHPUR: AURIC MOTORS PVT LIMITED:** SARASWATI NAGAR, NEW PALI ROAD: CALL: 0291- 2722691, 9015900500. BALESAR: CALL: 6377715171. AHORE: CALL: 9015900500. SAYLA: CALL: 9015900500. **SHRI KRISHNA AUTO SALES PVT. LTD.:** PRATAP NAGAR: CALL: 0291-2762064/65, 9929244403, 9829144436. PHALODI: CALL: 9928841300, 9116150669, 9929244402. **L.M.J. SERVICES LTD:** A-11, INDUSTRIAL ESTATE, OPP. UDYOG BHAWAN, NEW POWER HOUSE ROAD: CALL: 8094011123, 8094011151, 0291- 2630478/79/80. **NAGAUR: MANGALAM MOTORS**: CALL: 9116008626, 9116008630. **PALI: L.M.J. SERVICES LTD.:** CALL: 02932 - 256177, 8094011136. **SIROHI: NAVNEET MOTORS:** CALL: 02972-222917-18, 7665010638. **UDAIPUR: NAVNEET MOTORS**: MADRI: CALL: 0294-2494454, 7230046380. CITY STATION ROAD: CALL: 0294-2415142, 7230046381. **TECHNOY MOTORS:** GOVARDHAN VILLAS: CALL: (0294) 2485158, 2485738, 9982666809. **BANSWARA: NAVNEET MOTORS**: CALL: 9414159145, 7665010632, 7412074100. **BHILWARA: LOHIA AUTOMOBILES**: CALL: 01482-264061, 264144, 09799545333, 09950512555. **CHAMPION CARS**: CALL: 01482-267135, 9602892423, 7727863720. **BHARATPUR: TM MOTORS:** CALL: 05644-220970, 226392, 9251423393, 9251423395, 8094000626. **CHITTORGARH: BHATIA & COMPANY**: CALL: 9414130799, 9001791753, 9587208999, 9414179006, 9413316117.

*Offer includes consumer offer, exchange offer and ISL/ Rural offer (wherever applicable) on WagonR (1.2L Petrol- all variants except AGS) Alto K10 (Petrol- LXI & VXI variants only), S-Presso (Petrol- all variants except AGS), Celerio (Petrol- all variants except AGS) and Eeco (Petrol- all variants except cargo, flexi & Ambulance). *Terms & Conditions apply. Creative visualization. The terms and conditions are subject to change without any prior notice. All offers are brought to you by Maruti Suzuki dealers only. Offers may vary from variant to variant. All offers shown are valid for limited period & for limited stock only. For more details, please contact your nearest ARENA dealership. Colors shown may vary from actual body colors due to printing on paper. Black glass shade on the vehicle is due to lighting effect. Images used are for illustration purposes only. Maruti Suzuki India Limited reserves the right to discontinue offers without notice. Above offers are valid till 31st January 2023 or till stocks last, whichever is earlier.